नई दिल्ली RNI NO. DELHIN/2010/37009

वर्ष: 11

अंक: 61

सोमवार, 22-28 नवंबर, 2021

मूल्य: 5 रु प्रति

रु 250 वार्षिक

शिवपाल यादव ने की आज़म खान से मुलाक़ात, इस मुलाक़ात की बड़ी वजह भी हो सकती है 03

यह सही समय है जब एमएसपी व्यवस्था को युक्तिसंगत बना सकती है सरकार 08

NCR समाचार

31 प्रवासियों की नाव पलटने से मौत इंग्लिश चैनल पार करते समय हुई घटना 10

अपने सपनों पर 'बुर्का' डालने की बजाय कठिन डगर पर चल पड़ी ओडिशा की पहलवान ताहिरा 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in BY C.R.O. TEAM twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

अपनी बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा रही कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा 12

संक्षिप्त समाचार

सिद्धू ने फिर चन्नी सरकार को घेरा, बोले- ड्रग्स रिपोर्ट नहीं जारी की तो मैं भूख हड़ताल करूंगा

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी ही सरकार के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठने की धमकी दी है। आपको बता दें कि पंजाब कांग्रेस प्रमुख सिद्धू ने अगर ड्रग्स रिपोर्ट जारी नहीं हुई तो मैं चन्नी सरकार के खिलाफ भूख हड़ताल करूंगा। यह कोई पहली दफा नहीं है जब सिद्धू ने अपनी ही सरकार पर निशाना साधा है। इससे पहले भी कई मौकों पर वो चन्नी सरकार को घेरते हुए दिखाई दिए हैं। एक जनसभा को संबोधित करते हुए सिद्धू ने कहा कि दो महीने पहले जो सरकार बनी थी, क्या बोल कर बनी थी बोलो... पंजाब के लाखों नौजवान ड्रग्स लेकर मर गए, सुई लगाकर मर। मुझसे एक बार पटियाला में एक बुजुर्ग व्यक्ति ने कहा था कि सिद्धू मैं नशे की वजह से अपने पोते की हालत देखकर रोता हूं। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार ने ड्रग्स के खतरे और बेअदबी की घटना पर रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की तो मैं राज्य सरकार के खिलाफ भूख हड़ताल करेंगे।

किसानों की जो समस्या है, वह वैसी की वैसी है, टिकैत बोले- MSP पर बात करे सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानूनों को वापस ले लिया है। आगामी संसद सत्र में इसे विधिवत तरीके से वापस ले लिया जाएगा। बावजूद इसके किसानों का आंदोलन अभी भी जारी है। किसान लगातार एमएसपी को लेकर सरकार से सवाल कर रहे हैं। इन सबके बीच भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने एक बार फिर से सरकार पर निशाना साधा है। टिकैत ने कहा कि सरकार एमएसपी पर बात नहीं करना चाहती है। हमने चार दिन पहले इसे लेकर सरकार को चिट्ठी लिखी है लेकिन इसका कोई जवाब नहीं आया। एमएसपी पर कानून बनने से पूरे देश के किसानों को लाभ होगा। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार ने तीन कृषि क़ानूनों को रद्द करने का फ़ैसला किया है इससे समाधान नहीं होगा। किसानों की जो समस्या है, वह वैसी की वैसी है। जब तक केंद्र सरकार किसानों से बातचीत नहीं करेगी और MSP पर क़ानून नहीं लाएगी तब तक हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। इससे पहले राकेश टिकैत ने कहा था कि कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहा किसानों का आंदोलन अभी समाप्त नहीं होगा और आगे की रूपरेखा 27 नवंबर को तय की जाएगी।

अन्य मांगों का सरकार करे समाधान

किसान नेताओं ने मंत्रिमंडल द्वारा तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए पेश किए जाने वाले विधेयक को दी गई मंजूरी को ' औपचारिकता' करार देते हुए अन्य मांगों, विशेषकर कृषि उपजों के 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (एमएसपी) की कानूनी गारंटी को पूरा करने की मांग की। हालांकि, किसान नेताओं ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे प्रदर्शनकारी किसानों के लिए महज पहली जीत करार दिया और कहा कि वे अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे।

कांग्रेस ने संसद में भाजपा को घेरने की रणनीति की तैयार, आनंद शर्मा बोले- ईमानदारी से निभाएंगे अपना कर्तव्य

नई दिल्ली। संसद के आगामी शीतकालीन सत्र को लेकर कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी ने 10 जनपथ में रणनीतियां तैयार करने के लिए 'पार्टी संसदीय रणनीति समूह' की बैठक बुलाई। इस बैठक में कांग्रेस नेता एके एंटनी, आनंद शर्मा, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी, केसी वेणुगोपाल, के सुरेश, रवनीत बिट्टू, जयराम रमेश समेत कई नेता शामिल हुए। बैठक के बाद राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि कांग्रेस संसद रणनीति समूह की बैठक में हमने फैसला किया है कि हम संसद में कई मुद्दों को उठाएंगे। जिसमें मुद्रास्फीति, पेट्रोल और डीजल की कीमतें, चीनी आक्रामकता और जम्मू-कश्मीर का मुद्दा शामिल है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन 29 नवंबर को एमएसपी गारंटी कानून और केंद्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्रा को कैबिनेट से हटाने सहित किसानों के मुद्दे उठाएंगे। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने बताया कि किसानों की मांग, एमएसपी, लखीमपुर खीरी में 4 किसानों की हत्या में शामिल मंत्री का इस्तीफा, महंगाई समेत अहम मुद्दे हैं, जो हम उठाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। हम पूरी ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने की कोशिश करेंगे ताकि विपक्षी दल इन मामलों पर एक साथ बोल सकें।

राष्ट्रपति ने न्यायाधीशों से कहा . . .

अविवेकपूर्ण टिप्पणी संदिग्ध व्याख्याओं को जगह देती है

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने यहां कहा कि अविवेकपूर्ण टिप्पणी भले ही अच्छे इरादे से की गई हो, वह न्यायपालिका के महत्व को कम करने वाली संदिग्ध व्याख्याओं को जगह देती है। उन्होंने न्यायाधीशों से कहा कि वे अदालत कक्षों में अपनी बात कहने में अत्यधिक विवेक का प्रयोग करें। उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा कि न्याय वह महत्वपूर्ण आधार है, जिसके चारों ओर एक लोकतंत्र घूमता है, तथा यह तब और मजबूत होता है जब राज्य की तीन संस्थाएं- न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका- एक सामंजस्यपूर्ण ढंग से अस्तित्व में होती हैं। राष्ट्रपति ने कहा, संविधान में, प्रत्येक संस्था का अपना परिभाषित स्थान होता है जिसके भीतर वह कार्य करती है।'' उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि न्यायपालिका ने अपने लिए उच्चतम मानक स्थापित किया है। राष्ट्रपति

कोविंद ने कहा, उदाहरण के लिए, एक अखिल भारतीय न्यायिक सेवा हो सकती है, जो निचले स्तर से उच्च स्तर तक सही प्रतिभा का चयन कर सकती है और इसे आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने कहा कि यह विचार नया नहीं है और बिना परीक्षण के आधी सदी से भी अधिक समय से है

भवन द्वारा जारी एक बयान में कोविंद के हवाले से कहा गया, ''इसलिए, न्यायाधीशों का यह भी दायित्व है कि वे अदालत कक्षों में अपने बयानों में अत्यधिक विवेक का प्रयोग करें। अविवेकपूर्ण टिप्पणी, भले ही अच्छे इरादे से की गई हो, न्यायपालिका के महत्व को कम करने वाली संदिग्ध व्याख्याओं को जगह देती है।''कोविंद ने कहा कि लोग न्यायपालिका को सबसे भरोसेमंद संस्था मानते हैं। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों के खिलाफ की जाने वाली टिप्पणियों पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, ''...सोशल मीडिया मंचों पर न्यायपालिका के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के कुछ मामले सामने आए हैं। इन मंचों ने सूचनाओं को लोकतांत्रिक बनाने के लिए अद्भुत काम किया है, फिर भी उनका एक स्याह पक्ष भी है। इनके द्वारा दी गई नाम उजागर न करने की सुविधा का कुछ शरारती तत्व फायदा उठाते हैं। यह पथ से एक भटकाव है, और मुझे उम्मीद है कि यह अल्पकालिक होगा।''

राष्ट्रपति ने कहा कि इस तरह के घटनाक्रम के पीछे क्या वजह हो सकती है। उन्होंने कहा, क्या हम एक स्वस्थ समाज की खातिर सामूहिक रूप से इसके पीछे के कारणों की जांच कर सकते हैं। न्याय पाने में खर्च होने वाले धन के मुद्दे पर उन्होंने कहा, ''हमारे जैसे विकासशील देश में, नागरिकों का एक बहुत छोटा वर्ग न्याय के लिये अदालत का दरवाजा खटखटाने का खर्च वहन कर सकता है।'' उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि सभी लोगों की कानूनी सहायता और सलाहकार सेवाओं तक पहुंच बढ़े। कोविंद ने कहा कि यह एक आंदोलन या एक बेहतर संस्थागत तंत्र का रूप ले सकता है।

केंद्र सरकार पर बरसे गुलाम नबी आजाद

कश्मीर में सीएम को विधायक, डीजीपी को थानेदार बना दिया गया: आजाद

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने शनिवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रियासत को केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया है। वरना आमतौर पर केंद्रशासित प्रदेश को राज्य बनाना जाता है। यह तो ऐसा हुआ जैसे पुलिस महानिदेशक को थानेदार बना दिया गया।

सीएम को विधायक बनाया

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा कि आमतौर पर केंद्रशासित प्रदेश को राज्य बनाना जाता है। यह तो ऐसा हुआ जैसे पुलिस

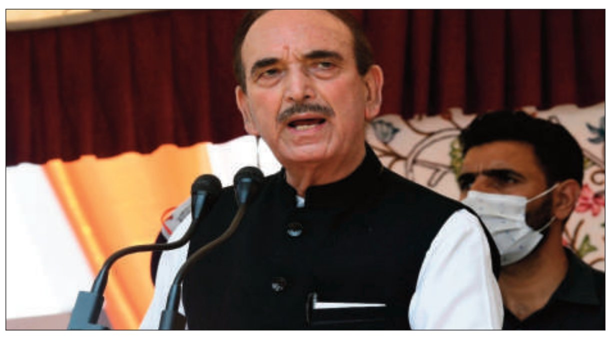

महानिदेशक को थानेदार बना दिया गया। मुख्यमंत्री को विधायक बना दिया और मुख्य सचिव को पटवारी बना दिया। ऐसा काम हुआ है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अक्लमंद आदमी ऐसा काम नहीं कर सकता है। कहीं-न-कहीं कुछ गड़बड़ हुआ है। ऐसी बात सोचना जो हो नहीं सकती, एक अनहोनी चीज हो गई। दरअसल, मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 के कुछ प्रावधानों को समाप्त कर इसे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो अलग-अलग केंद्रशासित प्रदेशों का स्वरूप दिया था।

BSF का जवान निकला हथियार तस्करों का किंगपिन

एजेंसी, रांची। झारखंड एटीएस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। देशभर में उग्रवादी और अपराधिक संगठनों को हथियार सप्लाई करने के नेटवर्क का खुलासा करते हुए पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई है।

पंजाब के बीएसएफ के जवान को इस पूरे नेटवर्क के किंगपिन के रूप में गिरफ्तार किया गया है। वहीं उनके निशानदेही पर 14 पिस्टल और आठ हजार से ज्यादा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। सप्लाई आर्म्स चेन को तोड़ने के लिए इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। इसमें कई इंटरस्टेट नेटवर्क उजागर हुए हैं। देश के 5 राज्यों बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान और मध्यप्रदेश में अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी के बाद 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।

जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा वापस दिलाने के लिए अंतिम सांस तक लड़ूंगा : उमर अब्दुल्ला

एजेंसी

बनिहाल/जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर का विशेष तथा तथा पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराने के लिए अंतिम सांस तक लड़ने का शनिवार को संकल्प लिया। अब्दुल्ला श्रीनगर में 15 नवंबर को हुए विवादित मुठभेड़ में मारे गए चार लोगों में से एक युवक के परिवार से मिलने रामबन जिला में स्थित उसके घर गए थे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला चेनाब घाटी के आठ दिन के दौरे पर हैं और दूसरे दिन वह गुल इलाके में पहुंचे। चेनाब घाटी मेंजम्मू कश्मीर के रामबन, डोडा और किश्तवाड़ जिले आते हैं। गुल में एक रैली में अब्दुल्ला ने कहा, ''...हम अपने या अपने घरों के लिए नहीं लड़ रहे हैं, हमारी लड़ाई आपके (जम्मू-कश्मीर की जनता) और आपके हितों

रक्षा के लिए है। हमारी लड़ाई हमारे उन अधिकारों की बहाली के लिए है, जो पांच अगस्त, 2019 को हमसे छीन लिये गए थे और हम अपनी अंतिम सांस तक लड़ते रहेंगे।''उन्होंने कहा कि यह सच्चाई और न्याय की लड़ाई है और जो यह लड़ाई लड़ रहे हैं, उन्हें अपने कदम पीछे नहीं हटाते बल्कि इसे अंजाम तक पहुंचाते हैं। केन्द्र सरकार ने अगस्त, 2019 में संविधान संशोधन करके अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त कर दिया, जिससे जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त हो गया। अब्दुल्ला श्रीनगर के हैदरपुरा में 15 नवंबर को हुई मुठभेड़ में मारे गए चार लोगों में से एक अमीर मगरे के घर भी पहुंचे। मगरे के परिवार का दावा है कि वह निर्दोष था और अंतिम संस्कार के लिए उसका शव तुरंत परिजनों को सौंपा जाना चाहिए। मगरे के घर तक पहुंचने के लिए नेकां नेता करीब पांच किलोमीटर पैदल चले। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्यवश आज हालात ऐसे हो गए हैं कि निर्दोष नागरिकों का शव प्राप्त करने के लिए हमें प्रदर्शन करना पड़ रहा है। वह (मगरे) काम के सिलसिले में श्रीनगर गया था, क्योंकि उसे अपने जिले में कोई काम नहीं मिला था।''उन्होंने कहा, ''इस सुदूर इलाके में उग्रवाद के खिलाफ लड़ने के लिए उसके पिता पुलिस की सुरक्षा में रहते हैं। परिवार उसका अंतिम संस्कार करना चाहता है, लेकिन उन्हें इससे वंचित किया जा रहा है।''

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय: 12/276, संगम विहार नई दिल्ली-62

फोन: 8888883968, 9811111715

जिस संकल्प से जलजीवन मिशन शुरू किया गया था, वह साकार हो रहा है: मोदी

जलजीवन मिशन ग्रामीण भारत में सभी परिवारों को 2024 तक व्यक्तिगत नलजल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल प्रदान करने की संकल्पना है। मोदी ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का एक ट्वीट टैग किया जिसमें लद्दाख में एक महिला यह बता रही है कि कैसे उसके घर के द्वार पर नलजल ने जीवन को आसान बनाया है

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि जिस संकल्प के साथ जलजीवन मिशन शुरू किया गया था, वह साकार हो रहा है। उन्होंने साथ ही एक मंत्री का ट्वीट टैग किया जिसमें एक वीडियो में लद्दाख में एक महिला यह बता रही है कि कैसे उसके घर के द्वार पर नलजल ने जीवन को आसान बनाया है। जलजीवन मिशन ग्रामीण भारत में सभी परिवारों को 2024 तक व्यक्तिगत नलजल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल प्रदान करने की संकल्पना है। मोदी ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का एक ट्वीट टैग किया जिसमें लद्दाख में एक महिला यह बता रही है कि कैसे उसके घर के द्वार पर नलजल ने जीवन को आसान बनाया है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह जल जीवन मिशन का असली उद्देश्य है। जिस संकल्प के साथ यह अभियान शुरू किया था, वह साकार हो रहा है।''इस बीच एक अन्य ट्वीट में मोदी ने जापानी पाठ्यक्रम में कथित रूप से दाखिला कराने को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की तारीफ की और कहा कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जो नयी चीजें सीखना पसंद करते हैं और जापानी सीखना उसी दिशा में एक कदम है।

योगी आदित्यनाथ ने की भव्य काशी, दिव्य काशी कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा

योगी ने श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण से पूर्व पूरे वाराणसी जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जन सहभागिता के साथ उत्सव सा माहौल बनाने का निर्देश दिया।

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे में 13 दिसंबर से 14 जनवरी तक होने वाले भव्य काशी दिव्य काशी कार्यक्रम की तैयारियों की शनिवार को समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान निर्देश दिया कि 13 दिसंबर को श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण के पश्चात 14, 15 एवं 16 दिसंबर को काशी के प्रत्येक घर में बाबा का विशेष प्रसाद एवं धाम के इतिहास से संबंधित कॉफी टेबल बुक हर हालत में पहुंचाई जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शास्त्रोक्त पद्धति से पूजन -अर्चन के दौरान पूरे कार्यक्रम का लाइव प्रसारण होता रहे। योगी ने श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण से पूर्व पूरे वाराणसी जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जन सहभागिता के साथ उत्सव सा माहौल बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दिन लोग अपने घरों में विशेष साफ सफाई के साथ ही दीप अवश्य जलाएं। इसके लिए काशी के परिवारों के साथ संवाद स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि 1669 में अहिल्याबाई होलकर द्वारा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनरुद्धार कराने के लगभग 352 वर्ष के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प के साथ श्री काशी विश्वनाथ धाम का पुनरुद्धार कराया है। उन्होंने कहा कि श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर लोकार्पण के दौरान पूरे एक माह तक काशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

अरिहंत उच्च माध्यमिक विद्या मंदिर, गंगापुर सिटी में संविधान दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

सारांश जैन

अरिहंत उच्च माध्यमिक विद्या मंदिर,गंगापुर सिटी में संविधान दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया| इस उपलक्ष्य पर प्रधानाचार्य श्री जगदीश प्रसाद जैन ने सभी विधार्थियो को भारतीय संविधान के निर्माण की प्रक्रिया और नागरिको के मूल कर्त्तव्यो के बारे में अवगत कराया| साथ ही सभी विधार्थियो ने भारतीय संविधान की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए प्रतिज्ञ की|अध्यापक सारांश ने बताया कि भारत देश का संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। और आज ही के दिन 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में बनकर तैयार हुआ और इसमें अनुच्छेद, अनुसूचियां और संशोधन एवं विभिन्न नीति,नियमों और सिद्धांतों को गठित करके भारत देश में सुव्यवस्थित और संगठित गणतंत्र को स्थापित करने का कार्य किया गया। हम आज संविधान का निर्माण करने वाले सभी सदस्यों और सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञपित करते हैं क्योंकि उन्हीं के इस प्रकार के कार्य से हमें स्वतंत्र देश में पूर्ण कर्तव्य और मौलिक अधिकारों के साथ जीने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राध्यापिका सुश्री रंजना शर्मा,राकेश सैनी,स्वदेश शुक्ला,कीर्ति गुप्ता,कीर्ति राठौर गोविंद सेन,अन्य सभी अध्यापक अध्यापिका मौजूद रहे।

शाजापुर में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 5250 करोड़ रुपए लागत से निर्मित 1500 मेगावाट क्षमता के शाजापुर आगर नीमच में सोलर पार्क का अनुबंध

ब्रज कुमार राठौर

शाजापुर में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 5250 करोड़ रुपए लागत से निर्मित 1500 मेगावाट क्षमता के शाजापुर आगर नीमच में सोलर पार्क का अनुबंध हस्ताक्षर एवं भूमिपूजन किया कार्यक्रम में आरके सिंह केन्द्रीय मंत्री विधुत एवं नवीन एवं नवनिकरणी ऊर्जा विभाग प्रद्युम्न सिंह तोमर ऊर्जा मंत्री हरदीपसिंह डंग मंत्री नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा पर्यावरण इंदरसिंह परमार शिक्षा मंत्री बृजेन्द्र सिंह यादव प्रभारी मंत्री शाजापुर महेंद्र सिंह सोलंकी सांसद शाजापुर व आगर नीमच जिले के जनप्रतिनिधिगण और हजारों की संख्या में महिला पुरुष स्कूल के बच्चे शामिल।इन सोलर पार्क में आगर 550 नीमच में 500 शाजापुर में 450 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा जिससे तीनों जिले बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेंगे कार्यक्रम में पीएम कुसुम अ के विकासकों के साथ अनुबंध हस्ताक्षर किए गए इस मौके पर ऊर्जा साक्षरता का भी शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम में 88.66 करोड़ रुपए लागत के 89 कार्यो का लोकापर्ण एवं भूमिपूजन भी मुख्यमंत्री ने किया मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शाजापुर आगर नीमच में सोलर पार्क का अनुबंध हस्ताक्षर एवं भूमि पूजन किया।

उप्र को न बुआ चाहिए, न बबुआ चाहिए सिर्फ बाबा चाहिए : राजनाथ सिंह

एजेंसी

जौनपुर । रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के काशी क्षेत्र के बूथ प्रभारी राजनाथ सिंह ने शनिवार को बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को न बुआ (मायावती)और न बबुआ (अखिलेश यादव) चाहिए, राज्य को सिर्फ बाबा (योगी आदित्यनाथ) चाहिए। यहां टीडी कालेज में काशी क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा उत्तर प्रदेश को न बुआ (मायावती) चाहिए न बबुआ (अखिलेश यादव) चाहिए, सिर्फ बाबा (योगी आदित्यनाथ) चाहिए।'' गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा और सपा के गठबंधन के बाद बसपा प्रमुख मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की जोड़ी को बुआ-बबुआ का नाम मिला था। सिंह ने कहा आप तो जानते ही हैं कि योगी जी कितने बड़े बल्लेबाज हैं, जिस दिन सोशल मीडिया में योगी जी के कंधे पर मोदी जी के हाथ रखी तस्वीर आई थी, तब जानते हैं कि मोदी जी ने क्या कहा था- योगी जी आप चिंता मत करिये, आप धड़ाधड़ बैटिंग करते जाइए। उन्होंने कहा, आज मुख्यमंत्री का नाम सुनते ही गुंडे माफियाओं के दिल में दहशत पैदा हो जाती है। राज्य में बेहतर कानून-व्यवस्था का दावा करते हुए उन्होंने कहा उप्र में पौने पांच लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है जो आज तक उत्तर प्रदेश के इतिहास में कभी नहीं आया। उन्होने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, 26 नवम्बर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद कांग्रेस ने कठोर कदम नहीं उठाया, यह मै नही कह रहा हूं खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने अपने किताब में लिखा है कि हमले के बाद जो कार्रवाई करना चाहिए था वह नहीं किया गया। सिंह ने कहा, जब से हमारी सरकार बनी है, आतंकवाद पर पूरी तरह से लगाम लग गया है और आतंकी सीमा पर ही मारे जा रहे है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि जिन्ना का जिन्न किस बोतल से निकाला। उन्होंने उत्तर प्रदेश में विगत साढ़े चार साल के भाजपा कार्यकाल में किये गए विकास, रोजगार और सामाजिक सद्भावना, अपराध मुक्त वातावरण की तारीफ करते हुए योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल की तारीफ की। उन्होंने देश की सुरक्षा पर कहा कि हम किसी को छेड़ेंगे नही, अगर कोई छेड़ा तो उसे छोड़ेंगे भी नही। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश को तोड़ने वाले तत्वों को हमें भूलना नहीं चाहिए, ये वही लोग हैं जो 2017 के पहले सत्ता रहने पर दंगों के जरिए प्रदेश के अंदर आस्था पर प्रहार करने थे। ये वही तत्व हैं, जिन्होंने प्रदेश में भ्रष्टाचार फैलाकर प्रदेश के विकास को बाधित किया था। सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भी संबोधित किया।

क्राइम ब्रांच के समक्ष पेश हुए परमबीर सिंह

सात घंटे तक हुई पूछताछ, बोले- मैं जांच में कर रहा सहयोग

परमबीर सिंह ने बताया कि मैं सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार आज जांच में शामिल हुआ हूं। मैं जांच में सहयोग कर रहा हूं और मुझे अदालत पर पूरा भरोसा है। परमबीर सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की है और जांच एजेंसियों के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था

एजेंसी

मुबंई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह गुरुवार को क्राइम ब्रांच के समक्ष पेश हुए। इस दौरान क्राइम ब्रांच ने उनसे 7 घंटे तक पूछताछ की। आपको बता दें कि परमबीर सिंह के खिलाफ जबरन वसूली का मामला चल रहा है। जिसकी जांच क्राइम ब्रांच कर रही है। परमबीर सिंह के वकील का कहना है कि उन्होंने क्राइम ब्रांच के सामने बयान दर्ज कराया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, वह जांच में सहयोग करना जारी रखेंगे। परमबीर सिंह ने बताया कि मैं सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार आज जांच में शामिल हुआ हूं। मैं जांच में सहयोग कर रहा हूं और मुझे अदालत पर पूरा भरोसा है। दरअसल, परमबीर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान करने की मांग की थी। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की। इस दौरान कोर्ट को बताया गया था कि परमबीर सिंह देश में ही मौजूद हैं। इसके बाद खबर सामने आई कि परमबीर सिंह चंडीगढ़ में मौजूद हैं और वो जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। जिसके बाद गुरुवार को परमबीर सिंह क्राइम ब्रांच मुंबई के समक्ष पेश हुए और अपना बयान दर्ज कराया। आपको बता दें कि परमबीर सिंह मामले की अगली सुनवाई 6 दिसंबर को होगी।

हमेशा की तरह गोवा में ही आयोजित हो रहा फिल्म फेस्टिवल

एजेंसी

पणजी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को पणजी में कार्यकर्ता बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गोवा में भी भाजपा लगातार आगे बढ़ती रही है। यहां 2017 में हमें 32 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए और हमने गठबंधन की सरकार बनाई। उसके बाद जिला परिषद, स्थानीय निकाय के चुनावों में भाजपा को गोवा की जनता ने बहुत प्यार दिया, जिससे हम आगे बढ़ते रहे हैं। इसी बीच उन्होंने गोवा फिल्म फेस्टिवल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गोवा वर्तमान में हमेशा की तरह भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव आयोजित कर रहा है। यह परिकर जी और उनकी दूरदृष्टि द्वारा नियोजित और क्रियान्वित किया गया था। उन्होंने कहा कि मैंने प्रमोद सावंत से पूछा था कि बार-बार गोवा में ही फिल्म फेस्टिवल क्यों होता है ? इस पर उन्होंने मुझे बताया कि मनोहर परिकर जी मुख्यमंत्री थे और सुषमा स्वराज जी उस समय सूचना एवं प्रसारण मंत्री थीं और उस वक्त परिकर जी का राष्ट्रीय परिवेश में जो स्थान था उन्होंने तब सुषमा जी से मनवाया था कि जब भी फिल्म फेस्टिवल होगा उसकी धरती गोवा ही होगी और आज

फिल्म फेस्टिवल जब भी होता है गोवा में ही होता था। उन्होंने कहा कि मनोहर परिकर जीवन के आखिरी क्षण में बीमारी से लड़ रहे थे तब भी उन्होंने लाइव सपोर्ट सिस्टम पहनकर अटल सेतु का निरीक्षण करते हुए कहा था कि How is the Josh। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि प्रमोद सावंत समेत सभी नेताओं ने जोश को आगे बढ़ाने का काम किया है।

कैसी थी मोदी वैक्सीन ?

इसी बीच जेपी नड्डा ने कोरोना वैक्सीन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब 2020 में कोरोना की शुरुआत हुई तो अप्रैल में एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था और भारत खुद की वैक्सीन विकसित करने के लिए तैयार था। प्रधानमंत्री ने 9 महीने के अंदर भारत को 2 वैक्सीन दी। यहां आने वाली पार्टियां अब दूसरों से कहती थीं कि वैक्सीन न लगवाएं, ट्रायल ठीक से नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वे इसे मोदी वैक्सीन, बीजेपी वैक्सीन कहते थे।

पिछली सरकार के विपरीत मोदी सरकार ने करोड़ों शौचालय बनवाकर महिलाओं को सम्मान दिया: ईरानी

एजेंसी

लखनऊ/रायबरेली। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को कांग्रेस पर हमला करते हुये कहा कि देश में 50 साल से अधिक समय तक एक ही परिवार का राज रहा वह लेकिन वह पांच लाख शौचालय भी नहीं बनवा सका, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने उत्तर प्रदेश में करोड़ों शौचालय बनवाकर महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा दिया है।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को यहां विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कमल शक्ति संवाद के तहत एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये राज्य और केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण और उत्थान से जुड़ी उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। ईरानी ने कहा, जब कांग्रेस सत्ता में थी तो आप पर एहसान मढ़ती थी और भारतीय जनता पार्टी वह पार्टी है जो हाथ जोड़कर आप के प्रति आभार व्यक्त करती है।पचाससाल से अधिक समय तक एक ही परिवार का राज रहा लेकिन पांच लाख शौचालय भी नहीं बनवा सका, जबकि मोदी जी के नेतृत्व में हमने राज्य में करोड़ों

ईरानी ने कहा, जब कांग्रेस सत्ता में थी तो आप पर एहसान मढ़ती थी और भारतीय जनता पार्टी वह पार्टी है जो हाथ जोड़कर आप के प्रति आभार व्यक्त करती है।पचाससाल से अधिक समय तक एक ही परिवार का राज रहा लेकिन पांच लाख शौचालय भी नहीं बनवा सका, जबकि मोदी जी के नेतृत्व में हमने राज्य में करोड़ों शौचालय बनवाकर महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा दिया है।

शौचालय बनवाकर महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा दिया है। उन्होंने महिलाओं को पूर्व सरकार के कार्यकाल कि याद दिलाते हुए कहा की वह डर जो केवल बेटी के लिए नहीं बल्कि मां के लिए भी अभिशाप बन जाता था, वह मां जो दरवाजे पर नजरें टिका कर रखती थी कि सूरज ढलने से पहले भगवान करे बेटी लौट आए और लौटे तो सम्मान से ही लौटे। उन्होंने कहा,'' महिला संरक्षण आज हमारी सरकार के लिए मात्र एक वाक्य नहीं बल्कि आज हमारे जीवन का आधार बन गया है। आज जब हम घर की दहलीज लांघते हैं तो कहीं ना कहीं खुद को और परिवार को यह विश्वास होता है कि बेटी-बहू घर से निकली है तो सर उठा कर गई है, सर झुका कर नहीं आएगी। ''उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा एंटी रोमियो स्क्वाड के गठन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा की कुछ लोगों ने इसका उपहास किया लेकिन महिलाओं ने समझा और आज एंटी रोमियो स्क्वाड की मदद से प्रदेश में 10 हज़ार गिरफ्तारियां की गयी हैं और आज मनचले सलाखों के पीछे हैं। मंत्री ने कहा कि जिस प्रदेश में महिला के लिए दहलीज लांघना एक चुनौती हो जाती थी वहीं महिलाएं आज बैंक सखी बन गई हैं तथा प्रदेश की 55 हज़ार बहन बेटियां बैंक सखी बन कर समाज की सेवा में जुड़ी हुई है। रायबरेली से प्राप्त खबर के अनुसार अमेठी की सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) के बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय मंत्री ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (हाउसिंग फार आल-अर्बन), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना समेत सभी योजनाओं पर चर्चा की। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री ने ईएसआइ (इंप्लायज स्टेट इंश्योरेंस) डिस्पेंसरी और शाखा कार्यालय का शनिवार की सुबह प्रगतिपुरम में उद्‌घाटन किया। ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत जिले के पांच लाख परिवारों को जीवन में उनके पहली बार शौचालय बना कर दिया है।

सिविल अस्पताल में 90 हजार दान कर दिलाए चिकित्सा उपकरण

एनसीआर समाचार

शुजालपुर। मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ जनसहयोग से समय पर करीब दो हजार मरीजों को संकट के दौरान उपचार दिला कर जान बचाने में सहयोगी बने देश के पहले निशुल्क रोगी सेवा केंद्र हेल्प फॉर यू के संचालक पुरुषोत्तम पारवानी को आज जिला मुख्यालय पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मध्यप्रदेश शासन द्वारा मानवता की सेवा के लिए युवा रहीम राज्य सम्मान 2016 से सम्मानित किया गया।हृदय रोग से पीड़ित व जन्म से मुक बधिर बच्चों को सरकारी योजनाओं के साथ ही अन्य मरीजों को मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री स्वेच्छानुदान, बाल हृदय योजना, बाल श्रवण योजना, आयुष्मान योजना की निशुल्क जानकारी देकर प्रक्रिया बताने के साथ ही मरीजों को अस्पताल तक सहयोग करने पर मध्य प्रदेश सरकार ने पारवानी का चयन वर्ष 2016 में की गई गतिविधियों के लिए इस पुरस्कार के लिए किया था। पुरस्कार में दी गई 50 हजार की राशि के साथ ही अतिरिक्त रूप से कुल 89 हजार 909 रुपए की लागत से खरीदी गई नवजात बच्चों की गहन उपचार इकाई में काम आने वाली दो फोटो थेरेपी मशीन खरीदकर सिटी सिविल अस्पताल में दानार्थ अर्पित की है। पूर्व में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी सेवा प्रकल्प हेल्प फार यू पर स्वयं आकर लाभान्वित हुए मरीजों से मिले थे तथा इस मुहिम को सराहा था।

राजनीति | पार्टी में कमजोर पड़ रहे फडणवीस, गडकरी हो रहे और मजबूत

महाराष्ट्र में अपने पोस्टर बॉय के पर कतर रहा केंद्रीय नेतृत्व?

एजेंसी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पिछले तीन दिनों में महाराष्ट्र में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। जिसके तहत विनोद तावड़े को राष्ट्रीय महासचिव के पद पर पदोन्नत किया गया है। चंद्रशेखर बावनकुले को नागपुर से विधान परिषद चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार नामित किया गया है। बावनकुले ने सोमवार को अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया। राजनीतिक विश्लेषक इसे एक सुधार के रूप में देख रहे हैं जबकि एक वर्ग इसे पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रभाव में कमी के नजरिये से आंक रहे हैं। तावड़े और बावनकुले को 2019 के विधानसभा चुनावों में टिकट तक नहीं दिया गया था। लेकिन उनकी नई नियुक्तियों के जरिये बीजेपी को जाति समीकरण साधने में मदद जरूर मिल सकती है।

तावड़े मराठा समुदाय से हैं और बावनकुले अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में तेली समुदाय से आते हैं। कई राजनीतिक विश्लेषक इसे एक

पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रभाव में कमी के नजरिये से आंक रहे हैं।

तरह का कोर्स करेक्शन बता रहे हैं। इसके साथ ही ये फडणवीस के लिए एक तरह का संकेत भी है कि पार्टी उनके प्रभाव को नियंत्रण में रखना चाहती है। बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व के हाल के फैसलों से संकेत मिलता है कि देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र में अपनी ही पार्टी में अकेले और कमजोर पड़ रहे हैं, जिन्हें एक समय महाराष्ट्र बीजेपी का नया चेहरा कहा जाता था, जो टेक-सेवी थे और अगली पीढ़ी के हिंदुत्ववादी नेता थे और जिनमें राष्ट्रीय स्तर की राजनीति की क्षमता थी। शिवसेना और भाजपा फिर से गठबंधन होगा इस बात की संभावना नहीं दिख रही है। जिसको लेकर पार्टी स्पष्ट है और इसके लिए उसे 105 से 145 विधायकों की दूरी यानी बहुमत के आंकड़े के सफर को खुद ही तय करना होगा। जिसके लिए पार्टी में पुराने और नए चेहरों की संगठनात्मक ताकत की जरूरत है।

तावड़े का 'धैर्य' रंग लाया

मुंबई के मराठी गढ़ गिरगांव में जन्मे तावड़े अपने कॉलेज के दिनों से ही आरएसएस और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े रहे हैं। अपने चार दशक लंबे राजनीतिक करियर के दौरान तावड़े ने एबीवीपी और बीजेपी में विभिन्न पदों पर काम किया है। जिसके जरिये उन्होंने कैडर निर्माण और संगठन को अपनी ताकत बना लिया है। एबीवीपी के भीतर तावड़े कार्यकर्ता से मुंबई सेंट्रल जोन के आयोजन सचिव और अंततः संगठन के अखिल भारतीय महासचिव के पद तक पहुंचे। 1995 में तावड़े ने महाराष्ट्र भाजपा के महासचिव के रूप में कार्यभार संभाला और 1999 में मुंबई भाजपा के अध्यक्ष बने। वह 2011 से 2014 तक महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता थे, और फिर मुंबई के बोरीवली निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बने। तावड़े फडणवीस के नेतृत्व वाली कैबिनेट में कैबिनेट मंत्री भी रहे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान फडणवीस ने तावड़े को साइडलाइन किया हुआ था। तावड़े पहले शिक्षा मंत्री थे, फिर उनका कैबिनेट पोर्टफोलियो बदल कर छोटा कर दिया गया और फिर 2019 के विधानसभा चुनावों के लिए उन्हें टिकट भी नहीं मिला।

नागपुर में बीजेपी को मजबूत कर सकते हैं बावनकुले

इसी तरह बावनकुले भी पूर्व में महाराष्ट्र के बिजली मंत्री रह चुके हैं और नागपुर क्षेत्र में एक मजबूत ओबीसी नेता के तौर पर दखल रखते हैं, जिन्हें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का करीबी माना जाता है। बावनकुले नागपुर के कैम्पटी विधानसभा क्षेत्र से तीन बार के पूर्व विधायक हैं, जो 1990 के दशक में भाजपा में शामिल हुए और भाजपा की नागपुर जिला इकाई के महासचिव और अध्यक्ष और राज्य इकाई के सचिव जैसे विभिन्न पदों पर काम किया। बावनकुले को भी विधानसभा चुनाव का टिकट नहीं मिला था, परिणाम ये हुआ कि विदर्भ क्षेत्र में बीजेपी को कम से कम 6 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा। इस साल की शुरुआत में जिला परिषद चुनावों में, भाजपा को नागपुर में हार का सामना करना पड़ा, 13 तालुकों की 16 में से केवल तीन सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने नौ पर जीत हासिल की। विधानसभा चुनावों के दौरान तावड़े और बावनकुले को टिकट नहीं देने के फैसले को उस समय साहस भरा निर्णय करार दिया गया था, लेकिन विधानसभा क्षेत्रों में भ्रम की स्थिति बन गई थी और पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा था।

परिषदीय चुनाव के लिए बावनकुले के नामांकन को विदर्भ में तेली समुदाय के बीच बीजेपी द्वारा अपनी पकड़ को मजबूत करने के तौर पर देखा जा रहा है, जब महाराष्ट्र और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की छवि जातीय जनगणना के विरोधी की दिख रही है, साथ ही इसे फडणवीस के मुकाबले नितिन गडकरी को मजबूत करने के तौर पर भी देखा जा रहा है। जैसे ही बावनकुले ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल किया, भाजपा ने यह दिखाने की कोशिश की कि उसकी राज्य इकाई में सब कुछ ठीक है - उनके दाहिने ओर गडकरी खड़े थे और उनके बाईं ओर फडणवीस।

संक्षिप्त समाचार

विकास खण्ड भटहट के ग्रामसभा रामपुर में शुक्रवार को खलिहान और खेल के मैदान की भूमि से अतिक्रमण हटाया गया

साकिर खान

ग्राम सभा की उक्त भूमि पर तूफानी पुत्र शंकर,दशरथ पुत्र सम्हारु,बेलास पुत्र राधे,सूर्यलाल पुत्र चौथी,हरी पुत्र जयराम द्वारा आराजी 355/0.105 है युवक मंगल दल,आराजी 358/ 0.267 हे खलिहानछप्पर,नाँद और खूंटा इत्यादि डालकर कब्ज़ा कर लिया गया था ! इनको पहले भी हटाने के लिए निर्देशित किया गया था , पर अतिक्रमणकारियों द्वारा नहीं हटाया गया था !इसके बाद उपजिलाधिकारी के निर्देश के बाद इस पर कार्यवाही करते हुए राजस्व टीम द्वारा खाली कराने पहुँची ! उक्त ग्राम सभा की भूमि को खाली करवा कर ग्राम सभा को सुपुर्द कर दिया गया ! इस कब्ज़े को हटवाने के लिए राजस्व निरीक्षक घनश्याम शुक्ल और उनि चंद्रभान सिंह की ग्रामवासियों द्वारा खूब सराहना की गई ! इस अभियान मे ग्राम प्रधान खजान्ची कन्नौजिया, पिंटू मिश्रा और राजस्व टीम में आफ़ताब आलम,आफ़ताब सिद्दीकी,श्रीराम,भूपति प्रसाद लेखपाल और भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे ! पुलिस टीम में थाना गुलरिया से उनि राम अभिलाष पाण्डेय,कांस्टेबल शिवम शुक्ल,संदीप यादव,महिला पूजा चौहान,नेहा सिंह सिंह और भारी संख्या में महिला पुलिस बल उपस्थित थे।

इंदौर-बीमारी की हालत में मिले बुजुर्ग को पहुंचाया हॉस्पिटल

देवराम ठाकुर

इंदौर पटेल ब्रिज छोटी ग्वालटोली बस स्टॉप पर दिनांक 17.11.2021 को 65 वर्ष के बुजुर्ग को संस्था मिशन खिदमते खल्क के वालंटियर ने देखा कि एक बुजुर्ग बीमारी की हालत में मे है! वालंटियर ने उनसे उनका नाम एवं पता पूछा तो उस बुजुर्ग ने अपना नाम सलीम पिता अब्दुल्ला बताया और पता गोलू खेड़ी बताया जो कि इंदौर भोपाल मार्ग पर है वहां मेरी बहन रहती है! एम्बुलेंस 108 की सहायता से बुजुर्ग को एम वाय हॉस्पिटल पहुंचाया गया! दिनांक 23.11.2021 को एम वाय हॉस्पिटल से कॉल आया की सलीम पिता अब्दुल्ला की मौत हो चुकी है, खिदमत ग्रुप के लोग हॉस्पिटल पहुचें और बुजुर्ग के रिश्तेदारों को ढूढ़ने का प्रयास करने लगे करीब 3 बजे रात मे उनके रिश्तेदारों से संपर्क हो पाया! दिनांक 24.11.2021 को डेड बॉडी का पोस्टमार्टम करवा कर डेड बॉडी उनके परिजन को सौंपी गई! सलाम है ऐसे खिदमत को अंजाम देने वाली संस्थाओं को जो निस्वार्थ इस तरह अपनी सेवाएं दे रहीं हैं! मिशन खिदमत ए खल्क के सिपाही (1) महबूब खान (2)सलीम खान (3) मोहम्मद यूसुफ (4) जफर मेव एवं अन्य सहयोगी।

शासन के निर्देश अनुसार महा टीकाकरण का कार्य देवास जिले सहित सभी ग्राम व तहसीलों में किया जा रहा है

सुनील पवार

खातेगांव। स्वास्थ्य विभाग की टीम गठित कर नगर गांव मैं घर घर अभियान के तहत वैक्सीनेशन का कार्य भी किया जा रहा है खातेगांव तहसील के ग्राम बिजल गांव मैं भी केंद्र बनाए गए हैं जिन व्यक्तियों ने अभी तक वैक्सिंग नहीं लगाई है उन्हें वैक्सीन लगाने का कार्य किया जा रहा है इसके चलते मंगलवार बिजल गांव टीकाकरण केंद्र पर खातेगांव से स्वास्थ्य विभाग की टीम आई हुई थी टीका केंद्र पर समय अनुसार वैक्सीन लगाना था लेकिन टीम में जो मैडम आई थी वह मैडम समय से पहले ही केंद्र से चली गई जिस पर आसपास के गांव से करीब 10-12 लोग आए और तब देखा टीका केंद्र पर तो कोई नहीं था जिसकी सूचना गांव के वरिष्ठ लोगों द्वारा मंत्री जी को दी गई मंत्री जी के आदेश पर पुणे मैडम टीका केंद्र पर आई आते ही वह अभद्रता पूर्वक गांव वालों से पेश आए समय के अनुसार ही शाम 5:00 बजे तक टीका वैक्सीन लगाई गई! प्रशासन के कर्मचारी तो समय पर काम कर रहे हैं लेकिन आम जनता व नागरिक से भी इस अभियान में सहयोग की अपेक्षा है खुद भी सुरक्षित रहें तथा अपने परिवार को भी सुरक्षित रखें परिवार सुरक्षित रहेगा तो प्रदेश सुरक्षित रहेगा कोरोना की इस जंग में हर जनहित का कर्तव्य है खुद भी जागरूक बने तथा दूसरों को भी प्रेरित करें वैक्सीन अवश्य लगवाएं।

जिला रायसेन की तहसील बाड़ी के ग्राम दिमाड़ा में संविधान दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया

अंसार खान

बरेली मध्यप्रदेश। जिला रायसेन की तहसील बाड़ी के ग्राम दिमाड़ा में संविधान दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाजिला अधिकारी योगेश कुमार जी के निर्देशानुसार आज संविधान दिवस के अवसर पर नेहरू युवा केंद्र रायसेन द्वारा बाड़ी ब्लाक के ग्राम दिमाड़ा में कैच द रैन पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय माध्यमिक स्कूल दिमाड़ा में किया गया जिसमें सभी बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें प्रथम दिपिका बागड़ी द्वितीय पूनम ठाकुर तृतीय प्रमोद साहू ने स्थान प्राप्त किया राष्ट्रीय स्वयंसेवक बाड़ी ब्लाक से रीतेश ठाकुर स्कूल प्राचार्य श्री नीरज कुमार राजोरिया जी द्वारा बच्चों को संविधान के बारे महत्वपूर्ण बाते बतलाई गयी स्कूल शिक्षक श्री रघुवीर ठाकुर, श्री माधो मेहरा जी, युवा साथी विकास ठाकुर, राजकुमार ठाकुर आदि उपस्थित हुए।

जनता के बीच पहुंचे केंद्रीय सहकारिता एवं पूर्वोत्तर राज्य विकास राज्य मंत्री बीएल वर्मा

अज़ीम खान

बदायूं/सहसवान। मैं आज प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम को लेकर पूर्व युवा मोर्चा अनुज माहेश्वरी के आवास पर केंद्रीय सहकारिता एवं पूर्वोत्तर राज्य विकास राज्य मंत्री बीएल वर्मा का आगमन हुआ और जनता के बीच बैठकर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ व जनता के बीच प्रधानमंत्री के मन की बात को सुना वही मन की बात समाप्त होने के बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी कार्यकर्ता लगन और मेहनत के साथ जुट जाएं।राज्य विकास राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहां आज हमारे देश का सौभाग्य है ! जो आज माननीय नरेंद्र मोदी देश के लिए प्रधानमंत्री के रूप में मिले हैं !उन्होंने कहा मन की बात कार्यक्रम को लेकर देश की जनता भी अपने अपने सुझाव दे सकती है !वहीं उन्होंने कहा इस बार पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा सरकार फिर बनेगी लेकिन वरिष्ठ नेता जनता को सीधे-सीधे भाजपा से जोड़ने का काम कर रहे हैं ! तो वही कुछ छुट भैया नेताओं द्वारा जनता को तोड़ने का काम किया जा रहा है !जिस का खामियाजा

इन छुट भैया नेताओं की वजह से नगर की जनता में देखने को मिल रहा है ! अगर ऐसा ही सब कुछ चलता रहा तो इसका खामियाजा आने वाले विधानसभा चुनाव में मुसीबत खड़ा ना कर दें वही छुट भैया नेताओं की वजह से ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहसवान आगमन पर वीआईपी कार्ड पास किए गए।

अल्प संख्यक कांग्रेस प्रकोष्ठ के साहिब पठान नगर अध्यक्ष बने

अंसार खान

बरेली। म.प्र.अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष मुजीव कुरैशी एवं उदयपुरा विधान सभा क्षेत्र के विधायक देवेन्द्र पटेल के अनुमोदन पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्य मंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं कांग्रेस कमेटी रायसेन के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र पटेल अल्प संख्यक विभाग के प्रदेश महामंत्री शाहिद अंसारी,जिला कार्यवाहक मो.उवेश खान की अनुसंशा पर नगर बरेली के होनहार युवक साहिब पठान को अल्प संख्यक प्रकोष्ठ का नगर अध्यक्ष एवं अरमान पठान को ब्लाक उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।इन सभी नवयुवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओ का विधायक देवेन्द्र पटेल ने निज निवास बरेली में पुष्पहारो से स्वागत किया एवं कांग्रेस संगठन को शसक्त व सक्रिय करने की अपील की।

पंजाबी सांस्कृतिक मेले का आयोजन

तेजविंदर सिंह

समाज में दहेज, भ्रूण हत्या और निरक्षरता उन्मूलन की प्रथा समय की आवश्यकता बन गई है, क्योंकि समाज इन तीन ज्ञात दहेज - दहेज, भ्रूण हत्या और निरक्षरता के कारण ही दूसरी दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक नागरिक को पहले शिक्षित होना चाहिए। देश में क्योंकि निरक्षरता उनकी सबसे बड़ी कमजोरी है तो दहेज या भ्रूणहत्या, इसकी मूल जड़ निरक्षरता है, क्योंकि निरक्षर नागरिक बच्चे की तरह बन जाता है, वह सही है गलत की पहचान नहीं कर सकता एक अच्छा समाज बनाने के लिए हर नागरिक को जगाना होगा, क्योंकि एक शिक्षित नागरिक ही किसी की व्याख्या समझ सकता है शिक्षित नागरिक एक दूसरे की भावनाओं को समझते हैं और ऐसे कदम उठाने से पहले कई बार सोचते हैं। निरक्षरता के अंत के बाद ही समाज के क्लब जो लोक कल्याणकारी कार्य करते हैं और अन्य सभी संगठन भी ऐसा ही कर सकते हैं, ऐसे कार्यक्रम लेकर आ सकते हैं जो लोगों को दहेज मांगने से रोक सकें। समाज कुछ हद तक सिमट गया है, भ्रूण हत्या को कम करना संभव है। दहेज प्रथा को रोकना बहुत असंभव है जो दहेज के समय नहीं रुकती है। कोई समझ सकता है कि दहेज लेना कितना

बुरा है, अगर हम अपने पूर्वजों को देखें तो तब दहेज प्रथा नहीं थी, तब भ्रूणहत्या नहीं होती थी, जब दहेज प्रथा थी। साथ ही साथ भ्रूणहत्या का युग शुरू हो गया है, दहेज दहेज का हमारी आने वाली पीढ़ियों पर सीधा प्रभाव पड़ेगा, जिससे हम समाज के ताने-बाने को ही नष्ट कर देंगे। हमारा समाज, जब हम अपने दम पर आगे नहीं बढ़ सकते तो दहेज का रूप दहेज की प्रथा अगर इसी तरह चलती रही तो वह दिन दूर नहीं जब लड़कियों की संख्या लड़कों की संख्या से अधिक हो। हम कम समय में अपने समाज और समाज का प्रचार-प्रसार नहीं कर पाएंगे, इसलिए भ्रूणहत्या और दहेज के अभिशाप को रोकने के लिए प्रत्येक नागरिक का शिक्षित होना जरूरी है।

शिवपाल यादव ने की आज़म खान से मुलाक़ात

UP चुनाव को लेकर इस मुलाक़ात की बड़ी वजह भी हो सकती है

अबरारुल हक़ रहमानी

यूपी चुनाव को देखते हुए शिवपाल और आजम खां की मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मुलायम के जन्मदिन पर शिवपाल सिंह यादव ने गठबंधन न होने पर अन्य विकल्प भी देखने की अखिलेश को चेतावनी दी थी।करीब पौने दो साल से सीतापुर की जेल में बंद आजम खां से मिलने के लिए रविवार को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल यादव जेल पहुंचे। जेल अधीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने शिवपाल यादव और आजम खां की मुलाकात की पुष्टि करते हुए बताया कि शिवपाल यादव का पहले से मिलने का समय तय था।यूपी चुनाव को देखते हुए शिवपाल और आजम खां की मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मुलायम के जन्मदिन पर शिवपाल सिंह यादव ने गठबंधन न होने पर अन्य विकल्प भी देखने की अखिलेश को चेतावनी दी थी।

गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी

इससे पहले मंगलवार की रात को भी उनके आधिकारिक ईमेल पर ISIS-कश्मीर की ओर से एक मेल कर उनको और परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी. मामले को गंभीरता से लेते हुए फौरन गौतम गंभीर के निजी सचिव गौरव अरोड़ा ने धमकी की लिखित में शिकायत मध्य जिला पुलिस उपायुक्त से की थी.सूचना मिलते ही पुलिस ने गौतम गंभीर के घर की सुरक्षा को बढ़ा दिया था. दिल्ली पुलिस की तमाम एजेंसियां मामले की जांच में जुट गई है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने डॉ. गौर की जयंती पर किया नमन

देवेन्द्र कुमार जैन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 26 नवम्बर को डॉ. हरिसिंह गौर की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया।डॉ. हरिसिंह गौर, सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक, शिक्षाशास्त्री, ख्याति प्राप्त विधिवेत्ता, न्यायविद्, समाज सुधारक, साहित्यकार, महान दानी और देशभक्त थे। वे बीसवीं शताब्दी के जानेमाने शिक्षा मनीषियों में से थे। डॉ. गौर दिल्ली विश्वविद्यालय और नागपुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति रहे। भारतीय संविधान सभा के उपसभापति, साइमन कमीशन के सदस्य तथा रायल सोसायटी फॉर लिटरेचर के फेलो भी रहे।डॉ. गौर ने 18 जुलाई 1946 को सागर में सागर विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। वे इस विश्वविद्यालय के संस्थापक, उप कुलपति तो थे ही, अपने जीवन के आखिरी समय (25 दिसम्बर 1949) तक विश्वविद्यालय के विकास और उसे सहेजने के प्रति संकल्पित रहे। उनका सपना था कि सागर विश्वविद्यालय, केमब्रिज तथा ऑक्सफोर्ड जैसी मान्यता हासिल करे।सागर में डॉ. सर हरिसिंह गौर ऐसा अनूठा विश्वविद्यालय

है, जिसकी स्थापना एक शिक्षाविद् के योगदान से की गई। डॉ. सर हरीसिंह गौर का जन्म सागर जिले में 26 नवम्बर 1870 को हुआ था। उन्होंने सागर के ही गवर्मेंट हाईस्कूल से मिडिल शिक्षा प्रथम श्रेणी में हासिल की।डॉ. सर हरिसिंह गौर ने छात्र जीवन में ही दो काव्य संग्रह और दि स्टेपिंग वेस्टवर्ड एण्ड अदर पोएम्स एवं रेमंड टाइम की रचना की। इस रचना के लिए उन्हें सुप्रसिद्ध रायल सोसायटी ऑफ लिटरेचर द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। गौर साहब की वर्ष 1929 में ‍स्पिरिट आफ बुद्धिज़्म शीर्षक से लिखी पुस्तक की प्रस्तावना कविवर श्री रवींद्र नाथ टैगोर द्वारा लिखी गई थी।

किसानों के खिलाफ लोगों का प्रदर्शन

ग़ाज़ीपुर बोर्डेर खुलवाने के लिए लोगों ने निकाला मार्च

एनसीआर समाचार

गाजीपुर बॉर्डर एक साल से बंद है। उसे खुलवाने के लिए गाजियाबाद फेडरेशन ऑफ अपार्टमेंट ऑनर एसोसिएशन (AOA) आगे आया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ स्थानीय लोग रविवार को सड़क पर उतर आए। वह इंदिरापुरम स्थित आम्रपाली विलेज सोसाइटी के सामने जमा हुए। जुलूस निकालते हुए यूपी गेट तक गए और प्रदर्शन किया। स्थानीय निवासियों के हाथ में होर्डिंग थे। इन होर्डिंग पर 'किसान भाइयों अब रास्ता खोलो', 'किसान भाइयों को आमजन की पुकार-रास्ता खाली करा दो सरकार' जैसे स्लोगन लिखे हुए थे।पुलिस ने स्थानीय लोगों को उस जगह तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया। जहां पर किसान पिछले एक साल से धरने पर बैठे हुए हैं। पुलिस को डर था कि किसानों व प्रदर्शनकारियों में आपस में टकराव हो सकता है। मौके पर पहुंचे पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने आश्वासन दिया।

कर्ज के बोझ की वजह से पूरे परिवार ने की आत्महत्या

एनसीआर समाचार

कोरोना की दूसरी लहर तक व्यापार में घाटे का सौदा होने के बाद तंगहाली से गुजर रहे परिवार के मुखिया और ऑटोपार्ट्स व्यापारी संजीव जोशी को पता ही नहीं चला कि परिवार कब सूदखोर गैंग के चंगुल में फंस गया। मौत से पहले पुलिस द्वारा लिए गए बयान में संजीव ने बताया कि जून माह से इन्होंने ध्यान दिया कि इनकी पत्नी अर्चना की किराने की दुकान में सामान लगातार कम होता जा रहा था। वो संजीव से आए दिन पैसे मांगने लगी थीं। इधर संजीव की पत्नी अर्चना से मिलने बबली दुबे रोजाना आती रहती थी। इन्होंने पहले तो अवोइड किया। फिर सितंबर में बबली के आने का कारण पूछा। अर्चना ने बताया कि उसने बच्चों की पढ़ाई और अन्य खर्चों के लिए कई किस्तों में तकरीबन 3 लाख 70 हजार रुपए बबली से ब्याज पर लिए हैं, इसलिए बबली और उसकी बेटी रानी घर आकर आए दिन विवाद करती हैं। अर्चना ने संजीव को बताया कि इस परेशानी दूर करने के लिए

अक्टूबर में मैंने 80 हजार रुपए बबली को दिए। बबली और रानी कहने लगीं कि ये तो ब्याज ही है। अभी मूलधन 3 लाख 70 हजार रुपए बाकी है। अर्चना ने पति को बताया कि हम उनके बार-बार पैसे मांगने को लेकर की जाने वाली गाली-गलौज से परेशान हो गए।

सपा जिला कार्यालय आवास विकास फर्रुखाबाद पर संविधान दिवस के अवसर पर संविधान रक्षा की शपथ ली गई

सरजन कश्यप

फर्रुखाबाद। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय आवास विकास फर्रुखाबाद पर संविधान दिवस के अवसर पर संविधान रक्षा की शपथ ली गई। कार्यक्रम का नेतृत्व समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव मन्दीप यादव एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर मन्दीप यादव ने कहा कि, जब से देश और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकारें बनी है, लगातार संविधान के साथ खिलवाड़ हो रहा है, संवैधानिक संस्थाएं सरकार के सामने असहाय बनी हुई है। समाजवादी पार्टी भारत के संविधान में सच्ची निष्ठा और श्रद्धा रखती है, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के आदर्शों से

प्रेरणा लेकर समाजवादी पार्टी लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद में आस्था रखती है। धर्म पर आधारित राज्य की अवधारणा का समाजवादी पार्टी विरोध करती है। महिलाओं, दलितों, अल्पसंख्यकों एवं पिछड़ों के लिए विशेष अवसर के सिद्धांत में पार्टी का विश्वास है। मौजूद समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने संविधान रक्षा की शपथ ली। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जहान सिंह लोधी, जिला सचिव अरविंद यादव, हरिओम दयाल, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड जिला अध्यक्ष शशांक सक्सेना, लोहिया वाहिनी जिला अध्यक्ष अनुराग यादव, छात्र सभा जिला अध्यक्ष अनिल पाल, आशुतोष दीक्षित, अरुण सक्सेना, सौरभ गुप्ता, विजय अनुरागी, प्रिंस कटियार, आनंद गिहार, सुनील यादव, मोहित यादव समीर मिर्जा जियाउद्दीन अंसारी सहित तमाम

स्वच्छ ढाबों को दी गई स्टार रेटिंग: ग्रामीण क्षेत्रों में हाईवे स्थित ढाबों का किया निरीक्षण

एनसीआर समाचार

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण अंतर्गत अनूठी पहल के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में हाईवे पर स्थित ढाबों का गुरूवार को भी जिला पंचायत की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ढाबों को स्वच्छता बनाए रखने तथा कचरे के व्यवस्थित निपटान हेतु निर्देशित किया गया। समस्त ढाबा संचालकों से ढाबों से निकलने वाले गीले एवं सूखे अपशिष्टों को पृथक-पृथक रखने हेतु समझाईश दी गई है। टीम द्वारा परवलिया, डोबरा, विदिशा हाईवे एवं बैरसिया रोड़ स्थित ढाबों का निरीक्षण किया गया, इसके साथ ही ऐसे ढाबे जहां स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है उन्हें स्टार रेटिंग दी जाकर स्वच्छ ढाबे के रूप में चिन्हित किया गया है। इसी अनुक्रम में बैरसिया रोड़ पर स्थित वी.आई.पी. इण्डियन ढाबा एवं फैमिली रेस्टोरेन्ट को स्टार ढाबे के रूप चिन्हित किया गया है। ढाबा संचालक, श्री मुजफ्फर खान द्वारा महिला एवं पुरूष हेतु पृथक शौचालय, हैण्डवॉश एवं कूड़ेदान की उचित व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही विदिशा रोड़ स्थित आकाश-विकाश ढाबा एवं फैमिली रेस्टोरेन्ट को स्टार रेटिंग हेतु सुनिश्चित की जाने वाले आवश्यक व्यवस्था के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस की लाख कोशिशों के बाद भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे शराबी

अज़ीम खान

सहसवान। सुबह से लेकर शाम तक और शाम से लेकर रात तक बना रहता है अकबराबाद चौराहा शराबियों का अड्डा जहां से हजारों की तादात में लोगों का निकलना बैठना होता है, उसी जगह पर सड़क किनारे अंडो के ठैलो पर हर समय शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है लेकिन सबसे बड़ी बात और भी है जहां सुबह से लेकर शाम तक पुलिस की पहरेदारी रहती है उसके बावजूद भी ठैलो पर खड़े होकर लोग खुलेआम शराब का सेवन करते हैं। इन शराबियों को किसी बात का कोई भी खौफ नजर नहीं आता आए दिन शराब पीकर लड़ाई झगड़े करना गालियां देना इन शराबियों के लिए आम बात हो गई है, अगर ऐसा ही सब कुछ चलता रहा तो एक ना एक दिन अकबराबाद चौराहे पर बड़ी अनहोनी होने में समय भी नहीं लगेगा आपको बताते चलें शाम होते ही प्रमोद इंटर कॉलेज की फिल्ड रोडवेज बस अड्डा ढाबे आदि जगहों पर भी जमकर शराब बाजी जमकर होती है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

राजेंद्र योगी

देवास बीती रात एक सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई! सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची! पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मान सिंह पिता जीवन सिंह उम्र 34 वर्ष निवासी शिप्रा कॉलोनी अपने रिश्तेदार से मिलने मोटरसाइकिल से शुक्रवार को आष्टा गया था जब रात को वह अपने घर की ओर लौट रहा था तभी एबी रोड स्थित लोहार पिपलिया के समीप एक गार्डन के पास अज्ञात वाहन ने युवक को टक्कर मार दी, युवक बाइक पर सवार था जिससे उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि मृतक मूलतः ग्वाला जवार तहसील का रहने वाला था और विगत 12 वर्षों से ग्राम शिप्रा स्थित कॉलोनी में रहता है परिजनों के मुताबिक मृतक मानसिंह ठेकेदारी का काम करता था तथा घरों को बनाने संबंधित शिलावटी कार्य करता और करवाता था मृतक के परिवार में उसकी एक लड़की और 1 पुत्र है। पुलिस द्वारा जिला चिकित्सालय में मृतक का आज सुबह पोस्टमार्टम किया गया तथा पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, मामले को लेकर औद्योगिक थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण को जांच में लिया है।

बहन को ससुराल से घर ले जा रहे भाई को युवक ने मारी गोली

साबिर खान

ग्रामीणों ने रोकना चाहा तो भाई ने कर दी ग्रामीण युवक की हत्या।साबिर खान कामां ,कामां थाना इलाके के गांव गुंडगाँव में ग्रामीणों ने जब एक भाई को अपनी बहन को घर ले जाने से रोका तो उसके भाई ने गांव के युवक के गोली मारी दी जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने गोली मारने वाले युवक को मौके पर पकड़ लिया और उसकी जोरदार पिटाई कर दी। पुलिस ने पहुंच कर आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया है।बसीमा की ससुराल में हुए विवाद को निपटाने के लिए हो रही थी उसके भाई से बाते।कामां थाना इलाके के गुंडगाव का है मामला। कामां थाना इलाके दौलवास (नगला मुकारीब) की रहने वाली बसीमा की शादी कामां के गुंड़गांव के रहने वाले शौक़ीन से हुई थी। बसीमा का अपने ससुराल वालों से घर के कामकाज को लेकर कोई विवाद हो गया था। विवाद को निपटाने के लिए आज गुंड़गांव में बसीमा के भाई से समझाइस की बात की जा रही थी। जिसमें बसीमा का भाई अपनी बहन को ले जाना चाहता था तो गांव वालों ने वसीमा के भाई को रोका तो अलीम ने पिस्टल निकली ओर अपने ही जीजा पर फायर करने को कहा।हो रही समझाइस से अलीम खुश नहीं था वह अपनी बहन को घर ले जाना चाहता था। लेकिन गाव के लोग चाहते थे की ससुराल वालों और बसीमा का गाव गुंडगाव में ही सुलह हो जाए। लेकिन अलीम अपनी बहन को घर ले जाने की जिद करने लगा।गांव में मौजूद ग्रामीणों ने अलीम को काफी रोकने की कोशिश की लेकिन अलीम अपनी बहन को घर ले जाने पर अड़ा रहा। फिर अलीम ने पिस्टल निकाली और धमकी देने लगा की अगर मुझे किसी ने रोका तो में गोली मार दूंगा। जिसके बाद गांव के एक शब्बीर नाम के व्यक्ति ने उसकी पिस्टल छीनने की कोशिश की तो उसी को की मौके पर गोली मार दी।

ट्रैन से कूद कर व्यक्ति ने की आत्महत्याा

सीहोर। में सूदखोर ने युवक की जान ले ली शनिवार को एक व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली घटना सीहोर जिले के मुरली रेलवे क्रॉसिंग के पास की घटना है रेलवे क्रॉसिंग के पास सूचना पर पुलिस पहुंची मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है घटनास्थल से पुलिस को सुसाइड नोट भी बरामद किया है सुसाइड नोट में 10 फ़ीसदी प्याज का जिक्र है जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र के मुरली रेलवे क्रॉसिंग के पास एक व्यक्ति अचानक ट्रेन के सामने कूद गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई बताया गया है कि सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को लास पास से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें 10% ब्याज से परेशानी का जिक्र है पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है कोतवाली थाने के एसआई एसएन वर्मा ने बताया कि मृतक की पहचान परमानंद मंगरोलिया के रूप में हुई है इस बात की जानकारी मृतक के पास से सुसाइड नोट मिला है जिसमें आत्महत्या का कारण ब्याज खोरी बताया गया ह ब्याज से परेशान होकर व्यक्ति ने जान दी है सुसाइड नोट में सूदखोरों का नाम है दीपक सोनकर दिलीप सोनकर पिता राम दुलारे सोनकर के नाम लिखे हुए हैं ,मामले की जांच की जाएगी पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर मामले को विवेचना में लिया।

ग्रामीण क्षेत्र में हुई लॉकडाउन ससुराल फिल्म की शूटिंग संपन्न

नूर मोहम्मद शेख

बागली। क्षेत्र में पहली बार बड़े स्तर की वेब सीरीज की शूटिंग सम्पन्न हुई। सीरीज का शीर्षक है "लॉक डाउन ससुराल" जो लॉक डाउन के समय की मनोरंजक कहानी है।सीरीज के मुख्य कलाकार हैं जयवीर शर्मा, प्रगति चौहान, अमृता टंगानिया और अनिल चापेकर। इसके लेखक और निर्देशक हैं बागली के ही अनिरुद्ध शर्मा जिनकी लघु फिल्में कई अंतरराष्ट्रीय फ़ल्मि समारोहों में पुरस्कृत हो चुकी हैं।वेब सीरीज के 7 एपिसोड्स होंगे, फ़लिहाल एक ही एपिसोड की शूटिंग हुई है। बाकी छह एपिसोड्स कुछ समय बाद एक साथ शूट किए जाएंगे।

मप्र में इन दिनों नाम बदलने की मांग ज्यादा जोरों पर

देवराम ठाकुर

इंदौर। देशभर में कई शहर और जगहों के नाम बदलने के बाद अब मध्यप्रदेश में इन दिनों नाम बदलने की मांग ज्यादा जोरों पर है. अब देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर का भी नाम बदलने की चर्चा है. बताया जा रहा है कि इंदौर का नाम बदल कर अहिल्याबाई नगर कर दिया जाएगा. गौरतलब है कि हाल ही में इंदौर के पातालपानी स्टेशन, बस स्टैंड और चौराहे का नाम टंट्या भील किया जा रहा है. लेकिन शहर के नाम बदलने की चर्चा के बीच विरोध के स्वर भी दरअसल भोपाल में बीजेपी कार्यसमिति में जुटे इंदौर के वरिष्ठ नेताओं ने नाम बदलने की श्रृंखला में शहर के नाम के साथ छेड़छाड़ नहीं करने का आग्रह किया है. इसके साथ ही सोशल मीडिया पर इंदौर के प्रमुख चौराहे और बस स्टैंड के नामकरण को लेकर भी मिश्रित प्रतिक्रिया आई क्या इंदौर का नाम बदल जाएगा? मीडिया रिपोर्ट के

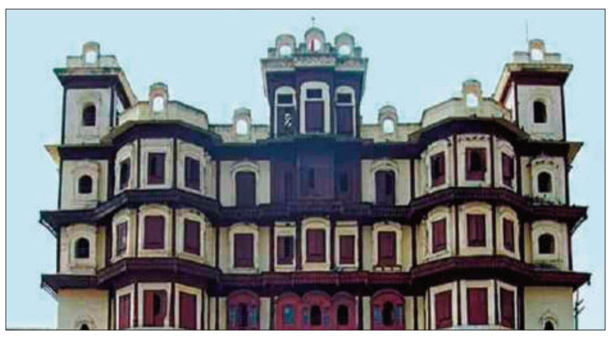

मुताबिक राज्य सरकार में नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने इंदौर का नाम माता अहिल्याबाई होलकर के नाम पर करने का समर्थन किया है. उसके बाद बीजेपी के कई नेता भूपेन्द्र सिंह के समर्थन में आए हैं. वहीं बीजेपी प्रवक्ता उमेश शर्मा का कहना हैं कि माता अहिल्या बाई होल्कर परम शिव भक्त थीं, और मां नर्मदा नदी की उपासक भी थी. उन्होंने देशभर में शिव मंदिर और नदियों के घाटों का निर्माण करवाया. ऐसे में इंदौर के हर जन की आस्था माता अहिल्याबाई पर है. इसलिए शहर का नाम बदलने में कोई बुराई नहीं हैं.जानिए इंदौर का नाम कैसे पड़ा दरअसल आज भी कई लोग इस बात को जानते नहीं हैं कि इंदौर शहर का नाम किसी मुगल शासक के नाम पर नहीं है. बल्कि खुद अहिल्याबाई होलकर के आराध्य इंद्रेश्वर महादेव (शिव) के नाम पर है. इंदौर के इतिहासकार और जानकार लोग मानते हैं कि इंदौर शहर का नाम पुराने समय में भगवान इंद्रेश्वर के नाम पर ही था. प्राचीन इंदौर में इंदौर का नाम इंद्रपुरी था और इंदौर को भगवान इंद्र की नगरी के रूप में ही जाना जाता था. इसके बाद होलकर रियासत काल के शुरुआती दौर में इंदौर का नाम इंदुर हुआ और समय बदलने के बाद यह शहर इंदौर कहलाने लगा. इसके प्रमाण के रूप में मंदिरों के आसपास आज भी कई साक्ष्य मौजूद हैं. लेकिन अब अहिल्या देवी के आराध्य शिव के नाम के इस शहर का नाम हटाकर मां अहिल्याबाई के नाम पर शहर का नाम करना उनके आराध्य शिव और शिव सेविका मां अहिल्याबाई दोनों का अपमान होगा या सम्मान ये तो सरकार ही जानें. एमपी में नाम बदलने का चलन शुरू !प्रदेश में शहरों के नाम बदलने की शुरुआत नर्मदापुरम (होशंगाबाद) और भेरूंदा (नसरल्लागंज) से हुई. इसी कड़ी में राज्य सरकार राजधानी भोपाल, यहां के मिंटो हॉल, ईदगाह हिल्स, रायसेन जिले के औबेदुल्लागंज, गैरतगंज, बेगमगंज और गौहरगंज, बुरहानपुर शहर, सुल्तानपुर समेत एक दर्जन शहरों-स्थानों के नाम बदलने की तैयारी में भी है।

29 नवंबर को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का बड़ा बयान

अबरारुल हक़ रहमानी

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा, "पीएम नरेंद्र मोदी को राज्य सरकारों और रेलवे को विरोध के दौरान किसानों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का निर्देश देना चाहिए। इससे पहले आज, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों से अपना आंदोलन समाप्त करने का आग्रह किया था।

पिछले हफ्ते, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि तीन कृषि कानूनों को वापस ले लिया जाएगा। किसान संघों ने जोर देकर कहा कि जब तक कानूनों को औपचारिक रूप से निरस्त नहीं किया जाता और अन्य मांगों को पूरा नहीं किया जाता, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी उनकी मांगों में से एक है।किसान नेता राकेश टिकैत के अनुसार, किसानों ने पहले घोषणा की थी कि वे सोमवार को संसद तक मार्च करेंगे (60 ट्रैक्टर और 1,000 से अधिक लोग)।तोमर ने कहा कि किसानों द्वारा उठाये गये मुद्दों को उठाने के लिये कमेटी गठित की जायेगी। तोमर ने कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फसल विविधीकरण, शून्य बजट खेती और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक समिति गठित करने की घोषणा की है।

कलेक्टर ने चौपाल लगाकर समस्याओं के निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए

देवेन्द्र कुमार जैन

कलेक्टर श्रीमती आर.उमामहेश्वरी द्वारा 27 नवम्बर को जनपद पंचायत अशोकनगर के ग्राम टकनेरी में ग्रामीणों के बीच पहुंचकर चौपाल लगाकर उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण के निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए उनकी एक-एक समस्या को ध्यान से सुना। ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर को खाद्यान्न पर्ची, पेंशन, शौचालय, आवास आदि योजनाओं का लाभ दिलाये जाने की बात कही।

कलेक्टर ने ग्राम में खाद्यान्न पर्ची, पेंशन, शौचालय, आवास योजना का सर्वे कराये जाने के निर्देश दिए। साथ ही पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने चौपाल में ग्राम के 123 पात्र हितग्राहियों के नाम आवास प्लस सूची में जोडे जाने संबंधी सूची का वाचन कराया गया। उन्होंने कहा कि जो भी पात्र हितग्राही आवास प्लस में नाम जोडे जाने से वंचित रह गया हो। उनका सर्वे कर सूची में नाम जोडा जायेगा। उन्होंने पीएचई विभाग को ग्राम में समुचित पेयजल की व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम में संचालित

आंगनवाडी के बारे में जानकारी ली। साथ ही बताया गया कि आंगनवाडी में वर्तमान में 120 बच्चे दर्ज है। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा जो व्यक्ति ग्राम में काम कराना चाहता है।

उसे मनरेगा के तहत कार्य दिलाया जायेगा। उन्होंने ग्रामीणों से पहुंच मार्ग के संबंध में जानकारी ली। साथ ही आदिवासी बस्ती में आदिम जाति कल्याण विभाग के माध्यम से सड़क डलवाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने आदिवासी महिलाओं मुखिया से आहार अनुदान योजना के तहत मिलने वाली एक हजार रूपये की राशि के संबंध में जानकारी ली। साथ ही छूटे हुए महिला मुखिया के नाम सर्वे कर योजना के तहत लाभ दिलाये जाने के निर्देश दिए।

माता टेकरी पर शिविर से लौटे शिविरार्थियों ने किये दर्शन

अनुज राठी

स्वयंसेवकों ने किया था जिले का प्रतिनिधित्व विभिन्न प्रांतों से आये थे स्वयंसेवक जिले की समाज सेवी संस्था राष्ट्रीय युवा योजना इकाई देवास समन्वयक श्री अक्षय जोशी ने बताया कि छः दिवसीय फूलजी बा जन्म शताब्दी समारोह सर्वोदयी समाज सेवी श्री चांदमल जैन जी की स्मृति में बदनावर जिला धार मध्य प्रदेश में आयोजित हुआ इस समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से विशिष्ट व्यक्ति आये जिनमें समाजसेवी,साहित्यकार, वरिष्ठ पत्रकार एवं अन्य विधाओं के जानकार भी पहुंचे थे जन्म शताब्दी समारोह में आयोजित शिविर में सर्वधर्म समभाव,जातिमुक्त भारत,सभी के लिये समान शिक्षा व्यवस्था, समस्त व्यक्तित्व विकास पर आयोजित किया जिसमें स्वयंसेवकों द्वारा प्रातः से लेकर शाम तक योग वायम श्रम कार्य बौद्धिक चर्चा खेल सर्वधर्म प्रार्थना सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता की शिविरार्थी अनुज राठी एवं इंदु मानीकपुरी ने बताया कि इस तरह के शिविर में सभी को कुछ ना कुछ सीखने का मौका मिलता है।

बिसाहूलाल के बयान से ठाकुर समाज हुआ आग बबूला

अंसार खान

बरेली क्षेत्र में निवास करने वाली ठाकुर समाज हैं पुरबिया रघुवंशी राजपूतों ने मिलकर इस घटना के विरुद्ध आवाज बुलंद की है को इन समाज के सक्रिय लोगों ओर विभिन्न सामाजिक संगठन पदाधिकारियों ने मानस भवन बरेली में एक संयुक्त बैठक आयोजित की और ठाकुर कुल के प्रति की गई इस अशोभनीय टिप्पणी के विरुद्ध क्या रणनीति अपनाई जाए पर चर्चा की, जिसमें उपस्थित समस्त समाज जनों ने सर्व सहमति से यह निर्णय लिया कि दिनांक 28 नवंबर को 2:00 बजे से सामाजिक लोग मानस भवन में इकट्ठा होंगे और वहां से पैदल चलते हुए अनुविभागीय अधिकारी न्यायालय बरेली

पहुंचेंगे अनुबिभागीय अधिकारी बरेली को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपेंगे जिसमें सामजिक निन्दा प्रस्ताव भी संलग्न होगा। किया जाएगा कि मन्त्री को बर्खास्त किया जाए , राजनीति में शुचिता बची नहीं जिसके मन मे जो आया बक दिया विरोध वक्तव्य का हुआ तो माफी मांग ली यँहा माफी से काम नही चलेगा ।मामला महिलाओं के सम्मान को लेकर है । और ठाकुर समाज के विरुद्ध ऐसी गंदी टिप्पणी के लिए तुरंत ही बिसाहूलाल सिंह को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए ऐसी टिप्पणी करके बिसाहूलाल सिंह ने मंत्रिमंडल में रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है उनकी टिप्पणी से जाहिर होता है कि बिसाहूलाल सिंह भारतीय लोकतंत्र सामाजिक मर्यादाओं को नहीं जानते हैं और मंत्री पद के योग्य नहीं है अतः उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाएउक्त कार्यक्रम में तीनों समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति सम्मिलित हुए तीनों समाज के लोगों ने संयुक्त रुप से बरेली क्षेत्र में निवास करने वाले समाज जनों से एवं स्वर्ण समाज के लोगों से इस ज्ञापन कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

एसपी द्वारा चलाए जा रहे नशा अभियान हो रहा सफल

आमिर अल्वी

हरियाणा। हमीदा चौकी इंचार्ज शमशेर सिंह राणा द्वारा और सामाजिक लोगों के द्वारा नशा मुक्ति अभियान चलाया गया और उसमें बताया गया जो लेडीस 60 ग्राम से पकड़ी गई थी उसके घरों में ताले लग गए जो लोग नशा करते हैं और जो लोग बेच रहे हैं। उनके घर जाकर डोर टू डोर करके उन्हें समझाया गया पुलिस प्रशासन द्वारा और उन्हें आखिरी वार्निंग भी दी गयी के नशे का व्यापार बंद कर दो और किसी भी हाल में हम नशे को बिकने नहीं देंगे अपने राज्य में ,इस नशे की वजह से ही इतना क्राइम बढ़ रहा है पुरे प्रदेश में जिसे खत्म करके रहेंगे नशे से पूरा परिवार खराब हो जाता है लोग अपराधी बन जाते हैं इसलिए हम कहीं पर भी नशा नहीं बिकने देंगे और कहीं पर भी नशा बिक रहा है तो आम नागरिक इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दे उसके

ऊपर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।अगर कोई गलत लोगों की सांगत की वजह से इस चंगुल में फस गया और नशे में पद गया हो उसका इलाज हरियाणा पुलिस की तरफ फ्री में कराया जाएगा। पुलिस प्रशासन पुरे प्रदेश के लोगों को अपना परिवार जैसा ही समझती है। इसलिए प्रदेश के लोगों को सही दिशा दिखाना और नशा मुक्त प्रदेश बनाना हमारी ज़म्मिेदारी है।

लापरवाही — गरीब ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि ये खुद लेते है पैसे, नहीं देते हिसाब किताब

DLF यानी जिला स्तर महिला फेडरेशन, स्वैप, पैसे कंपनी HSRLM फतेहाबाद का बड़ा गोलमाल आया सामने

शुशील कुमार

गांव धारणिया के आरटीआई कार्यकर्ता वीरेंद्र कुमार ने दी जिला पुलिस कप्तान को शिकायत जबकि गांव खैराती के राकेश ने सीईओ आजीविका मिशन को भेजी विभाग के फर्जीवाड़े की शिकायत हरियाणा आजीविका मिशन फतेहाबाद लगातार फर्जीवाड़े और घोटाले के मामले में शुर्खियो में आ रहा।

जिला स्तर फेडरेशन जो बिना उच्च अधिकारियों के देख-रेख के आंतरिक तौर पर बनाया और इसके नाम पर गरीब ग्रामीण महिलाओ से ब्लॉक स्तर पर बने फेडरेशन के माध्यम से हजारों रुपये भी जुटाए गए। आरटीआई कार्यकर्ता वीरेंद्र कुमार का आरोप है की इन्होंने डीएलएफ मामले को छुपाने के लिए मुझे गलत सूचना भेजी और सूचना में प्रधान सुनीता के नाम भी डीएलएफ से संबंधित पाया गया। इस मामले में डीपीएम, डीएफएम और क्लस्टर तक के पदाधिकारी महिलाए

भी सामिल है । सुनीता डीएफएम का कहना है की मेरा कोई लेना देना डीएलएफ से नही है लेकिन आरटीआई में सूचना इसलिए छिपाई की डीएलएफ रजिस्टर्ड ही नही है। वीरेंद्र कुमार का ये भी आरोप है कि सुनीता प्रधान डीएलएफ आजीविका मिशन फतेहाबाद से जुड़ी महिला अनपढ़ है और सूचना इंग्लिश में भेजी गई है! जिसमे अधिकारियो की मिलीभगत का अंदेशा है। एसएचजी से जुड़ी महिला गांव काजलहेडी शोभा रानी का आरोप है आजीविका मिशन फतेहाबाद से संबंधित एक प्रोजेक्ट प्रारंभिक उद्यमिता कार्यक्रम ने भी मुझे लगभग आधे वर्ष का मानदेय नही दिया है और शोभा का कहना है की प्रोजेक्ट मेंटर अर्चना और संबंधित अधिकारी बार बार गुमराह और धोखाधड़ी कर रहे है और इससे संबंधित शिकायत भी उच्च अधिकारियों और मुख्यमंत्री महोदय को दी गई है। मामला तब नया मोड़ ले गया जब ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अमित ने आरटीआई के जवाब में लिखा कि हम सीसीएल लोन के लिए पैसे नहीं लेते लेकिन ग्रामीण स्तर पर बने स्वयं सहायता समूहो के कारवाई रजिस्टर में लिखे मिले हैं, हर महिला से जो सीसीएल लोन लेती है तो एक लाख के पीछे 500 और 1000 रूपए वसूली की जाती है और महिलाओं भी अब इस पैसे का हिसाब विभाग से संबंधित अधिकारियों से मांग रहीं है। लेकिन आरटीआई में जवाब मिला है कि सीसीएल का कोई पैसा नहीं लिया जाता। जबकि गरीब ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि ये खुद लेते है पैसे, नहीं देते हिसाब किताब। ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के मानवाधिकार सदस्य सुशील कुमार का कहना है की सीईओ आजीविका मिशन पंचकुला और सतर्कता आयोग, मानवाधिकार आयोग और टैक्स विभाग, को इस मामले की जांच के लिए पत्र भेजे गए है। सूचना आयोग में भी यह मामला अभी लंबित है। भट्टू कलां से दीपाली सिहाग का आरोप है की उसके बचत खाते से भी पैसे कंपनी के ब्लॉक और जिला लेवल के अधिकारियों ने मिलकर गलत तरीके से पैसे का लेनदेन किया है।

पांचवी बार इंदौर को स्वच्छता में नंबर वन

स्वच्छता योद्धाओं को प्रभारी मंत्री डॉ. मिश्रा ने मिठाई खिलाकर किया सम्मानित

देवराम ठाकुर

पांचवी बार इंदौर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने में सफाई कर्मियों के दृढ़ संकल्प ने निभाई महती भूमिका - मंत्री डॉ. मिश्रास्वच्छता योद्धाओं को प्रभारी मंत्री डॉ. मिश्रा ने मिठाई खिलाकर किया सम्मानित प्रभारी मंत्री डॉ. मिश्रा से सौजन्य भेंट कर भावुक हो उठीं सफाई कर्मी गृह मंत्री एवं इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा आज अपने इंदौर प्रवास के दौरान शहर के सफाई कर्मियों से मिलने राजमोहल्ला पहुंचे। उन्होंने स्वच्छता योद्धाओं पर पुष्प वर्षा कर उन्हें सम्मानित किया। मंत्री डॉ. मिश्रा ने इंदौर को पांचवी बार स्वच्छता के क्षेत्र में नंबर वन बनाने में योगदान देने वाले सफाई कर्मियों को मिठाई खिलाकर उनके द्वारा की गई कड़ी मेहनत के लिये आभार भी प्रकट किया।

इस अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी, संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा, कलेक्टर श्री मनीष सिंह, नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिभा पाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों से इंदौर लगातार सफलता का पायदान चढ़ रहा है। इस सफलता में शहर के जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व के साथ-साथ सफाई कर्मियों के दृढ़ संकल्प की महती भूमिका रही है।

संक्षिप्त समाचार

हरदोई में आवारा गाय के झुण्ड से सड़कों पर हो रही दुर्घटनाएं

शाहवाज़ हुसैन ख़ान

हरदोई। शाहबाद शाहजहांपुर मार्ग पर उधरनपुर के निकट आवारा गाय के झुण्ड के सड़क पर अचानक भाग कर आ जाने से पिक अप डाला पलट गया सूत्रों के अनुसार शाहाबाद की ओर बुधवार की शाम को ऐक पिक अप डाला मछलियां लाद कर आ रहा था उधरनपुर गांव के पास अचानक खेतो से भाग कर आवारा गाय के का झुण्ड सड़क पर आ गया जिसे बचाने को ड्राईवर सनी यादव पूरी कोशिश की पर पिक अप डाला अन्यंत्रित होकर पलट गया।

कच्ची अपमिश्रित शराब का निष्कर्षण करते हुए 2 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

भजन सिंह

शाहजहांपुर। मौके से शराब बनाने के उपकरण, 5.5 Kg यूरिया खाद व करीब 75 लीटर अवैध अपमिश्रित कच्ची शराब बरामद"पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर श्री एस0 आनन्द के निर्देशानुसार जनपद मे अवैध कच्ची अपमिश्रित शराब कसीदगी/निर्माण/बिक्री की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शाहजहाँपुर श्री संजीव कुमार वाजपेयी के निर्देशन मे व क्षेत्राधिकारी पुवायां श्री बी0एस0 वीरकुमार के पर्यवेक्षण मे थाना खुटार पुलिस को सफलता मिली ।आज दिनांक 23/11/2021 BBको मुखबिर की सूचना पर समय करीब 03.40 बजे प्रभारी निरीक्षक थाना खुटार श्री मनोज कुमार त्यागी के नेतृत्व मे थाना खुटार पुलिस द्वारा " ग्राम बरनई मे अभियुक्तो के चाचा गुरुदेव के गन्ने के खेत मे" से अभियुक्तगण 1. मंगल सिंह 2. लवजीत सिंह पुत्रगण स्व0 सतनाम सिंह निवासी ग्राम बरनई थाना खुटार जनपद शाहजहाँपुर को गिरफ्तार किया गया । मौके से शराब बनाने के उपकरण व तीन जरीकेनो मे करीब 75 लीटर अवैध कच्ची अपमिश्रित शराब व 5.5 Kg यूरिया खाद बरामद किया गया । बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगणो के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

हम साफ शहर के जिम्मेदार नागरिक हैं, कचरा प्रबंधन शुल्क जमा कर अपना कर्तव्य निभाएं

कमलपाल

आयुक्त सुश्री पालनगर निगम आयुक्त ने जमा की अपने निवास का कचरा प्रबंधन शुल्क की राशि नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिभा पाल ने इंदौर शहरवासियों से अपील करते हुये कहा कि हम सभी देश के सबसे स्वच्छ एवं साफ शहर इंदौर में रहते हैं। इंदौर में स्वच्छता को बनाए रखने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार कार्य किया जाता है, जिसके तहत डोर टू डोर कचरा संग्रहण का कार्य प्रतिदिन किया जा रहा है। नगर निगम इंदौर द्वारा डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य की एवज में नागरिकों से कचरा प्रबंधन शुल्क लिया जाता है जिसका भुगतान निगम को किया जाना भी हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने शहर के नागरिकों से अपील की कि वे अपने डोर टू डोर कचरा संग्रहण शुल्क जमा करें और स्वच्छ एवं साफ इंदौर शहर के नागरिक बने। नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिभा पाल द्वारा आज अपने आवास का डोर टू डोर कचरा संग्रहण शुल्क जमा करते हुये यह बात कही गयी। इस अवसर पर उपायुक्त श्रीमती लता अग्रवाल द्वारा आयुक्त सुश्री पाल को स्वच्छता का बेच भी लगाया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री के साकेत वास पर फल और किताबें की वितरीत

नूर मोहम्मद शेख

देवास। बागली पूर्व मुख्यमंत्री श्री कैलाश जोशी का देवलोक गमन 24 नवंबर 2019 को हो गया था,लेकिन बागली क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्य लोगों को सदा उनकी याद दिलाते रहेंगे,मानव जीवन तो कुछ ही वर्षों का होता है लेकिन मानव अपने कर्मों और कार्यों की वजह से हमेशा हमेशा लोगों के दिलों में जिंदा रह सकता है,अपने कार्यों की वजह से और विनम्र स्वभाव से लोगों के दिलों में अमिट छाप छोड़ गए , उनकी पुण्यतिथि पर श्री जोशी के सुपुत्र पूर्व मंत्री श्री दीपक जोशी ने बागली पहुंचकर। स्थानी बागली चौराहे पर लगी उनकी प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पण की। वहीं श्री जोशी की प्रतिमा को पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष और मोहर्रम कमेटी के सदर डॉ रामचंद्र राठौर ने दूध से स्नान कराया, इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता सूर्य प्रकाश गुप्ता ने भी उद्बोधन दिया।

पढ़ने योग्य लिखा जाये और लिखने योग्य कार्य किया जायेः मंत्री डॉ. मिश्रा

सप्रे संग्रहालय का पत्रकारिता अलंकरण समारोह सम्पन्न

देवराम ठाकुर

उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिये पढ़ने योग्य लिखे जाने की और लिखने योग्य कार्य किये जाने की जरूरत है। गृह मंत्री Dr. Narottam Mishra ने सप्रे संग्रहालय भोपाल में आयोजित पत्रकारिता अलंकरण समारोह में यह बात कही। समारोह में डॉ. मिश्रा के साथ अतिथियों ने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पत्रकारिता से जुड़ी विभूतियों को शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति श्री के.जी. सुरेश, वरिष्ठ राजनीतिज्ञ और समाजसेवी श्री रघुनंदन शर्मा और वरिष्ठ पत्रकार श्री चन्द्रकांत नायडू मौजूद थे।डॉ. मिश्रा ने समारोह में पुरस्कृत एवं सम्मानित होने वाले पत्रकारों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि निष्पक्ष पत्रकारिता की साख

को बनाये और बचाये रखने की जिम्मेदारी आप सब पर है। पत्रकारिता में तथ्यों और गहराई में जाकर कार्य करने की आवश्यकता है। डॉ. मिश्रा ने सप्रे संग्रहालय की सराहना करते हुए कहा कि यह पत्रकारों के लिये तीर्थ-स्थल है। संस्थान के संस्थापक पद्मश्री श्री विजयदत्त श्रीधर ने संग्रहालय के रूप में पत्रकारिता के शोधार्थियों के लिये एक अनूठे संस्थान की स्थापना की है। यहाँ विगत 30 वर्षों से पत्र-पत्रिकाओं का संग्रहण और अधिक समृद्ध होता जा रहा है। वरिष्ठ पत्रकार श्री शिवकुमार विवेक को माखनलाल चतुर्वेदी पुरस्कार, श्री प्रमोद भारद्वाज को जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी पुरस्कार, श्री नवीन पुरोहित को झाबरमल्ल शर्मा पुरस्कार, श्री सरमन नगेले को के.पी. नारायणन पुरस्कार, श्री जगदीश द्विवेदी को राजेन्द्र नूतन पुरस्कार, श्री प्रफुल्ल पारे को गंगाप्रसाद ठाकुर पुरस्कार, श्री शशिकांत तिवारी को आरोग्य सुधा पुरस्कार और श्री संतोष चौधरी को सुरेश खरे पुरस्कार प्रदान किया गया।संयुक्त संचालक जनसम्पर्क श्री संजय जैन को संतोष कुमार शुक्ल लोक संप्रेषण पुरस्कार, श्री जगदीश कौशल सेवानिवृत्त अपर संचालक को छायाचित्रों में समकालीन विशिष्ट व्यक्तियों के स्मरणीय प्रसंग संजोने के लिये हुकुमचंद नारद पुरस्कार, फोटो जर्नलिस्ट श्री रजा मावल को होमई व्यारावाला पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट रिपोर्टिंग के लिये श्री रोहित श्रीवास्तव, श्री अजय वर्मा और श्री विवेक राजपूत की टीम को जगत पाठक पुरस्कार, कला, संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान की उत्तम रिपोर्टिंग के लिये श्री हितेष शर्मा को लाल बलदेव सिंह पुरस्कार और श्रेष्ठ बाल पत्रकारिता के लिये सुश्री इंदिरा त्रिवेदी को रामेश्वर गुरु पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रयागराज से हंडिया होकर वाराणसी जाने वाले लोगों को अब जाम से मिलेगी निजात

राम नारायण पाल

अंदावा से सरायनायत हनुमानगंज सैदाबाद से होकर वाराणसी निकलने वाली सड़क का भारत सरकार ने चौड़ीकरण का फैसला लिया है। इसके लिए शासन की तरफ से हरी झंडी मिल गई है ।जल्द ही टेंडर पास कराकर इसका काम शुरू कर दिया जाएगा ।लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता के.के .आहूजा ने बताया कि अंदावा हडिंया पुरानी जीटी रोड फोरलेन करने को प्रस्ताव पहले ही शासन के पास भेजा गया था ।लेकिन उस पर अब मंजूरी मिली है । इस परियोजना पर 212 करोड रुपए का खर्च लगभग आएगा यह टोटल 22 किलोमीटर लंबी दूरी तय करेगी ।कुंभ 2018-19 के समय इस रोड का चौड़ीकरण हुआ था । अंदावा से हंडिया तक पुरानी जीटी रोड के फोरलेन किए जाने से सड़क के किनारे बसे हजारों मकानों को तोड़ना पड़ेगा। और सबसे ज्यादा दुकान माल मकान सैदाबाद और हनुमानगंज में टूटेंगे। विभाग के अधिकारियों द्वारा पहले ही इसका सर्वे किया जा चुका है।

शाजापुर में श्री गुर्जर देवसेना का दीपावली मिलन व पत्रकार सम्मान समारोह संपन्न

ब्रज कुमार राठौर

शाजापुर। बुधवार को शाजापुर स्थित मल्हार गार्डन में गुर्जर समाज के सामाजिक संगठन श्री गुर्जर देव सेना का दीपावली मिलन व पत्रकार सम्मान समारोह बड़े ठाठ बाट के साथ संपन्न हुआ, संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह पटेल की उपस्थिति में मुख्य अतिथि चरण सिंह पंडा जी व दिनेश पंडा जी के द्वारा सम्मिलित रूप से श्री देवनारायण भगवान के छायाचित्र का पूजन वंदन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई, तत्पश्चात मुख्य अतिथियों के द्वारा शाजापुर जिले भर के उपस्थित कलमकार पत्रकारों का मंच के माध्यम से सम्मान किया गया, उपस्थित सभी अतिथि वक्ताओं के

द्वारा दीपावली मिलन ,गुर्जर समाज सुधार व कलमकारों के विशेष कार्य पर व्याख्यान भी दिए गए, भाजपा राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव अमर सिंह बिरला के द्वारा भी मंच की शोभा बढ़ाई गई, मंच संचालन श्री रसराज जी गुर्जर कवि के द्वारा किया गया, मंचासीन मुख्य अतिथियों के द्वारा गुर्जर समाज को आगे बढ़ाने हेतु नवयुवकों को कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी सौंपी गई, जिसमें रोडसिंह कराड़ा व अन्य साथियों के नामों को मंच से पुकार कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए, आसेर निवासी धर्मेंद्र गुर्जर ,भगवान सिंह गुर्जर जिला उपाध्यक्ष लाड सिंह गुर्जर ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन गुर्जर व अन्य सभी गुर्जर समाज के युवा अपनी अपनी टीम व मंडलियों के साथ देवसेना के कार्यक्रम में शरीक हुए।

छात्राओं को किए कॉपी पेन सप्रेम भेंट

राजेंद्र योगी

पूर्व मुख्य मंत्री स्वर्गीय श्री कैलाश जी जोशी की पुण्य तिथि मनाई पूर्व मंत्री दीपक जोशी व विधायक प्रतिनिधि व भाजपा के सैकड़ों वरिष्ठ कार्यकर्ता द्वारा बागली थाना चौराहा पर स्वर्गीय श्री जोशी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई साथ ही पूर्व मंत्री दीपक जोशी एवं भाजपा महिला मोर्चा के मातृशक्ति द्वारा,स्वर्गीय श्री जोशी जी की द्वितीय पुण्यतिथि पर बागली अस्पताल में मरीजों को फल व बिस्किट वितरण किए गए* इसके साथ ही बागली शासकीय कन्या हाई स्कूल में पूर्व मंत्री दीपक जोशी एवं भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विद्यालय की सभी बालिकाओं को कॉपी पेन दिए गए इस अवसर पर प्राचार्य पंडित वासुदेव जोशी एवं समस्त शिक्षक व बालिकाओं द्वारा अतिथियों का तिलक कर स्वागत किया गया तथा मां सरस्वती वंदना के साथ माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई*पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय जोशी जी की द्वितीय पुण्यतिथि पर वरिष्ठ अधिवक्ता सूर्य प्रकाश गुप्ता जी ने प्रकाश डाला और कहा जोशी जी राजनीति के संत कहे जाते थे वह मध्य प्रदेश के प्रथम गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे उनका नाम अजर अमर है !इसके साथ ही वरिष्ठ अभिभाषक प्रवीण

चौधरी ने भी जोशी जी की स्मृति में अपने विचार रखें उन्होंने बताया जोशी जी का जन्म 14 जुलाई 1929 को देवास जिले के हाटपिपलिया में हुआ था वह देश में इमरजेंसी लगने के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री 1977-- 78 में रहे वह बागली 8 बार विधायक और दो बार लोकसभा सदस्य तथा एक बार राज्यसभा सदस्य रहे मध्य प्रदेश में राजनीति के संत के नाम से प्रसिद्ध थे तथा वे भोपाल में 10 साल सांसद भी रहे वह अद्भुत छवि वाले मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे बागली से उनका स्नेह घनिष्ठ एवं अतुलनीय था उनका देवलोक गमन 91 वर्ष की आयु में 24 नवंबर 2019 को लंबी बीमारी के चलते हुआ आज द्वितीय पुण्यतिथि पर मैं उन्हें श्रद्धा के सुमन अर्पित करता हूं. ! सभी भाजपा कार्यकर्ता व गणमान्य वरिष्ठ नागरिक के द्वारा अपने अपने विचार व्यक्त किए गए।

सपा की सरकार बनी तो मृत किसानों के परिजनों को देंगे 25-25 लाख की सहायता: अखिलेश

अज़ीम खान

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे मृत किसानों को लेकर बड़ा बयान दिया है। अखिलेश यादव ने ऐसे परिवारों को जिनके सदस्य किसान आंदोलन के दौरान मृत हुए, उन्हें आर्थिक सहायता दिए जाने का ऐलान किया है। अखिलेश यादव ने कहा है कि 'हम वचन देते हैं कि 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार आते ही किसान आंदोलन के शहीदों को 25 लाख की किसान शहादत

सम्मान राशि दी जाएगी।' अखिलेश यादव का यह बयान ऐसे समय आया है जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव होने हैं। अखिलेश यादव यूपी में अपनी सत्ता की वापसी को लेकर छोटे दलों के साथ ही किसानों को अपने साथ जोड़ने में लगे हुए हैं। इसी को देखते हुए अखिलेश ने एक बाद फिर बीजेपी की दुखती रग पर हाथ रखते हुए किसान आंदोलन में मरने वाले किसानों को शहीद बताते हुए उनके परिवारों को आर्थिक मदद दिए जाने की बात कही है।अखिलेश यादव ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि 'किसान का जीवन अनमोल होता है, क्योंकि वो 'अन्य' के जीवन के लिए 'अन्न' उगाता है। हम वचन देते हैं कि 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार आते ही किसान आंदोलन के शहीदों को 25 लाख की 'किसान शहादत सम्मान राशि' दी जाएगी।गौरतलब है कि तीन कृषि कानूनों के संसद से पास होते ही देशभर में किसान आंदोलित हो गए थे। दिल्ली बॉर्डर पर किसान सड़कों पर ही बैठे हैं। कई महीनों के किसान आंदोलन के दौरान कुछ किसानों की मौत की खबरें भी आती रही हैं। किसानों के लगातार विरोध के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में तीनों कृषि कानून वापस लेने का ऐलान करते हुए किसानों से आंदोलन समाप्त करने की अपील की है।

लेफ्टिनेंट जनरल सीपी मोहंती ने परम विशिष्ट सेवा पदक प्राप्त किया

दीपाली दे

उड़ियि पुत्र वाईस ऑफ आर्मी चीफ स्टाफ़ (VCOAS) लेफ्टिनेंट जनरल चंडी प्रसाद महांती ने मंगलवार को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद से प्रतिष्ठित परम विशिष्ट सेवा पदक प्राप्त किया ।राष्ट्रपति ने आज शाम राष्ट्रपति भवन में रक्षा अलंकरण समारोह में वीरता पुरस्कार प्रदान किए। कोविंद ने एक महावीर चक्र (मरणोपरांत), एक कीर्ति चक्र (मरणोपरांत), पांच वीर चक्र और छह शौर्य चक्र प्रदान किए ।इस अवसर पर सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर द्वारा कुल 14 परम विशिष्ट सेवा पदक, दो उत्तम युद्ध सेवा पदक और 23 अति विशिष्ट सेवा पदक भी दिए गए ।परम विशिष्ट सेवा मेडल (पीवीएसएम) को सबसे असाधारण क्रम की शांति-काल की सेवा के लिए सम्मानित किया जाता है ।राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून के पूर्व छात्र, राष्ट्रीय रक्षा एकेडमी, खडकवासला और भारतीय सैन्य एकेडमी , देहरादून के स्नातक, लेफ्टिनेंट जनरल महांती, एक इन्फैंट्री अधिकारी के रूप में, 12 जून 1982 को राजपूत रेजिमेंट में नियुक्त किए गए थे। उन्हें सेनाध्यक्ष में वाइस चीफ के रूप में 1 फरबरी,2021 को नियुक्त किया गया था।

'मेक इन इंडिया–प्लेइंग सेफ विद टॉयज' विषय पर वेबिनार का आयोजन

देवेंद्र कुमार जैन

नई दिल्ली। आजादी का अमृत महोत्सव प्रगतिशील भारत तथा भारतवासियों के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों के 75 वर्ष होने की याद में उत्सव मनाने के लिये भारत सरकार की एक पहल है ।भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) भी आजादी के अमृत महोत्सव @75 में हिस्सा ले रहा है तथा इस क्रम में वह विभिन्न विषयों पर संगोष्ठियों/वेबिनारों का आयोजन कर रहा है ।संगोष्ठियों/वेबिनारों की श्रृंखला के सिलसिले में भारतीय मानक ब्यूरो ने 23 नवंबर, 2021 को 'मेक इन इंडिया – प्लेइंग सेफ विद टॉयज' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया ।वेबिनार में खिलौना निर्माताओं; फिक्की, ऑल इंडिया टॉय मैनूफैक्चरर्स, टॉयज एसोसियेशन ऑफ इंडिया आदि जैसे उद्योग संघों; राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, विटी इंटरनेशनल स्कूल, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद - भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान जैसी संस्थाओं; टीयूवी, इंडियन रबर मैनूफैक्चरिंग रिसर्च एसोसियेशन, एसजीएस जैसी परीक्षण प्रयोगशालाओं तथा अन्य ने हिस्सा लिया ।वक्ताओं ने विभिन्न आयुवर्ग के बच्चों में खेल-खेल में खिलौनों से सीखने की क्षमता के विकास के बारे में उनकी डिजाइन की भूमिका, खिलौनों के सुरक्षा पक्षों तथा खिलौनों के परीक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला ।वेबिनार में बीआईएस द्वारा खिलौनों के मानकीकरण गतिविधियों, खिलौना सेक्टर के नियमन के महत्व, मेक इन इंडिया खिलौनों के निर्यात तथा खिलौना उद्योगों में हाल में हुई प्रगति/नवाचार पर भी चर्चा की गई।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित किया जाएगा

देवराम ठाकुर

पंचतीर्थप्रधानमंत्री श्री मोदी महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. अंबेडकर से जुड़े 5 स्थानों को घोषित करेंगे राष्ट्रीय धरोहरकार्यक्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लेने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्म स्थली पहुंचे कलेक्टर श्री मनीष सिंह।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य पर इंदौर के महू में स्थित संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की जन्म स्थली को 6 दिसम्बर 2021 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत डॉ. भीमराव अंबेडकर के

महापरिनिर्वाण दिवस पर पंचतीर्थ कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिसमे डॉ. अम्बेडकर से जुड़े देश के 5 स्थानों को प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जायेगा, जिसमे महू स्थित डॉ. अम्बेडकर की जन्म स्थली भी शामिल है। उक्त कार्यक्रम हेतु की जा रही तैयारियों का जायजा लेने के लिये कलेक्टर श्री मनीष सिंह बुधवार दोपहर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जन्म स्थली पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। कलेक्टर श्री मनीष सिंह ने बताया कि उनके द्वारा मध्यप्रदेश शासन के अनुसूचित जाति विकास विभाग के आयुक्त से जन्म स्थली को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संधारित करने के लिये आवश्यक राशि की स्वीकृति हेतु अनुरोध किया गया है। जन्म स्थली को राष्ट्रीय स्तर का रूप देने के लिये दो प्रकार की कार्ययोजना तैयार की गई है। जिसमे एक लघु समय में (6 दिसम्बर के पूर्व) तथा एक दीर्घ कालीन कार्ययोजना शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार पत्रकार प्रशांत तिवारी पर हमला करने वाले तीन बाइक सवार हमलावर बाइक समेत दबोचे गए

नूर मोहम्मद

आपको बता दे की रायबरेली जनपद से वापस घर लौटते समय बाइक सवार कुछ बदमाशो ने पत्रकार प्रशांत तिवारी पर फायरिंग कर जानलेवा हमला किया, जो की गोली पत्रकार प्रशांत तिवारी को न लगकर गाड़ी के पहिए के जा लगी, जिसकी रिपोर्ट प्रशांत तिवारी ने बिहार थाना में लिखवाई, जैसा की उत्तर प्रदेश की पुलिस अपने कर्तव्य के प्रति कितनी कर्मठ है ये उत्तर प्रदेश की जनता से छिपा नहीं है, पुलिस ने मामूली धाराये 504,506 के अन्तर्गत FIR लिख कर मामला रफा दफा करने के प्रयास में थी तभी भारतीय पत्रकार महासभा के प्रेद्श अध्यक्ष जैगम नकवी, राष्टीय महासचिव मोनू शर्मा, प्रदेश संगठन मंत्री सतीश बाजपेई प्रदेश उप सचिव राजीशोर वर्मा इटावा जिला अध्यक्ष अंशुल यादव मध्यप्रदेश प्रदेश उपाध्यक्ष अरशद अली, सभी के फोन प्रशासनिक पुलिस आला अधिकारियों के पास पहुंचने लगे और पत्रकार प्रशांत तिवारी की न्याय की आवाज उठने लगी, जिसका असर प्रशांत तिवारी की एफ आई आर जो मामूली धाराओं में लिखी गई थी उसको तत्काल परिवर्तन कर धारा 504,506 व 307 आईपीसी के अंतर्गत लिख तुरंत छानबीन कर 3 अभियुक्तों को बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया।

इंदौर में सहारा ग्रुप से जुड़े फील्ड के लोग आंदोलित दिखे तथा सेबी के खिलाफ पैदल मार्च भी किया

राजेंद्र योगी

दरअसल उनका कहना है कि आम निवेशकों द्वारा सहारा ग्रुप पर तमाम सवाल उठाकर अलग - अलग स्थानों पर शिकायतें दर्ज की जा रही है जबकि इसमें सहारा ग्रुप नही बल्कि सेबी दोषी है। इंदौर मध्यप्रदेश के सहारा ग्रुप के हजारो कार्यकर्ता सेबी के विरोध में दशहरा मैदान पर तख्तियां लेकर विरोध करने उतरे! ग्रुप के मंडल कार्यालय के राजेंद्र सक्सेना ने बताया कि पिछले 7-8 वर्ष से सहारा और सेबी बीच चल रहे विवाद के बाद उच्चतम न्यायालय के द्वारा दिये गये निर्णय अनुसार सहारा को अभी तक मय ब्याज 24,000 करोड़ सहारा-सेवी एस्क्रो एकाउन्ट में जमा करना पड़ा! जबकि सहारा के द्वारा समस्त सम्मानित निवेशकों का भुगतान अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से पूर्व में ही किया जा चुका है। वहीँ वर्तमान में उच्चतम न्यायलय द्वारा लगाये गये एम्बार्गों की वजह से जहां एक और सहारा परिवार के सम्मानित निवेशक अपना भुगतान न मिलने की वजह से परेशान है, वहीं देशभर में 10 लाख से ज्यादा ऑफिस एवं फील्ड के कायकर्ता भी लाभांश न मिलने के कारण दयनीय स्थिति में आ गये हैं। इंदौर में बडी संख्या में पहुंचे सहारा ग्रुप से जुड़े सदस्यों ने न सिर्फ विरोध किया बल्कि प्रतीकात्मक तौर पर सेबी के खिलाफ पैदल मार्च भी किया।

ग्रामीण चौपालों और स्कूल पर मिले जातिसूचक शब्द पर हरियाणा मानवाधिकार आयोग सख्त

शुशील कुमार

बीते दिनों पहले ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के जिला फतेहाबाद सदस्य सुशील कुमार (धारणिया) ने उक्त मामले को लेकर मुख्यमंत्री सचिव हरियाणा सरकार ,पंचायत विभाग निर्देशक हरियाणा सरकार, जिला सत्रीय अधिकारियों के संज्ञन में जाति विशेष से संबंधित मजाक ना बनाने का मामला संज्ञन में दिया था।लेकिन उसके बाद बात बनती दिखाई नही दी तो सुशील कुमार (एक्टिविस्ट मानवधिकार)ने हरियाणा मानवाधिकार आयोग को इस विषय बारे लिखित में पत्र संबंधित प्रतियों सहित दिया तो आयोग के माननीय जस्टिस के सी पूरी ने तुरंत प्रभाव से आदेश पत्र क्रमांक 2146/2021को जारी करते हुए सामाजिक न्याय एवम आधिकारिक विभाग हरियाणा सरकार को छह सप्ताह में जाति विशेष से संबंधित नाम सरकारी दस्तावेजों और चौपालो से हटाने के निर्देश दिए है।और आदेश पत्र में बताया की जाति विशेष से संबंधित इस शब्द का प्रयोग करने की इजाजत माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार प्रतिबंधित है।

प्रदेश का प्रथम विद्यालय जहां शिक्षा की हर सुविधा उपलब्ध: परमार प्रतीक देशमुख

मप्र का प्रथम विद्यालय जहां शिक्षा की संपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह बात प्रदेश राज्यमंत्री इंदरसिंह परमार ने मंगलवार को सीएम राईज योजना अंतर्गत शाउमावि गुलाना में पाठ्य पुस्तक निगम के सहयोग से 2499.98 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाले नवीन विद्यालय भवन का भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान कही। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अम्बाराम कराड़ा, दिनेश शर्मा, विजय बैस, वीरेन्द्र पाटीदार, बाबुलाल हावड़िया, सुरजसिंह सिसोदिया, मोहनसिंह, हेमराज सिसोदिया, प्रकाश मेवाड़ा, लोक शिक्षण संचालनालय के अपर संचालक डीएस कुशवाह, संयुक्त संचालक उज्जैन आरके सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अभिलाष चतुर्वेदी, तहसीलदार राजाराम करजरे आदि मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री श्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का संकल्प है कि आने वाले समय में हम मध्यप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में अमूल-चूल परिवर्तन करेंगे। जिसके प्रथम प्रयास की शुरुआत आज विधानसभा शुजालपुर के गुलाना के सीएम राईज स्कूल जो कि मप्र पाठ्यपुस्तक निगम के सहयोग से निर्मित होगा के भूमिपूजन से कर रहे है।

जमकर चल रहा फर्जी आधार कार्ड बनाने का अवैध धंधा, जिम्मेदार मौन

एनसीआर समार

बदायूं। नगर की जनता को गुमराह कर रहे हैं स्टेट बैंक रोड पर आधार कार्ड के लिए बताते चलें नगर में आधार कार्ड का अवैध धंधा जोर पकड़ता जा रहा है जो स्टेट बैंक रोड पर लगातार हो रहा है नाम संशोधन हो या नया आधार कार्ड हो उस पर 500 से 1000 रुपए तक वसूले जा रहे हैं जो एक चिंताजनक विषय बना हुआ है जबकि शासन द्वारा निर्धारित फीस मात्र फीस मात्र ₹50 प्रति आधार कार्ड है उसके बावजूद नगर के अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं लोगों का कहना है कि हम मजबूर होकर अपने आधार कार्ड ओं में संशोधन आदि नए कार्ड बनवा रहे हैं लेकिन जो लोग स्टेट बैंक रोड पर बैठे हैं वह हमसे ₹500 से लेकर हजार रुपए तक वसूली कर रहे हैं जबकि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित फीस मात्र 50 है अब सवाल उठता है इस पर कौन-कौन सा अधिकारी इनको सलाह दे रहा है।

इस अवसर पर एक मुशायरे का भी आयोजन किया गया

सपा के वरिष्ठ नेता नईम उल हसन ने मनाया मुलायम सिंह का 83 वां जन्मदिन

अज़ीम खान

सहसवान। बदायूं के सहसवान में समाजवादी के वरिष्ठ नेता नईम उल हसन उर्फ लड्डन मियां ने अपने प्रतिष्ठान हसन फिलिंग स्टेशन पर बड़े ही धूमधाम से अपने प्यारे नेता माननीय मुलायम सिंह यादव जी का 83 वां जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्होंने एक मुशायरे का भी आयोजन कराया जिसमें बाहर से भी शायर तशरीफ़ लाये जिसमें हिंदुस्तान की शान हाशिम फिरोजाबादी भी तशरीफ लाए उन्होंने मुलायम सिंह जी की याद में बहुत ही खूबसूरत आश आर पेश किए और इसी के साथ बदायूं से असरार अहमद मुज़तर जो कि राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक भी है तशरीफ लाए और क़ासिर सहसवानी और अहमद अमजदी बदायूनी भी तशरीफ लाए। प्रोग्राम का संचालन क़ासिर सहसवानी ने किया इसी के साथ सभी ने बहुत ही खूबसूरत तरीके से माननीय मुलायम सिंह जी की के जन्मदिन के मौके पर एक से एक बढ़कर खूबसूरत अशआर पेश किए और लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। प्रोग्राम में जोश देखने के लायक था इस जन्मदिन के मौके पर लड्डन मिया ने पूर्व ब्लाक प्रमुख शिवनारायण के हाथों से केक कटवा कर मुलायम सिंह यादव की लंबी उम्र की कामना की और लड्डन मियां ने कहा के मैंने एक सच्चे सिपाही की तरह समाजवादी पार्टी में काम किया है। पार्टी का जो भी आदेश होगा वही माना जाएगा, अखिलेश यादव जी जिससे भी टिकट दें हम सबको मिलकर उसी को जिताना है। उन्होंने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की विजय रथ यात्रा में भीड़ को देखकर भारतीय जनता पार्टी की नींद हराम हो चुकी हैं और उन्हें आने वाला 2022 का चुनाव खिसकता नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें 300 प्लस सीटों का लक्ष्य लेकर चलना है मुझे उम्मीद ही नहीं पूरा विश्वास है के हम 2022 में 300 सीटों का लक्ष्य पार करके एक पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने जा रहे हैं इसी के साथ लड्डन मियां ने सहसवान अस्पताल में मरीजों के लिए फल वितरित किए और अपने प्रतिष्ठान हसन फिलिंग स्टेशन पर गरीब लोगों को राशन के पैकेट वा कंबल व खाने के पैकेट बाटे।

श्री सत्य साईं के जन्मदिन पर बरेली में किया गया रक्तदान

अंसार खान

श्री सत्य साईं बाबा जी के 96 वे जन्मदिन के उपलक्ष में आज सिविल अस्पताल बरेली में श्री सत्य साईं सेवा संगठन जिला रायसेन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिला रायसेन के समस्त क्षेत्र से 29 रक्त दाताओं ने अपना रक्तदान कर किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन दान हेतु अपना रक्त दान किया। रक्तदान शिविर में संपूर्ण रायसेन जिले के सेवादल का अथक प्रयास रहा, जिन्होंने पूर्ण सुसज्जित तरीके से कार्य का शुभारंभ करा कर रक्तदान कार्य को संपन्न किया। रक्तदान शिविर में क्षेत्रीय विधायक श्री देवेंद्र सिंह पटेल पूर्व विधायक श्री रामकिशन पटेल, श्री भगवान सिंह राजपूत, बाबूलाल चौधरी वरिष्ठ समाज सेवी, कमलेश उपाध्याय, पूर्व विधायक, विशेष सहयोगी चौ.भूपेंद्र सिंह संयोजक राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण मंच भारत जिन्होंने 14 वी बार रक्त दान किया, हुकम सिंह ठाकुर, मकरन सिंह पटेल जनपद अध्यक्ष शेर सिंह राजपूत ग्राम स्र्रा, नन्दकिशोर रघुवंशी, विधायक प्रतिनिधि मुकेश भण्डारी, राजेश उपाध्याय, सहाब सिंह धाकड़ सक्सेना जी राजोर अश्विन रघु आदि क्षेत्रीय प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। श्री सत्य साईं बाबाजी के संदेश मानव सेवा ही माधव सेवा है को लेकर संगठन के सेवा दलों ने इस आयोजन को अंजाम दिया, जिसमें जरूरतमंद मरीजों को तुरंत ब्लड मिल सके इस हेतु रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान के उपरांत हॉस्पिटल सेवा में हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों एवं कुपोषित बच्चों को फल बिस्किट और जूस बांटकर हॉस्पिटल सेवा की गई।

45 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मिली सफलता देवास मीठा तालाब में डूबे युवक का शव बरामद

राजेंद्र योगी

देवास। आखिरकार 3 दिन से सतत प्रयासों के रहते मीठा तालाब में नहाने गए युवक जितेंद्र पिता जगदीश अवचर डूब गया था, रविवार और सोमवार को पुलिस व होमगार्ड टीम तेराको की मदद से रेस्क्यू किया गया। तलाव में सभी दूर कड़ी मेहनत करते हुए खोजा गया लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी सोमवार को शाम तक जितेंद्र का शव नहीं मिल पाया। नाहर दरवाजा थाना प्रभारी श्री लोकेंद्र व्यास जी ने बताया रविवार और सोमवार से सतत टीम द्वारा रेस्क्यू किया जा रहा है लेकिन आज सोमवार शाम तक भी युवक की बॉडी नहीं मिल पाई है, गोताखोरों व तेराको की मदद से रेस्क्यू जारी है, उक्त युवक अपने चाचा के साथ इटावा देवास में रहता है तथा युवक शादीशुदा है उसके दो बच्चे हैं मूलतः निवासी झाबुआ का रहने वाला है, रविवार को मछली लेने आए थे, तालाब के पास तब युवक जितेंद्र पानी में नहाने उतरा गहरे पानी में जाने से वह डूब गय। तीसरे दिन मंगलवार को सुबह से ही युवक को खोजने के लिए होमगार्ड और गोताखोरों की टीम द्वारा रेस्क्यू किया गया, तथा तालाब में मछली के महाजाल झाड़ियों के आसपास लगाए गए फंदे में युवक का शव फंसा हुआ मिला दोपहर 12:00 बजे के बाद उक्त शव जितेंद्र पिता जगदीश अवचर उम्र 24 वर्ष निवासी इटावा का शव पानी से बाहर निकाला तथा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया तथा मामले को जांच में लिया। पानी में डूबे युवक जितेंद्र का शव पोस्टमार्टम के पश्चात परिवार जनों को सौंप दिया।

ईमानदारी की मिसाल पेश करने वाले युवक का पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मान

प्रत्येक देशमुख

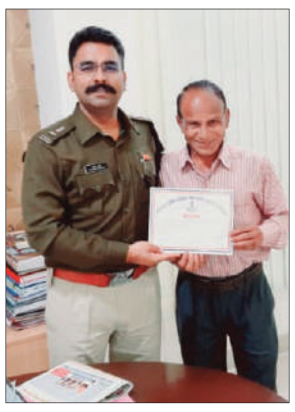

राजगढ़। राजगढ़ में कलेक्ट्रेट के सामने आवेदन लेखक का काम करने वाले सतीश कुमार शर्मा निवासी राजगढ़ ने इमानदारी की मिसाल पेश की राजगढ़ नगर के टीचर सतीश भार्गव की पुत्री का पर्स लौटाया है, निश्चित रूप से किया गया यह कार्य सराहनीय है। जानकारी के अनुसार राजगढ़ निवासरत सतीश शर्मा को बुधवार के दिन कलेक्ट्रेट के सामने से आवेदन लेखक का कार्य करके लौटते समय रास्ते में सतीश भार्गव की पुत्री का पर्स मिला इसमें ₹5000/- नगद, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज थे सतीश कुमार शर्मा ने पर्स देखकर वोटर आईडी पर नाम व पता पढ़कर थाना कोतवाली राजगढ़ में जाकर जमा कर दिया था, जिस पर से कोतवाली राजगढ़ में सतीश भार्गव व उनके छोटे भाई नितिन भार्गव को बुलाकर स्टाफ ओर मेरे सामने ही सौंप दिया था। सतीश भार्गव को लौटा कर ईमानदारी की मिसाल पेश की। सतीश शर्मा की इमानदारी पर नगर के लोगों ने उनकी प्रशंसा की। सतीश शर्मा के द्वारा किए गए सराहनीय कर्तव्य के फल स्वरुप पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उक्त व्यक्ति सतीश शर्मा को पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा (भापुसे) के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया वही सम्मान पाकर सतीश शर्मा के चेहरे पर सुकून भरी मुस्कुराहट आ गई। सराहनीय कार्य करने वालों का सम्मान करने से निश्चित रूप से दूसरे लोगों में भी सकारात्मकता का संदेश जाएगा साथ ही वे लोगों की मदद करने में सर्वथा अग्रसर रहेंगे।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। श्मीर के हैदरपुरा में भारतीय सैन्य बल द्वारा आम नागरिकों की हत्या के ख़िलाफ़ कई प्रगतिशील जनसंगठनों की संयुक्त अगुवाई में आज दिन में जन्तर-मन्तर पर हो रहे प्रदर्शन के शुरू होने से पहले ही दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन करने आए छात्रों-नौजवानों को हिरासत में ले लिया। इन प्रदर्शनकारियों को पुलिस मंदिर मार्ग थाने, नई दिल्ली लेकर आई और लगभग 8 घण्टे तक हिरासत में रखा गया। बिगुल मज़दूर दस्ता के सनी ने बताया कि पिछले लम्बे समय से राजसत्ता व फ़ासिस्ट मोदी सरकार द्वारा कश्मीरियों पर दमन व राजकीय हिंसा का सिलसिला बदस्तूर जारी है। ज्ञात हो कि बीते 15 नवंबर को श्रीनगर के हैदरपुरा इलाके में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान चार लोगों की मौत हो गयी जिसमें दो लोगो को ₹आतंकवादी₹ बताया जा रहा है। इनमें से एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के मालिक मोहम्मद अल्ताफ भट्ट और दूसरे दंत चिकित्सक डॉ. मुद्दसिर गुल शामिल हैं। पुलिस ने दोनों को ₹आतंकियों₹ का सहयोगी होने का दावा किया है, जबकि इनके परिवारों का आरोप है कि सुरक्षा बलों ने इनका इस्तेमाल 'मानव ढाल' के तौर पर किया। ज्ञात हो इससे पहले भी फ़ारुख़ अहमद दर नाम के कश्मीरी को भारतीय सेना ने गाड़ी से बांध कर एक 'मानव ढाल' के तौर पर इस्तेमाल किया था। इस घटना के बाद मारे गए लोगों के परिवार वालों को इस राजकीय दहशतगर्दी के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाने पर लगातार प्रताड़ति किया जा रहा है और उन्हें इसके ख़िलाफ़ प्रदर्शन करने से भी रोका जा रहा है। नौजवान भारत सभा से योगेश ने कहा कि इस तरह की यह कोई पहली घटना नहीं है। आए-दिन एनकाउंटर में कश्मीरी नागरिकों को ₹आतंकवादी₹ बता कर मारा जाता है। अगर आँकड़ों की बात करें तो जनवरी 1989 से लेकर मार्च 31, 2016 तक करीब 94,332 कश्मीरियों की हत्या की गयी है जिसमें 7,043 हत्याएँ हिरासत में हुई हैं। एक लाख से अधिक कश्मीरी जेल की सलाखों के पीछे हैं। दस हज़ार से अधिक महिलाओं का सेना द्वारा बलात्कार किया गया है। कई रिपोर्टें और अदालतों में दाख़लि दस्तावेज़ इसकी पुष्टि करते हैं। साथ ही कश्मीरियों की दैनिक गतिविधि में राज्यसत्ता लगातार हस्तक्षेप करती रही है।

विद्युत विभाग में बिल निकालने वाले कर रहे जनता को गुमराह

एनसीआर समाचार

सहसवान। आखिर किस का संरक्षण प्राप्त है इन बिल निकालने वालों को वही भोली भाली जनता को बेवकूफ बनाने का काम जमकर कर रहे हैं विद्युत बिल निकालने वाले कर्मचारी जहां पांच पांच महीने तक बिल को नहीं निकालने पहुंचते यह कर्मचारी जिससे बिल अधिक हो जाने के कारण लोगों को बिल को भरने में काफी समस्या खड़ी हो जाती है ऐसा ही मामला नगर के मोहल्ला मुहीउद्दीनपुर का है जहां बिल निकाल ने वाला पांच 5 महीने तक बिल को निकालने तक नहीं पहुंचता कहता है मेरा कौन क्या कर लेगा मैं नहीं निकलता बिल तब विद्युत विभाग के कर्मचारी ही ऐसे लोगों पर मेहरबान हो तो इनका कोई कर भी क्या सकता है वहीं इनके द्वारा गैर पढ़ी लिखी जनता को भी जमकर बेवकूफ बनाकर पैसे ऐंठने का काम किया जाता है कि तुम्हारे मीटर की रीडिंग ज्यादा है इसको कम कर दिया जाएगा अगर बिल नहीं भरोगे तो लाइन काट दी जाएगी वही भोली-भाली जनता इनकी बातों में आकर पैसे दे देती है यह बिल निकालने वाले कभी-कभी तो एसडीओ व जेई भी बन जाते हैं बलाल इनके द्वारा जमकर भ्रष्टाचार फैलाया जा रहा है जिससे विद्युत विभाग की जमकर फजीहत होती दिखाई दे रही है डीएम साहिबा एक नजर ऐसे लापरवाह विद्युत विभाग में काम करने वाले लोगों की तरफ भी डाल लिजिए जिससे शासन व प्रशासन की फजीहत होने से बच सकें।

बैठक — **मंत्री बृजेश पाठक, महासचिव सुनील तिवारी हुए सम्मिलित**

उप्र वालीबॉल एसोसिएशन की साधारण सभा की बैठक का किया आयोजन

नूर मोहम्मद शेख

लखनऊ। सैयद मेहज़र अब्बास जैदी विशेष कवरेज के अनुसार आज लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्पोर्ट्स स्टेडियम के विशाल सभागार में उत्तर प्रदेश वालीबॉल एसोसिएशन के साधारण सभा की बैठक उत्तर प्रदेश सरकार के कानून न्याय मंत्री एवं यूपी वालीबॉल एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष लोकप्रिय जन नेता श्री बृजेश पाठक की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में उत्तर प्रदेश वालीबॉल एसोसिएशन के प्रांतीय अवैतनिक महासचिव श्री सुनील कुमार तिवारी एवं प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री बीएन मिश्रा सहित वालीबाल के बहुत से दिग्गज सम्मिलित हुए एवं कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए साधारण सभा की बैठक की कार्यवाही का संचालन मऊ के सचिव श्री प्रमोद राय द्वारा सफलतापूर्वक किया गया इस अवसर पर उत्तर प्रदेश वालीबॉल एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री श्री बृजेश पाठक के सम्मुख प्रदेशभर से पधारे जिला सचिव एवं जिला अध्यक्षों ने बहुत सारे मांग पत्र के अध्यक्ष महोदय के सम्मुख रखें जिन्हें प्रदेश अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री बृजेश पाठक ने स्वीकार करते हुए कहा कि जिस प्रकार पूरे देश में एवं प्रदेश में क्रिकेट सहित अन्य खेलों का तेजी के साथ विकास हो रहा है।

पूरे भारत में इसी प्रकार वालीबॉल का भी विकास किया जाएगा एवं शीघ्र ही लखनऊ में वालीबाल का ऑल इंडिया टूर्नामेंट कराया जाएगा जिसमें बड़ी प्राइज मनी देकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया जाएगा ताकि वालीबाल को और अधिक बढ़ावा मिल सके प्रदेश अध्यक्ष श्री बृजेश पाठक ने इस बार जनपद मऊ में आयोजित की जा रही सीनियर स्टेट महिला एवं पुरुष वालीबाल प्रतियोगिता के आयोजन सचिव एवं आयोजन अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मऊ की सीनियर स्टेट बहुत ही सफलतापूर्वक संपन्न की जाएगी इसके अलावा माननीय मंत्री श्री बृजेश पाठक ने अन्य कई सुझाव भी दिए और कहा कि हर हालत में उत्तर प्रदेश में वालीबाल का चहुमुखी विकास किया जाना है इस अवसर पर उत्तर प्रदेश वालीबॉल एसोसिएशन के प्रांतीय अवैतनिक महासचिव श्री सुनील कुमार तिवारी एवं प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री बीएन मिश्रा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से बैठक में पधारे वालीबाल संघों के सचिव एवं अध्यक्षों ने पुष्प मालाएं पहनाकर मुख्य अतिथि माननीय कानून एवं न्याय मंत्री प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश वालीबाल संघ श्री बृजेश पाठक का ऐतिहासिक स्वागत किया और एक विशालकाय पुष्पमाला भी प्रदेश अध्यक्ष श्री बृजेश पाठक जी को प्रदान की गई एवं उनका भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर अपने प्रभावी भाषण में बोलते हुए उत्तर प्रदेश वालीबाल के प्रांतीय अवैतनिक महासचिव श्री सुनील कुमार तिवारी ने सीधे तौर पर कहा कि अब सब मामला साफ हो गया है अब तो वालीबाल का विकास माननीय मंत्री श्री बृजेश पाठक जी के संरक्षण में नेतृत्व में मार्गदर्शन में किया जाना है श्री सुनील कुमार तिवारी ने कई प्रस्ताव श्री बृजेश पाठक जी के सम्मुख रखें जिन्हें श्री बृजेश पाठक जी ने स्वीकार करते हुए पास कर दिया सभी प्रस्ताव साधारण सभा की बैठक में ध्वनिमत से पास हो गए इस अवसर पर श्री सुनील कुमार तिवारी एवं श्री बीएन मिश्रा के प्रस्ताव की खेल निदेशालय द्वारा आयोजित कराए जाने वाली प्राइज मनी वालीबाल प्रतियोगिता का नाम डॉ एन डी शर्मा के नाम से रखा जाए सभी ने स्वीकार किया और ध्वनिमत से पारित किया अंत में इस प्रस्ताव को जोरदार तरीके से प्रदेश अध्यक्ष श्री बृजेश पाठक ने स्वीकृति प्रदान की इस अवसर पर वॉलीबॉल के सभी दिग्गजों खिलाड़ियों पदाधिकारियों ने पुष्प मालाएं पहनाकर अपने हर दिल अजीज प्रदेश अध्यक्ष श्री बृजेश पाठक का ऐतिहासिक अभिनंदन किया।

इस अवसर पर एक भव्य दोपहर भोज का भी आयोजन किया गया यहां पर मोहल्ला बिल्लौचपुरा के युवा नेता मोहम्मद सेफ कुरेशी ज्वेलर्स पत्रकार ने मंत्री श्री बृजेश पाठक जी से अनुरोध किया कि उनके स्वागत की तैयारियां तुड़ीयागंज एवं बिलोचपुरा में की जा रही हैं इस बात के लिए मंत्री जी ने कहा कि लिखित में समय ले लीजिए वह जरूर आएंगे कुल मिलाकर केडी सिंह बाबू स्पोर्ट्स स्टेडियम में उत्तर प्रदेश वॉलीबॉल एसोसिएशन की साधारण सभा की बैठक ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न हुई।

संक्षिप्त समाचार

अहिरवार समाज संघ द्वारा आयोजित रोजगार बैठक संपन्न

अंसार खान

शिक्षित बेरोजगारों की समस्या को देखते हुए अहिरवार समाज संघ के राष्ट्रिय सचिव व प्रभारी मध्य प्रदेश आदरणीय हनुमत सिंह बौद्ध जी ने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मंडीदीप की प्रबंधक श्रीमती अल्पना महावर जी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मानीय बौद्ध जी द्वारा की गई।रोजगार बैठक में विभिन्न ग्रामों से शिक्षित बेरोजगार आए। बैठक में विशेष रुप से उपस्थित अहिरवार समाज संघ के जिला उपाध्यक्ष श्री संतोष चौधरी पिपरिया , बरेली तहसील संरक्षक श्री राम सिंह नोनेरिया बरेली , रायसेन जिला महासचिव श्री मंगल सिंह चौधरी बाघ पिपरिया, श्री भागचंद जी उईके राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय वनवासी समाज भारत, मोहन सिंह जीरावाडा लक्ष्मीनारायण छवारा, दिनेश कुमार राजकुमार नरवरिया सतरावन ,अभिषेक नोनिया बरेली संजू अहिरवार महेश्वर पप्पू अहिरवार महेश्वर, पोहप सिंह नोनेरिया बरेली, राजाराम अहिरवार धोखेड़ा, अशोक सूर्यवंशी बरेली, डालचंद कामतौन रामाधार धूम खेड़ा प्रमोद चौधरी आदि पदाधिकारी व शिक्षित बेरोजगार उपस्थित हुए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मंडीदीप से आयी प्रबंधक श्रीमती अल्पना महावर जी ने सभी वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों के लिए विभिन्न प्रकार के उद्योग धंधे लगाने या रोजगार स्थापित करने के लिए 10,000 से लेकर 2 करोड़ तक के ऋण उपलब्ध कराने के लिए युवाओं को प्रेरित किया तथा तथा बैंक से लोन उपलब्ध कराने की भी बात कही .अंत में अध्यक्षीय भाषण में श्री बौद्ध जी ने कहा कि निजीकरण के दौर में सभ को प्रशिक्षित होकर अपने निजी रोजगार डालना चाहिए और परिवार के साथ साथ राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे।

नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण अधिकाधिक निराकरण का लक्ष्य

एनसीआर समाचार

भोपाल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल द्वारा 11 दिसम्बर 2021 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के संबंध में मंगलवार को जिला न्यायालय सभा कक्ष में बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल श्रीमती गिरिबाला सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल श्री एस.पी.एस बुन्देला, नेशनल लोक अदालत के प्रभारी न्यायाधीश श्री धर्मेन्द्र टाडा, बीमा कंपनी के प्रभारी न्यायाधीश श्री सुशील चौहान, न्यायाधीश श्री सुरेश सूर्यवंशी, न्यायाधीश श्री अजय टेलर एवं बीमा कंपनी के अधिकारीगण, बीमा कंपनी के अधिवक्तागण एवं क्लेमेट अधिवक्तागण एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी भोपाल मौजूद रहे। बैठक में न्यायालय में लंबित मोटर दुर्घटना के अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के संबंध में चर्चा की गई।

संभागीय सेनानी ने होमगार्ड लाइन उज्जैन का वार्षिक निरीक्षण किया

एनसीआर समाचार

उज्जैन। मंगलवार को डिवीजनल कमांडेंट होमगार्ड श्रीमती प्रीतिबाला सिंह ने जिला कार्यालय होमगार्ड का वार्षिक निरीक्षण किया। मंगलवार को सुबह लांस नायक द्वारा उन्हें 1-4 की सम्मान गार्ड से सलामी दी गई। इसके पश्चात डिवीजनल कमांडेंट ने परेड की रिपोर्ट देखी और निरीक्षण वाहन के माध्यम से परेड में लगे सात प्लाटूनों का निरीक्षण किया। परेड निरीक्षण उपरान्त परेड मार्च की कार्यवाही की गई।परेड समाप्ति के उपरान्त 150 जवानों का किट निरीक्षण किया गया। परेड के दौरान प्लाटून कमांडर श्रीमती शीला चौधरी ने एसडीआरएफ प्लाटून का नेतृत्व किया। इस दौरान प्लाटून में प्लाटून कमांडर श्री पुष्पेंद्र त्यागी, सुश्री हेमलता पाटीदार, एएसआई श्री भेरूलाल सारेल एवं 140 जवान परेड में सम्मिलित रहे।परेड के पश्चात संभागीय सेनानी द्वारा सैनिकों का सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य जवानों की समस्याओं से अवगत होना और उनका समाधान करना था। समस्त मांगों को संभागीय सेनानी द्वारा गंभीरतापूर्वक सुना गया और जवानों को आश्वस्त किया गया कि मुख्यालय एवं प्रशासन स्तर पर शीघ्र-अतिशीघ्र समस्याओं का निराकरण किया जायेगा।

पाली में खण्ड स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

दयावान

रेवाड़ी। नेहरू युवा केंद्र रेवाड़ी के निर्देशानुसार राजकीय महिला महाविद्यालय पाली में खण्ड स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें खण्ड खोल से छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सोनिया शर्मा ,द्वितीय स्थान पर निकिता व तृतीय स्थान पर संयुक्त रुप से नलिनी व रवीना रही ।सीनियर एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर करण सिंह यादव ने विजेता छात्राओं को अलंकृत कर बधाई दी तथा छात्राओं को देशभक्ति के अलग-अलग मायने बताए । कार्यक्रम के उपरांत प्राचार्य सत्य मन्नू यादव ,स्टाफ सदस्य ,निर्णायक मंडल के सभी छात्र छात्राओं ने जल संरक्षण की शपथ ली । इसमें उन्होंने जल को बचाने व सुरक्षित करने कि अपने स्तर से शुरुआत की और उन्होंने कहा कि हम जल संरक्षण के सच्चे सजग पोषक प्रहरी बनेंगे। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस इंचार्ज सीमा रानी ,डॉ ज्योति यादव , नीलू , प्रमोद कुमार, अंशु ,रोशनी, रवि कुमार, डॉ योगिता ,डॉ सुजान सिंह , हवासिंह , रितु, विनीता , संदीप कुमार , नेहरू युवा केंद्र से राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक यतिन कुमार,वीरपाल मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने क्या एलान

पातालपानी रेलवे स्टेशन का नाम अब बदल जायेगा

देवेंद्र कुमार जैन

भोपाल। पातालपानी रेलवे स्टेशन का नाम अब बदल जायेगा अमर क्रांतिकारी टंट्या भील पर होगा मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 4 दिसंबर को अमर क्रांतिकारी टंट्या भील को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के उद्देश्य से पातालपानी में भव्य कार्यक्रम किया जाएगा। टंट्या मामा ने शोषण के विरुद्ध लड़ाई लड़ी और भारत माता को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त करने के लिए स्वयं का बलिदान कर दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि टंट्या भील की स्मृति को अक्षुण रखने के लिए पातालपानी रेलवे स्टेशन का नाम अमर क्रांतिकारी टंट्या भील रेलवे स्टेशन करने का प्रस्ताव केन्द्र शासन को तत्काल भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक के पूर्व अपने संबोधन में यह बात कही। मंत्रि-परिषद की बैठक वंदे-मातरम गायन के साथ आरंभ हुई।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वीर टंट्या भील को जबलपुर जेल में फाँसी दी गई थी। उनका अंतिम संस्कार महू के पास पातालपानी में हुआ था। वे हमारे पूज्यनीय हैं। राज्य सरकार ने तय किया है कि पूरे सम्मान के साथ उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाएंगे। टंट्या मामा का जन्म खण्डवा जिले में पंधाना के पास बड़ोदा अहीर गाँव में हुआ था। बड़ोदा अहीर की मिट्टी कलश में लेकर यात्रा आरंभ होगी। इसी प्रकार एक यात्रा सैलाना से भी आरंभ होगी। यह यात्राएँ 3 दिसम्बर को धार में आकर मिलेंगी और 4 दिसम्बर को पातालपानी पहुँचेंगी।

यात्रा खण्डवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, देवास, उज्जैन, रतलाम, इंदौर जिलों से गुजरेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इन जिलों के प्रभारी मंत्री, जिलों के कलेक्टर और विभिन्न संगठनों से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि "शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले-वतन पर मिटने वालों का यही बाकी निशां होगा" पंक्ति कार्यक्रम के लिए प्रेरणा-स्त्रोत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आजादी-75 वें वर्ष में सभी शहीदों और अमर क्रांतिकारियों को याद करने और उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के भाव के अनुरूप यह कार्यक्रम किया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री अटल बिहारी वाजपेई का जन्म-दिवस 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। अतः 25 दिसंबर से 26 जनवरी तक प्रदेश में विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। जन-सामान्य के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं में उन्हें मिल रहे हितलाभ और सुविधाएँ प्रत्येक व्यक्ति को सरलता से मिलें, इसमें कोई परेशानी न आए, यह सुनिश्चित करना अभियान का उद्देश्य होगा। जो हितलाभ और सुविधाएँ जिस विभाग की हों, वे विभाग समीक्षा कर लें। हितग्राहियों तक सुविधाएँ सरलता से पहुँचाने में यदि किसी प्रकार के सुधार की आवश्यकता हो तो ऐसे सुधारों का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी प्रभारी मंत्री अपने-अपने जिलों में चल रहे अधोसंरचना संबंधी बड़े कामों की 25 दिसंबर से पहले एक बार समीक्षा आवश्यक रूप से कर लें।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 24 नवम्बर को पुनः टीकाकरण महाअभियान है। कोरोना से संबंधित सभी प्रतिबंध राज्य सरकार द्वारा समाप्त कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि कल हुए कोरोना टेस्ट में प्रदेश में 12 केस पॉजीटिव आए हैं। बारह केस अधिक नहीं है, पर यह संख्या इकाई से दहाई में आई है। कुल 12 लोग ठीक भी हुए हैं। प्रदेश में लगभग 90 एक्टिव केस हैं। अतः टीकाकरण आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेशवासियों का यह कर्त्तव्य है कि वे कोरोना का टीका लगवाएँ। सरकारी कर्मचारियों के साथ कॉलेज, स्कूल, हॉस्टल में टीकाकरण अनिवार्य कर दिया गया है।

पानी गांव दूरियां में तेंदुए ने मचाया आतंक

ग्रामीण दहशत में, वन विभाग की टीम ने किया रेस्क्यू

राजेंद्र योगी

देवास। जिले के पानी गांव दूरियां ग्राम में तेंदुए ने मचाया आतंक ग्रामीण दहशत में वन विभाग की टीम ने किया रेस्क्यू तेंदुआ को किया पिंजरे में बंद देवास जिले के क्षेत्र पानीगांव ग्राम थुरिया मे एक तेंदुआ खेत मे बने टप्पर मे घुस गया,ग्रामीण खेत में जाने से डर रहे थे,वनविभाग टीम ने बड़ी मसक्कत कर तेंदुआ को सफलतापूर्वक पकड़ा और जंगल में छोड़ा गया।वहीं वन परिक्षेत्र अधिकारी डीएस चौहान द्वारा बताया गया कि बीट गार्ड इंदरसिंह द्वारा सूचना दी गई कि ग्राम थुरिया कृषक धारा सिंह के खेत के टप्पर में एक तेंदुआ आकर भूसे के कमरे में बैठा है,गांव के लोग इकट्ठे हो गए हैं,खेत में जाने से डर रहे हैं । सूचना पर देवास रेस्क्यू टीम एवं वन क्षेत्र पानीगांव के स्टॉप के संयुक्त अभियान में तेंदुआ को

टप्पर में जाल डालकर पकड़ने का प्रयास किया गया लेकिन जाल फाड़ कर भाग गया व आगे जाकर सीताराम पटेल के खेत के नाले में जाकर बैठ गया कर्मचारियों द्वारा पीछा कर पुनः जाल फेंक कर तेंदुआ को पकड़ा,पकड़ने के बाद पिंजरा बंदकर जंगल में छोड़ा गया। वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा बताया गया कि ग्रामीणों द्वारा खेत में रात्रि को पानी सिंचाई करते हैं जिसके कारण काफी भय एवं रोष व्याप्त था ग्रामीणों के रोष को देखते हुए तेंदुआ को बगैर ट्रेंकुलाइज किए जाल से जिंदा पकड़ कर पिंजरे में डाला गया,सरपंच लखन पटेल द्वारा बताया गया कि तेंदुआ रात को एक बछड़े का शिकार कर एक पेड़ के नीचे बैठा था ग्रामीणों को सूचना मिलने पर तेंदुआ को भगाने लगे तेंदुआ काफी संख्या में ग्रामीणों को देखकर भय के मारे टप्पर में आकर छुप गया था,जिसका सफलतापूर्वक रेस्क्यू का कार्य वन परीक्षेत्र अधिकारी पानीगांव डीएस चौहान के निर्देशन में किया गया,रेस्क्यू टीम के दल के टीम में डिप्टी रेंजर रमेश कुमावत,दिनेश चौधरी,अंकित मंडलोई एवं राजेंद्र शर्मा तथा वन परीक्षेत्र पानीगांव के डिप्टी रेंजर भंवरसिंह इवने, उषा रावत, जय नारायण धुर्वे, विनोद कुमार सिंह, इंदरसिंह, अवधनारायण मिश्रा, जुगल किशोर पाटीदार , धर्मेंद्र जाटव, संतोष पाटीदार का कार्य सराहनीय रहा।

फरीदाबाद के YMCA यूनिवर्सिटी में छात्रों ने एक बवाल छात्रों ने की ऑनलाइन एग्ज़ाम की मांग

अबरारुल हक़ रहमानी

फरीदाबाद। YMCA यूनिवर्सिटी के छात्रों ने कल यूनिवर्सिटी के गेट के बहार भरी बवाल कर दिया। छात्रों ने लगातार एडमिनिस्ट्रेशन के ख़िलाफ़ नारेबाज़ी की और हु हल्ला भी खूब किया,छात्रों ने यूनिवर्सिटी के गेट पर ताला डाल दिया और अपनी मांग मनवाने की कोशिश की ,लेकिन एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से अबतक कोई भी इन छात्रों से बात करने नहीं आया है।

और मज़े से स्टाफ़ घूम रहे थे पर बात करने को कोई भी तैयार नहीं है। दरअसल मामला ये है की YMCA यूनिवर्सिटी में कोरोनाकाल के समय से जो ऑनलाइन क्लासेस लिए जा रहे थे वो अब कोरोना के हालात कुछ बेहतर होने पर फिर से कॉलेज यूनिवर्सिटी को खोलने का सरकारों ने फैसला लिया और एक नोटिफिकेशन YMCA यूनिवर्सिटी के ओर से आया ,और इसी नोटिफिकेशन के बाद ही छात्रों में खलबली मची हुई है। इस नोटिफिकेशन में कहा गया है की इस बार जो यूनिवर्सिटी के एग्ज़ाम ऑफलाइन माध्यम से लिए जायेंगे। जिसके विरोध में छात्रों ने भारी बवाल मचा दिया, अपने बंद को सफल बनाने के सारे गेट को बंद कर दिया था। और लगातार ये मांग कर रहे थे की जब पढ़ाई ऑनलाइन हुई तो एग्ज़ॅम ऑफलाइन कैसे ले सकता है एडमिनिस्ट्रेशन इसी मांग को लेकर छात्र डेट हुए थे , हालाँकि दिन भी कम बचे हैं और बच्चों को तैयारी का वक़्त भी नहीं मिल पायेगा। अब एडमिनिस्ट्रेशन इस पर क्या फैसला लेता है अब बस सभी छात्रों की आस इसी पर टिकी हुई है।

विद्यार्थियों ने किया ग्राम पंचायत के स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण

एनसीआर समाचार

भोपाल। द भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंस के विद्यार्थियों द्वारा आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2021 के दृष्टिगत स्वच्छ भारत मिशन योजनान्तर्गत किये जाने वाले विभिन्न स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया गया। विद्यार्थियों द्वारा जनपद पंचायत फंदा की ग्राम पंचायत मुंगालिया छाप, बरखेड़ा नाथू, मेंडोरी एवं जनपद पंचायत, बैरसिया की ग्राम पंचायत, मनीखेड़ी गुनगा, गुनगा एवं कुटकीपुरा का भ्रमण कर स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए निर्धारित मापदंडों के अनुरूप की जाने वाली कार्यवाही का निरीक्षण किया गया। विद्यार्थियों द्वारा दी जाने वाले रिपोर्ट और सुझाव के आधार पर भी स्वच्छता संबंधी अनेक गतिविधियां की जा रही हैं। भोपाल जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत बनाये गए रोड़ के

दोनों ओर की गंदगी को साफ करने के लिए एवं स्वच्छसर्वेक्षण ग्रामीण 2021 में महत्वपूर्ण योगदान देने मंगलवार को एमपीआरआरडीए द्वारा भोपाल के अलग-अलग ग्रामीण सड़कों पर सफाई अभियान चलाया गया। एसएसजी 2020-21 में स्वच्छ ग्रामीण सड़कें भी ग्रेडिंग में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगी। विद्यार्थियों द्वारा ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था के साथ-साथ टीकाकरण के लिए भी ग्रामवासियों को प्रेरित किया। इसके साथ ही स्वच्छता के लिए किये जाने वाले आवश्यक नवाचार भी साझा किए गए।

श्रीमंदिर परिक्रमा परियोजना के शिलान्यास समारोह के लिए यज्ञ

दीपाली दे

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक डॉ. कृष्ण कुमार लंबे समय से प्रतीक्षित समारोह के लिए विस्तृत व्यवस्था कर रहे हैं।भगवान जगन्नाथ के अनन्य भक्त डॉ. कुमार सभी व्यवस्थाओं का समन्वय कर रहे हैं। इसको लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है।मंदिर के उत्तरी कोने में चल रहे तीन दिवसीय यज्ञ की पूर्णाहुति के दौरान कल सोत्रिया ब्राह्मणों द्वारा यज्ञ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, पुरी नरेश गजपति दिब्यसिंह देव, पुरी शंकराचार्य, मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित होंगे।21 नवंबर की शाम को पुरी राजा के श्रीनहार में ग्वाटेका नीति करने के बाद, जबकि 22 नवंबर की सुबह पंचकर्म, ब्राह्मण बारां, सूर्य पूजा, द्वारपाल पूजा, साला प्रबेश और साला देवता ने प्रदर्शन किया। बाद में

दोपहर 2.30 बजे यज्ञ शुरू हुआ और कल शाम साढ़े पांच बजे से शाम छह बजे तक पुष्पांजलि की गई। आज, सूर्य पूजा, साल पूजा, अग्नि पूजा और कई अन्य अनुष्ठान किए जा रहे हैं। कल सुबह सूर्य पूजा, अग्नि पूजा और यज्ञ बिधि का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुबह 9.45 से 10 बजे तक शीला बीजे नीति, जबकि सिल स्टापन और पुष्पांजलि सुबह 10.15 बजे से 10.30 बजे तक की जाएगी, इसके बाद यज्ञ की पूर्ण आहूति की जाएगी। इस शुभ अवसर के दौरान, व्यक्ति मीडिया सलाहकार ने कहा कि जिन्होंने मंदिर के विकास के लिए अपनी जमीन सौंप दी है, उन्हें सम्मानित किया जाएगा।अस्पताल चौक से श्रीमंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर बुधवार सुबह छह बजे से दोपहर एक बजे तक बैरिकेडिंग की जाएगी, जबकि रास्ते में सभी दुकानें बंद रहेंगी. सात घंटे तक दुकानें बंद रखने के निर्णय को लेकर नगर पालिका कर्मियों ने स्थानीय व्यापारियों को स्वीकृति दिलाने के लिए अभियान चलाया.पुरी के एसपी कंवर विशाल सिंह ने कहा कि तीन अतिरिक्त एसपी, 10 डीएसपी, 40 इंस्पेक्टर, 100 से अधिक एएसआई सुरक्षा के लिए 25 प्लाटून के दल का नेतृत्व करेंगे। इस परियोजना के तहत जगन्नाथ मंदिर के चारों ओर ग्रीन कॉरिडोर स्थापित किया जाएगा और आसपास का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मंदिर उन भक्तों के लिए खुला रहेगा, जिन्हें शिलान्यास समारोह के दौरान प्रवेश और निकास के रूप में सिंहद्वार या पूर्वी द्वार तक पहुंचने की आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री के पुरी दौरे से पहले, मुख्य सचिव सुरेश चंद्र महापात्रा और मुख्यमंत्री के सचिव (5T) वीके पांडियन व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए 22 नवंबर को पुरी गए थे।इस अवसर पर एसजेटीए के मुख्य प्रशासक डॉ. कृष्ण कुमार और पुरी कलेक्टर समर्थ वर्मा भी उपस्थित थे।एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि परिक्रमा, भक्तों और देवताओं के लिए श्रीमंदिर के मेघनाद प्राचीर के चारों ओर एक हरा गलियारा बनाने के लिए अलग-अलग मार्ग है।

गौरवशाली — अमर क्रांतिकारी टंट्या भील को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के लिये जन्म स्थान बड़ोदा अहीर की मिट्टी लेकर आरम्भ होगी यात्रा

चार दिसम्बर को पातालपानी में होगा भव्य कार्यक्रम, निकलेगी यात्रा

देवराम ठाकुर

श्री अटल बिजारी वाजपेयी के जन्मदिवस व सुशासन दिवस 25 दिसम्बर से 26 जनवरी तक चलेगा विशेष अभियान24 नवम्बर के महा टीकाकरण अभियान में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित कराएंमुख्यमंत्री श्री चौहान ने इंदौर व स्वच्छता में उपलब्धि अर्जित करने वाले निकायों को दी बधाईइंदौर ने जनभागीदारी के आधार पर स्वच्छता का अद्भुत मॉडल विकसित किया है जिलों में खाद आपूर्ति और धान खरीदी की निरंतर करें समीक्षामुख्यमंत्री श्री चौहान का गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भोपाल व इंदौर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने के लिए माना आभारमुख्यमंत्री श्री चौहान को स्वच्छता में प्रदेश की उपलब्धि के लिए जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट सहित सभी मंत्रियों ने दी बधाई मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को किया संबोधित ;मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 04 दिसंबर को अमर क्रांतिकारी टंट्या भील को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के उद्देश्य से पातालपानी में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। टंट्या मामा ने शोषण के विरुद्ध लड़ाई लड़ी और भारत माता को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त करने के लिए स्वयं का बलिदान कर दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि टंट्या

भील की स्मृति को अक्षुण्य रखने के लिए पातालपानी रेलवे स्टेशन का नाम अमर क्रांतिकारी टंट्या भील किया जाएगा। इस आशय का प्रस्ताव केन्द्र शासन को तत्काल भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में मंत्री परिषद की बैठक के पूर्व, संबोधन में यह बात कही। मंत्रिपरिषद की बैठक वंदे मातरम के गायन के साथ आरंभ हुई।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वीर टंट्या भील को जबलपुर जेल में फांसी दी गई थी। उनका अंतिम संस्कार महू के पास पातालपानी में हुआ था। वे हमारे पूज्यनीय हैं। राज्य सरकार ने तय किया है कि पूरे सम्मान के साथ उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाएंगे। टंट्या मामा का जन्म खण्डवा जिले में पंधाना के पास बड़ोदा अहीर नामक गांव में हुआ था। बड़ोदा अहीर की मिट्टी कलश में लेकर यात्रा आरंभ होगी। इसी प्रकार एक यात्रा सैलाना से आरंभ होगी। यह यात्राएं 03 दिसम्बर को धार में आकर मिलेंगी और 04 दिसम्बर को पातालपानी पहुंचेंगी। यह यात्राएं खण्डवा, बुरहानपुर, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, देवास, उज्जैन, रतलाम, इंदौर जिलों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगी। अतः इन जिलों के प्रभारी मंत्री, जिलों के कलेक्टर और विभिन्न संगठनों से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि "शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले-वतन पर मिटने वालों का यही बाकी निशां होगा" यह पंक्ति कार्यक्रम के लिए प्रेरणास्त्रोत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आजादी-75 के अंतर्गत सभी शहीदों और अमर क्रांतिकारियों को याद करने और उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के भाव के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 25 दिसंबर श्री अटल बिहारी वाजपेई का जन्म दिवस है तथा 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। 25 दिसंबर से 26 जनवरी तक प्रदेश में विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। जनसामान्य के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के अंतर्गत उन्हें मिल रहे हितलाभ और सुविधाएं प्रत्येक व्यक्ति को सरलता से मिलें, इसमें कोई परेशानी ना आए, यह सुनिश्चित करना अभियान का उद्देश्य होगा।

संपादकीय

यह सही समय है जब एमएसपी व्यवस्था को युक्तिसंगत बना सकती है सरकार

हालांकि केन्द्र सरकार ने कृषि कानूनों को वापिस ले लिया है पर किसान अभी भी एमएसपी को लेकर डटे हुए हैं। आजादी के 75 साल बाद भी एमएसपी पर खरीद कुछ फसलों तक ही सीमित है। वहीं एमएसपी व्यवस्था को युक्ति संगत बनाना आज भी आवश्यक है। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों को मुख्य धारा में लाने के लिए एमएसपी व्यवस्था कारगर सिद्ध हो सकती है। समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था को कुछ फसलों तक ही खरीद के दायरे से बाहर निकालना होगा। अन्नदाता को आर्थिक विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लाख दावे किए जाते रहे हों पर वह दिन अभी दूर की कौड़ी ही है जब देश का अन्नदाता अपनी मेहनत से तैयार उपज का भाव स्वयं तय कर सके। कई दशकों से चली आ रही एमएसपी व्यवस्था के बावजूद अभी एमएसपी के नाम पर ले देकर किसान गेहूं, चावल, कपास, गन्ना, सरसों, सोयाबीन, मूंगफली ही बेचते हैं और अब पिछले कुछ सालों की बात करें तो मूंग-उड़द की बात भी की जा सकती है। दुनिया आज मोटे अनाज को लेकर गंभीर हुई है और मोटे अनाज को बढ़ावा देने की बात की जा रही है वहीं बाजरा आदि मोटे अनाज की खरीद एमएसपी पर कोसों दूर है। नेशनल सेंपल सर्वे की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2019 के दौरान देश में सिर्फ पांच फसलों की खरीद ही दस प्रतिशत से ज्यादा रही है। हालांकि गेहूं, चावल, गन्ना और कपास की खरीद अधिक मात्रा में होती रही है। पिछले कुछ सालों में एमएसपी दरों में अच्छी खासी बढ़ोत्तरी हुई है तो दूसरी ओर कृषि लागत में भी काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इसलिए एमएसपी बढ़ने के बावजूद अधिक लाभ वाली बात नहीं है। यही कारण है कि नए कृषि कानूनों के चलते सबसे मुखर आवाज उभर कर आई है तो वह न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की व्यवस्था को लेकर हुई है। सरकार का दावा है कि नए कानूनों के बावजूद एमएसपी पर खरीद व्यवस्था जारी है और जारी रहेगी, वहीं किसानों की पैरवी करने वाले सभी संगठन एमएसपी को लेकर अधिक मुखर हैं। एमएसपी को लेकर देश में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हालांकि एमएसपी को लेकर लाख संदेहों के बावजूद देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद जारी है। यह सही है कि पिछले कुछ सालों से फसल की बुवाई के समय या उसके आसपास ही फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा की जाने लगी है। इससे पहले देरी से एमएसपी की घोषणा को लेकर विवाद होता रहता था और यह कहा जाता था कि समय पर एमएसपी की घोषणा नहीं होने से किसान अच्छे मूल्य वाली फसलों की बुवाई से वंचित रह जाता था। हालांकि अब हालातों में सुधार आया है। पर सवाल अभी भी वहीं का वहीं है। अन्नदाता में अभी भी एमएसपी को लेकर वह जागरूकता नहीं है जो उसमें होनी चाहिए। इसका एक बड़ा कारण देश में खेती के लिए चली आ रही संस्थागत ऋण व्यवस्था है। देश की संस्थागत वित्तदायी संस्थाएं आजादी के सात दशक बाद भी सभी किसानों की खेती के लिए आवश्यक वित्त व्यवस्था करने में विफल रही हैं और यही कारण है कि आज भी बड़ी संख्या में काश्तकारों की रुपयों, पैसों की जरूरत पूरी करने के लिए गैर संस्थागत ऋण दाताओं खासतौर से साहूकारों पर निर्भरता बनी हुई है। लाख दावे किए जाते हों पर सहकारी ऋण व्यवस्था में झोल आज भी बना हुआ है। वैसे सहकारी बैंक संसाधनों की कमी के चलते सभी किसानों की ऋण जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। इस कारण से किसानों की निर्भरता अन्य स्त्रोतों पर बनी हुई है। यही कारण है कि किसानों से ही खरीद का दावा करने के बावजूद किसानों की मेहनत का बहुत बड़ा हिस्सा इन साहूकारों या गैर संस्थागत ऋणदाताओं की झोली में चला जाता है और किसान अपने आपको ठगा महसूस करता है। सरकार द्वारा खरीफ और रबी के लिए फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर घोषणा की जाती है। गेहूं आदि खाद्यान्नों की खरीद की जिम्मेदारी जहां भारतीय खाद्य निगम के पास है तो दलहनी और तिलहनी फसलों की खरीद की जिम्मेदारी नेफैड ने संभाल रखी है। कपास की खरीद कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा तो गन्ने की खरीद गन्ना मिलों द्वारा की जा रही है। कुछ प्रदेशों में राज्य की संस्थाओं द्वारा भी वाणिज्यिक दरों के साथ ही बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत खरीद की जाती है पर यह नाममात्र की ही हो पाती है। भारतीय खाद्य निगम और नेफैड हालांकि बदली परिस्थितियों में यह दोनों ही संस्थाएं खरी नहीं उतरी हैं और यही कारण है कि नेफैड जहां लड़खड़ाती हुई जैसे तैसे चल रही है वहीं भारतीय खाद्य निगम के पुनर्गठन पर भी विचार की चर्चा यदा कदा चलती रही है। ले देकर के देश में गेहूं और चावल की ही एमएसपी पर अधिक व समय पर खरीद होती है। इसकी खरीद के पीछे भी एक दूसरा बड़ा कारण सरकार की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बाध्यता भी है। सरकार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गेहूं और चावल आदि उपलब्ध कराने होते हैं। इसके लिए सरकार के पास बड़ा सहारा एमएसपी पर खरीद व्यवस्था ही है। हालांकि कोरोना महामारी के दौर में खाद्यान्नों की उपलब्धता व्यवस्था पूरी तरह से खरी उतरी है। सरकारी गोदामों में गेहूं व चावल के भण्डारों के चलते केन्द्र व राज्य सरकारों ने जरूरतमंद लोगों को मुफ्त राशन सामग्री उपलब्ध कराने में कोई कोताही नहीं बरती और परिणाम सामने है। देश में कोरोना लॉकडाउन व उसके अलावा भी राशन सामग्री उपलब्ध कराने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। पूरी निष्पक्षता के साथ कहा जा सकता है कि इसका श्रेय अन्नदाता की मेहनत और सरकार की एमएसपी व्यवस्था को ही जाता है। आज भी देश की एमएसपी खरीद व्यवस्था ले देकर गेहूं, धान, कपास, गन्ना, सरसों आदि तक सीमित हो कर रह गई है। जबकि 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष मनाने की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। मोटे अनाज का महत्व समझा जाने लगा है। ऐसे में मोटे अनाज का लाभकारी मूल्य मिले यह सुनिश्चित करना भी सरकारों की जिम्मेदारी हो जाती है ताकि किसान स्वयं आगे आकर मोटे अनाज की पैदावार लेने के प्रति प्रेरित हों। सरकारों को इस ओर सोचना ही होगा। आज राजस्थान सहित उत्तरी भारत के राज्यों में बाजरे की समर्थन मूल्य पर खरीद की मांग की जा रही है। होना तो यह चाहिए कि जिस भी फसल का समर्थन मूल्य घोषित हो उसके भाव बाजार में कम होते ही खरीद आरंभ हो जाए तो समस्या का समाधान बहुत आसानी से हो सकता है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी समाज के माथे पर बदनुमा दाग है

अजय कुमार

गत दिनों चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर नई बहस तब छिड़ गई जब सीबीआई ने देश के कई राज्यों से पोर्नोग्राफी के धंधे में लिप्त लोगों को गिरफ्तार किया। सीबीआई ने नोएडा, दिल्ली, झांसी, तिरूपति और ओडिशा सहित कई राज्यों में छापेमारी की थी।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी एक गंभीर ही नहीं अमानवीय कृत्य भी है। चाइल्ड पोर्नोग्राफी के जरिये कुछ लोग पैसा कमा रहे हैं तो तमाम लोग मानसिक रूप से बीमार होने के कारण इसको बढ़ावा दे रहे हैं। जो देश के लिए अभिशाप बनता जा रहा है। इस अपराध की सजा जितनी भी गंभीर हो कम ही है, लेकिन दुख की बात यह है कि भारत में इस पर रोक के सभी प्रयास और बनाए गए कानून नाकाफी साबित हो रहे हैं। हालात यह हैं कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी से कमाई के चक्कर में लोग अपना ईमान धर्म तक बेच दे रहे हैं। देश में ऐसे लोग ना जाने कहां-कहां छिपे होंगे यह कोई नहीं जानता। बस ढिंढोरा उनका ही पिटता है जो पकड़े जाते हैं। इंटरपोल के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। पोर्नोग्राफी पर इंटरपोल की हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2017 से लेकर 2020 के बीच करीब तीन वर्षों में ऑनलाइन बच्चों के ही यौन शोषण के 24 लाख से अधिक मामले सामने आए हैं। गत दिनों चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर नई बहस तब छिड़ गई जब सीबीआई ने देश के कई राज्यों से पोर्नोग्राफी के धंधे में लिप्त लोगों को गिरफ्तार किया। सीबीआई ने नोएडा, दिल्ली, झांसी, तिरूपति और ओडिशा सहित कई राज्यों में छापेमारी की थी। इसी क्रम में कानपुर से एक युवक जितेंद्र कुमार (23) को गिरफ्तार किया गया था। पूरे मामले के खुलासे के लिए सीबीआई उससे पूछताछ कर रही है। साथ ही उसके मोबाइल, लैपटॉप समेत अन्य जरूरी दस्तावेज भी जब्त किए हैं। उसके बैंक खाते में हुए लेन-देन की भी जांच चल रही है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी बच्चों के अश्लील वीडियो कई साइट्स पर अपलोड करता था। इन लोगों ने एक ग्रुप बना रखा था। यह लोग मिलकर टेलीग्राम एवं व्हाट्सएप ग्रुप में अश्लील सामग्री अपलोड करने के साथ ही उसे फॉरवर्ड करने का काम करते थे। इसके एवज में यह ऑनलाइन पैसे लेते थे। पड़ताल में मालूम चला है कि इनका ग्रुप ऑन डिमांड वीडियो भी ऊंची कीमत पर अपलोड करता था। इसकी अधिकांश डिमांड बाहरी देशों से होती थी। बच्चों के यौन शोषण एवं वीडियो इंटरनेट में अपलोड करने के मामले में सीबीआई टीम ने बीते मंगलवार को आधा दर्जन जगहों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। बताते चलें कि बीते वर्ष भी इसी तरह की एक घटना का खुलासा उत्तर प्रदेश के जिला चित्रकूट में हुआ था। तब चाइल्ड पोर्नोग्राफी रैकेट से जुड़े अवर अभियंता को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। उसके बाद से सीबीआई इस पूरे रैकेट का सुराग तलाशने में जुटी थी। आशंका जताई जा रही कि यहां भी इस रैकेट के तार हैं। इनकी धरपकड़ की खातिर ही सीबीआई ने छापेमारी की। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बाकायदा व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर चाइल्ड पोर्नोग्राफी का धंधा चलाया जाता है। पुलिस को छानबीन में पता चला कि ओनली चाइल्ड सेक्स वीडियोज नामक एक व्हाट्सएप ग्रुप बना हुआ है। इसका नेटवर्क पूरे देश भर में फैला है। कुछ युवकों के भी इससे जुड़े होने की आशंका है। इसी का सुराग तलाशते हुए मंगलवार को सीबीआई को कई जगह पहुंच गई। ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए उसने आधा दर्जन से अधिक जगहों पर छापेमारी की और एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। कानपुर के पुलिस अफसरों का कहना है डॉर्क इंटरनेट मार्केट में चाइल्ड पोर्नोग्राफी करोड़ों डॉलर का धंधा है। बिहार, उत्तर प्रदेश एवं तमिलनाडु से ही यह पूरा नेटवर्क ऑपरेट होता है। मंगलवार की छापेमारी में बिहार में पांच एवं यूपी में झांसी, वाराणसी, गाजीपुर, मुगलसराय एवं इटावा में एक-एक व्यक्ति के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। झांसी के पड़ोस के ग्वालियर से भी एक व्यक्ति पकड़ा गया। एरच में युवक की धरकपड़ के साथ ही सीबीआई टीम ने यहां से लैपटॉप एवं मोबाइल भी जब्त किए हैं। पूछताछ के लिए आरोपी को भी वह अपने साथ ले गई। बता दें कि हाल के दिनों में बच्चों के खिलाफ यौन शोषण से जुड़े मामलों में काफी तेजी आई है। व्हाट्सएप के साथ टेलीग्राम पर भी ऐसे कंटेंट आसानी से अपलोड हो रहे हैं। मोटी रकम कमाने के लालच में कई युवा इस गंदे धंधे के दलदल में घुसे हैं। चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर साइबर एक्सपर्ट्स कहते हैं कि भारत में हर 40 मिनट में एक अश्लील वीडियो बनाया जाता है और ऐसे वीडियो अपलोड करने के मामले में केरल सबसे ऊपर है। वहीं इस तरह के वीडियो अपने मोबाइल पर देखने के मामले में हरियाणा सबसे आगे है। इंटरनेट पर अपलोड किए गए पोर्न में 35-38 फीसदी वीडियो बच्चों और टीनएजर्स के हैं। सबसे अधिक सर्च किए गए कीवर्ड्स में स्कूलगर्ल्स, टीन्स और देसी गर्ल्स जैसे कीवर्ड हैं। आश्चर्यजनक है कि भारत में रोजाना जितना डेटा इंटरनेट से डाउनलोड होता है, उसका 35-40 फीसदी कंटेंट पोर्नोग्राफी का ही होता है। इंडियन साइबर आर्मी के सूत्र बताते हैं कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी का कंटेंट और इसके ग्राहक तेजी से बढ़ रहे हैं। सर्च इंजन पर रोजाना करीब 1,16,000 बार चाइल्ड पोर्नोग्राफी से संबंधित सर्चिंग होती है। इसका मतलब है कि हर सेकेंड करीब 380 लोग सर्च इंजन पर एडल्ट कंटेंट देख रहे होते हैं। सभी सर्च इंजन पर करीब 25 फीसदी सर्च सिर्फ पोर्नोग्राफी से जुड़ी हुई होती है। यानी रोजाना लगभग 6.8 करोड़ सर्च पोर्नोग्राफी से जुड़े होते हैं। हाल ही के ट्रेंड देखकर यह पता चलता है कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी के लिए सबसे अधिक मोबाइल का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें टीयर 2, टीयर 3 और टीयर 4 शहरों से सबसे अधिक वीडियो अपलोड होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे और पिछड़ी जगहों के बच्चे आसानी से टारगेट किए जाते हैं। इनके अलावा शहरी इलाकों के स्कूलों के भी बहुत सारे बच्चे चाइल्ड पोर्नोग्राफी का शिकार होते हैं। वकील और आईटी एक्सपर्ट पवन दुग्गल खुलासा करते हुए कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट की तरफ से चाइल्ड पोर्नोग्राफी को लेकर सख्त निर्देश दिए जाने के बावजूद ऐसा कंटेंट तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पूरी दुनिया में भारत के ऐसे कंटेंट की खूब मांग है, क्योंकि यहां से ऐसा कंटेंट बहुत ही कम कीमत में मुहैया करा दिया जाता है। साइबर इंवेस्टिगेटर कहते हैं कि शहरी बच्चे डेटिंग और चैटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं, जिसके जरिए कई बार उनकी निजी तस्वीरें लीक हो जाती हैं। इसके बाद यह तस्वीरें पोर्न वेबसाइट्स पर अपलोड कर दी जाती हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे इन एप्स के प्रति आकर्षित तो होते हैं, लेकिन वह इससे होने वाले नुकसानों के बारे में नहीं जानते हैं। पोर्न कितनी तेजी से फैल रहा है इस बारे में कोई नया सरकारी डेटा तो सामने नहीं आया है, लेकिन एक पुरानी स्टडी के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में चाइल्ड पोर्नोग्राफी समेत सभी तरह के पोर्न में करीब 100 फीसदी की बढ़ोत्तरी देखी गई है। केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट को भी यह बता चुकी है कि उन्होंने चाइल्ड पोर्नोग्राफी को रोकने के लिए कुछ सख्त कदम उठाए हैं। इसी के तहत उन्होंने चाइल्ड पोर्नोग्राफी वाला कंटेंट परोसने वाली 3,522 वेबसाइट को जून 2017 में बंद कर दिया था। इसके लिए सभी इंटरनेट सेवा प्रदाताओं और टेलिकम्युनिकेशन डिपार्टमेंट को भी यह निर्देश जारी किए गए थे कि वह चाइल्ड पोर्नोग्राफी परोसने वाली सभी वेबसाइट्स पर कनेक्शन रोक दें, ताकि ऐसे वीडियो ना फैलें। बात उत्तर प्रदेश के चित्रकूट की घटना की कि जाए तो बीते वर्ष यहां 50 बच्चों के यौन शोषण की खबर ने सबको हिलाकर रख दिया था।

क्या हिंदू धर्मस्थलों को मुक्त करेंगी राज्य सरकारें?

नीरज कुमार

जहाँ तक इस पूरे मुद्दे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का रुख है तो उसका स्पष्ट मानना है कि मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण कतई नहीं होना चाहिए। इस वर्ष विजयादशमी पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने वार्षिक संबोधन में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया था।

देशभर के मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए साधु-संत अपना अभियान छेड़ चुके हैं और इस अभियान को संघ परिवार का भी समर्थन हासिल है इसलिए माना जा सकता है कि मोदी सरकार जल्द ही इस मुद्दे पर फैसला ले सकती है। आगामी पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए महत्वपूर्ण हैं और हिंदुत्व की लहर पर सवार पार्टी कभी नहीं चाहेगी कि उसका आधार वोटर उससे नाराज हो। उत्तराखण्ड में भी जिस तरह से देवस्थानम बोर्ड को भंग करने की मांग को लेकर चारों धामों के तीर्थ पुरोहितों ने राज्य सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है उसको देखते हुए लग रहा है कि जल्द ही वहां कोई बड़ा निर्णय हो सकता है। जहाँ तक इस पूरे मुद्दे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का रुख है तो उसका स्पष्ट मानना है कि मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण कतई नहीं होना चाहिए। इस वर्ष विजयादशमी पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने वार्षिक संबोधन में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए कुछ ऐसे उदाहरण भी देश के समक्ष रखे थे जहां मंदिर प्रबंधन ही सुचारू रूप से उस धर्मस्थल का संचालन कर रहे हैं।

यही नहीं हाल ही में कर्नाटक के धारावाड़ में संपन्न संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर एक रणनीति बनाने की बजाय राज्यों की स्थिति के अनुसार स्थानीय स्तर पर मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की रणनीति बनायी गयी। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि हर राज्य की परिस्थितियां अलग-अलग हैं जैसे दक्षिण के राज्यों में मंदिर पूर्णतः सरकारी नियंत्रण में हैं तो किसी राज्य में मंदिरों का प्रबंधन ट्रस्ट कर रहे हैं तो कहीं पर मंदिरों का प्रबंधन निजी क्षेत्र कर रहा है। दरअसल, संघ परिवार ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का अभियान सफल होने के बाद अब मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने का मुद्दा आगे बढ़ाने का निर्णय किया है और इससे आम जनमानस को जोड़ा जा रहा है। विश्व हिन्दू परिषद इस अभियान को लेकर राज्यों से मंदिरों की रिपोर्ट तैयार करने और प्रबुद्धजनों के विचार एकत्रित करने के अभियान पर लगा हुआ है। यह कार्य पूरा हो जाने के बाद सरकार के समक्ष एक बार फिर प्रमुखता से यह मांग रखी जायेगी। एक ओर जहां संघ परिवार मिशन को अपने तरीके से पूरा करने में लगा हुआ है वहीं दूसरी ओर संत समाज ने भी सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति बनाते हुए अपना अभियान छेड़ दिया है। हाल ही में अखिल भारतीय संत समिति की बैठक हुई जिसमें देश के विभिन्न इलाकों से संत, महंत, पीठाधीश्वर, योगी, आचार्य मंडलेश्वर, महामंडलेश्वर, पंडितगण, मठाधिपति, आचार्य और सनातन धर्म के विद्वान पहुँचे। इस सम्मेलन के दौरान 'मठ मंदिर मुक्ति आंदोलन' का शंखनाद किया गया। इस सम्मेलन में अखिल भारतीय संत समिति के अध्यक्ष और माँ कालिका सिद्ध पीठ कालिका मंदिर के महंत श्रीसुरेंद्र नाथ अवधूत महाराज ने कहा कि मठ मंदिरों का प्रबंधन राज्य सरकारें तत्काल धर्माचार्यों को सौंप दें वरना पूरे देश में आंदोलन किया जायेगा।

महंत ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारें केवल मंदिरों का अधिग्रहण करती हैं, मस्जिद या चर्च का नहीं। सम्मेलन में अन्य कई संतों ने भी प्रमुखता से अपनी बात को रखा और कुछ ने तो सवाल भी उठाया कि यदि सरकार मंदिर को जनता की संपत्ति समझती है तो पुजारियों को वेतन क्यों नहीं देती? सम्मेलन में यह भी सवाल उठाया गया कि यदि मस्जिदें मुस्लिमों की निजी संपत्ति हैं, तो मौलवियों को सरकारी खजाने से वेतन क्यों दिया जाता है? संतों ने साल 2014 में आये सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का हवाला भी दिया जिसमें अदालत ने तमिलनाडु के नटराज मंदिर को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने वाले आदेश में कहा था कि मंदिरों का संचालन और व्यवस्था भक्तों का काम है सरकारों का नहीं। दूसरी ओर, जहाँ तक बात उत्तराखण्ड के देवस्थानम बोर्ड को भंग करने की है तो आपको बता दें कि अपनी मांग को लेकर आंदोलन को और धार देते हुए चारों धामों के तीर्थ पुरोहितों ने उत्तराखंड सरकार के मंत्रियों के आवासों का घेराव किया।

उन्होंने देवस्थानम बोर्ड के गठन के प्रावधान वाले अधिनियम को वापस लेने के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाने के वास्ते मुख्य रूप से कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल के आवास के बाहर धरना दिया तथा 'शीर्षासन' भी किया। इस दौरान मंत्री उनियाल अपने घर से बाहर आए और पुरोहितों से बातचीत की। उन्होंने पुरोहितों से 30 नवंबर तक इंतजार करने को कहा और संकेत दिया कि इसके बाद इस संबंध में कोई बड़ा निर्णय लिया जा सकता है। हम आपको बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के मुख्यमंत्रित्व काल में 2019 में गठित चारधाम देवस्थानम बोर्ड का चारों धामों- बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के तीर्थ पुरोहित शुरू से ही विरोध कर रहे हैं और इसे भंग किए जाने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। उनका मानना है कि बोर्ड का गठन उनके पारंपरिक अधिकारों का हनन है। देखा जाये तो इस बात के आसार प्रबल हैं कि सरकार इस फैसले को वापस ले लेगी क्योंकि विधानसभा चुनाव के नजदीक आने के अलावा केंद्र सरकार द्वारा नए कृषि कानूनों को वापस लिए जाने के बाद तीर्थ पुरोहितों की उम्मीदें बढ़ गयी हैं इसीलिए वह अपना आंदोलन तेज कर रहे हैं। बहरहाल, संत समाज भी उत्तराखण्ड सरकार के संभावित फैसले पर नजर लगाये हुए है क्योंकि यदि देवस्थानम बोर्ड भंग किया जाता है तो मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने के अभियान में यह विजय की शुरुआत होगी।

इंडिया में कब दिखेगी दुबई जैसी संपन्नता ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

उन दिनों भी बाजार वगैरह तो यहां थे लेकिन आजकल तो यहां इतने बड़े-बड़े मॉल बन गए हैं कि उन्हें देखते-देखते आप थक जाएं। सड़कों के दोनों तरफ इतने ऊँचे-ऊँचे भवन बन गए हैं कि आप यदि उनके नीचे खड़े होकर उन्हें ऊपर तक देखें तो आपकी टोपी गिर जाए। परसों शाम जब हम लोग दुबई पहुंचे तो हमने इस बार वह दुबई देखा, जो पहले कभी नहीं देखा। यह कोराना महामारी का कमाल था। यों तो मैं दर्जनों बार दुबई-अबू धाबी आ चुका हूं लेकिन कोरोना का प्रकोप दुबई जैसे राज्य का ऐसा नया रूप ढाल देगा, ऐसी उम्मीद नहीं थी। अब से लगभग 40 साल पहले मैं ईरान से भारत आते हुए कुछ घंटों के लिए दुबई में रुका था। जिस होटल में रुका था, उससे बाहर निकलते ही मुझे दौड़कर अंदर जाना पड़ा, क्योंकि भयंकर गर्मी और धूप थी। इसके अलावा उस होटल के आस-पास खुला रेगिस्तान था और थोड़ी दूर पर समुद्र लहरा रहा था। लेकिन अब अगर आज आप दुबई जाएं तो आपको ही समझ ही नहीं पड़ेगा कि आप लंदन में हैं या न्यूयार्क में हैं या शांघाई में हैं। उन दिनों भी बाजार वगैरह तो यहां थे लेकिन आजकल तो यहां इतने बड़े-बड़े मॉल बन गए हैं कि उन्हें देखते-देखते आप थक जाएं। सड़कों के दोनों तरफ इतने ऊँचे-ऊँचे भवन बन गए हैं कि आप यदि उनके नीचे खड़े होकर उन्हें ऊपर तक देखें तो आपकी टोपी गिर जाए। आजकल तो दुबई के आस-पास जो रेगिस्तानी इलाके थे, उन्हें एकदम हरा-भरा कर दिया गया है और वहां स्वतंत्र प्लॉट काट दिए गए हैं। हमारे कई मित्रों ने वहां महलनुमा बंगले बना लिये हैं। जो लोग भारत से सिर्फ कपड़ों का सूटकेस लेकर आए थे, उन्होंने अपनी मेहनत और चतुराई से अब इतना पैसा कमा लिया है कि वे कपड़ों की जगह डिरहाम (रुपए) सूटकेसों में भरकर घूम सकते हैं। यहां भारतीय व्यापारियों, उद्योगपतियों, अफसरों का बोलबाला तो है ही, हमारे बहुत-से कर्मचारी और मजदूर भी कार्यरत हैं। दुनिया के लगभग 200 देशों के लोग इस संयुक्त अरब अमीरात में काम करते हैं। इसमें सभी मजहबों, जातियों, रंगों और हैसियतों के लोग हैं लेकिन उनके बीच कभी हिंसा, दंगा, तनाव आदि की खबर नहीं आती। सभी लोग प्रेमपूर्वक जीवन जीते हैं। यहां की लगभग एक करोड़ की जनसंख्या में 30 लाख से भी ज्यादा भारतीय हैं। सात राज्यों से मिलकर बने इस संघ-राज्य में आप जहां भी जाएं, आपको भारतीय दिखते रहेंगे। भारत के पड़ोसी देशों के लोग भी यहां काफी संख्या में हैं। लेकिन उनके बीच भी कोई तनाव नहीं दिखाई देता। अबू धाबी इस संघ की राजधानी है लेकिन हमारे मुंबई की तरह दुबई ही व्यापार और शान-शौकत का केंद्र है। आजकल यहां चल रही विश्व-प्रदर्शनी को देखने के लिए बाहर से काफी लोग आ रहे हैं लेकिन इस बार दुबई हवाई अड्डे सड़कों और बाज़ारों में पहले-जैसी भीड़ दिखाई नहीं पड़ती। फिर भी ऐसा लगता है कि दुबई भारत का ही उन्नत रूप है। इसे छोटा-मोटा भारत भी कह सकते हैं लेकिन भारत दुबई-जैसा बन जाए, इसके लिए भारत में तेल-जैसी कोई जादू की छड़ी मिलनी चाहिए लेकिन भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था है और यहां है- राजशाही या बादशाही!

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

ऐतिहासिक फ्लॉप के बाद विजय शेखर शर्मा ने अपनी तुलना एलन मस्क से की

नई दिल्ली। वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय शेखर शर्मा ने अपनी कंपनी की तुलना एलन मस्क की कंपनी टेस्ला से की है। उन्होंने अपने और एलन के बीच कई समानता स्थापित करने की कोशिश की है। बता दें कि, शेयर बाजार में पेटीएम का आगाज काफी नरमी के साथ हुआ। विजय शेखर शर्मा ने गुरुवार को कंपनी के स्टॉक में 27% की गिरावट देखने वाले कर्मचारियों को रैली करने के लिए चार घंटे का टाउन हॉल आयोजित किया। 43 वर्षीय विजय ने अपने कर्मचारियों को उत्साहित करते हुए कहा कि, शेयर में शुरुआती ठोकर मिलने के बाद आगे की योजनाओं पर फोकर करेंगे। जानकारी के लिए बता दें कि, वन 97 कम्युनिकेशंस पेटीएम एनएसई 9.94% सेवा के लिए मूल कंपनी है। मस्क की प्रशंसा करते हुए विजय ने एक ट्वीट पोस्ट किया था कि, इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला कपंनी का स्टॉक दुनिया में सबसे छोटा हुआ करता था। लेकिन कंपनी ने विश्व स्तर पर सबसे अधिक मान्यता प्राप्त ब्रांडों में से एक बनने के साथ-साथ दुनिया में सबसे मूल्यवान ऑटोमेकर बनने के लिए कई कड़े संघर्ष के वर्षों को पार किया और यह आज दुनिया की मजबूत कंपनी में से एक हो गई है। पेटीएम के शेयरों में गिरावट जारी है। आज के शेयरों में 17 फीसदी टूटा है। यह शेयर 2,150 रुपये के आईपीओ प्राइस ऑफर से करीब 40 फीसदी टूट चुका है। बात करें 2010 में अपने आईपीओ के बाद पहले दिन टेस्ला के शेयरों में वास्तव में 41% की वृद्धि हुई। बाद में वे 4 डॉलर प्रत्येक से कम हो गए और तब से कंपनी को $1 ट्रिलियन से अधिक का बाजार मूल्य देने के लिए बढ़ गए हैं।

जीजेईपीसी में पंजीकृत नहीं होने वाले व्यापारियों पर कच्चे हीरों के आयात-निर्यात पर रोक

नई दिल्ली। कच्चे हीरे के आयात या निर्यात की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि संबंधित आयातक या निर्यातक रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के साथ पंजीकृत न हो। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। जीजेईपीसी किम्बर्ली प्रोसेस सर्टिफिकेशन स्कीम (केपीसीएस) के लिए नामित आयात और निर्यात प्राधिकरण है। किम्बर्ली प्रक्रिया 'कनफ्लिक्ट या विवादों वाले हीरे' के प्रवाह को रोकने के लिए सरकारों, उद्योग और समाज की एक संयुक्त पहल है। इस कच्चे हीरे का दुरुपयोग विद्रोही समूहों द्वारा वैध सरकारों के खिलाफ युद्ध के वित्तपोषण के लिए किया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों में भी वर्णित है। केपीसीएस एक जनवरी, 2003 से लागू हुआ और कनफ्लिक्ट डायमंड के व्यापार को रोकने के लिए एक प्रभावी तंत्र के रूप में विकसित हुआ। भारत केपीसीएस का संस्थापक सदस्य है। मौजूदा समय में केपीसीएस में 81 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 54 सदस्य हैं। डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में कहा, ''जब तक संबंधित आयातक या निर्यातक जीजेईपीसी के साथ पंजीकृत नहीं है, तब तक कच्चे हीरे के आयात या निर्यात की अनुमति नहीं दी जाएगी।'' एक अलग सार्वजनिक नोटिस में डीजीएफटी ने कहा कि वर्ष 2021-22 के लिए भारत-मॉरीशस मुक्त व्यापार समझौते के तहत शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) के आवंटन के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2021 से बढ़ाकर 31 जनवरी, 2022 कर दी गई है।

RIL चेयरमैन मुकेश अंबानी किसको सौंपेंगे अपनी पूरी संपत्ति?

मुंबई। एशिया के सबसे अमीर शंख्स रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपनी आने वाली पीढ़ी को बिजनेस सौंपने की तैयारी में है। 208 अरब डॉलर के बिजनेस को अपनी नई पीढ़ी के हाथों में सौंपने के लिए मुकेश अंबानी दुनिया के कई अरबपतियों के उत्तराधिकार मॉडल को समझ रहे हैं। आपको बता दें कि, मुकेश अंबानी और उनके भाई के बीच संपत्ति के बंटवारे को लेकर पारिवारिक विवाद काफी समय से बना हुआ है और मुकेश अंबानी नहीं चाहते कि संपत्ति बंटवारे के समय उनके बच्चे पर भी ऐसी समस्या या विवाद खड़ा न हो जाए। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, संपत्ति बंटवारे की इस समस्या को लेकर मुकेश अंबानी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, 64 वर्षीय मुकेश अंबानी को वॉलमार्ट इंक के वॉल्टन परिवार का मॉडल काफी पंसद आया है। इसके मुताबिक, अंबानी अब परिवार की सभी होल्डिंग एक ट्रस्ट में डालना चाहते है। इससे देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलांयस कंट्रोल में रहेगी। अपनी पत्नी नीता अंबानी और उनके तीन बच्चों की इस नई एंटिटि में हिस्सेदारी होगी। बता दें कि, बोर्ड में भरोसमेंद लोग सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। रिलायंस के बिजनेस को मैनेजमेंट प्रोफेशनल संभालेगे।

अपने पास कोई संपत्ति नहीं रखना चाहते हैं Elon Musk, बेच डाला अपना आखिरी घर

एजेंसी। एक बार फिर एलन मस्क अपने वादों पर खरे उतरते दिख रहे हैं। एलन मस्क का ओन नो हाउस वादे को लेकर पिछले साल एक ट्वीट पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने अपनी लगभग सभी भौतिक संपत्ति को हटाने के लिए सारी संपत्ति बेच देंगे। इसी को देखते हुए स्पेसएक्स के सीईओ ने साल के अंत तक 62 मिलियन डॉलर में अपने चार आवासों को बेच दिया था। बता दें कि, एलन इस समय अपनी आखिरी संपत्ति को भी बेचने जा रहे हैं। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को इलाके में स्थित एलन मस्क का घर पहले 32 मिलियन डॉलर में सूचीबद्ध किया गया था। मस्क ने शुरू में पिछले साल 16 हजार वर्ग फुट के घर को 35 मिलियन डॉलर में सूचीबद्ध किया था। रिकॉर्ड के मुताबिक, साल 2017 में उन्होंने इसके लिए 23.3 मिलियन डॉलर का भुगतान किया था।

सरकार शीतकालीन सत्र में एक बिल भी लेकर आ सकती है

निजी क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगाने की तैयारी में सरकार

लोकतांत्रिक देश सुनिश्चित करें क्रिप्टो-करेंसी गलत हाथों में ना जाए: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय के अनुसार, संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान क्रिप्टोकरेंसी एवं आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विनियमन विधेयक 2021 पेश किया जायेगा। इसमें आरबीआई द्वारा जारी की जाने वाली आधिकारिक डिजिटल मुद्रा के निर्माण की सुविधा की बात कही गई है। केंद्र की मोदी सरकार लगातार क्रिप्टो करेंसी पर शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक सभी निजी क्रिप्टोकरेंसीज को सरकार बैन कर सकती है। इसके लिए सरकार शीतकालीन सत्र में एक बिल भी लेकर आ सकती हैं। इस खबर के आने के साथ ही सभी प्रमुख क्रिप्टो करेंसी पूरी तरीके से धड़ाम हो गई। आलम यह रहा कि क्रिप्टो करेंसी में 15 फ़ीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई। बिटकॉइन में करीब 15 फ़ीसदी की गिरावट देखी गई तो वहीं Ethereum में 12 फ़ीसदी की गिरावट आई। Tether में 6 फ़ीसदी की जबकि यूएसटी कॉइन में भी 8 फ़ीसदी की गिरावट देखी गई।

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान क्रिप्टोकरेंसी एवं आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विनियमन विधेयक 2021 पेश किया जायेगा। इसमें आरबीआई द्वारा जारी की जाने वाली आधिकारिक डिजिटल मुद्रा के निर्माण की सुविधा की बात कही गई है। इस विधेयक में भारत में सभी तरह के निजी क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंधित करने की बात कही गई है। हालांकि, इसमें कुछ छूट की बात भी कही गई है, ताकि क्रिप्टोकरेंसी से संबंधित प्रौद्योगिकी एवं इसके उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए।

लोकतांत्रिक देश सुनिश्चित करें क्रिप्टो-करेंसी गलत हाथों में ना जाए: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी लोकतांत्रिक देशों से साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि वे क्रिप्टो-करेंसी गलत हाथों में ना जाने दें, अन्यथा युवाओं का भविष्य बर्बाद हो सकता है। उन्होंने डिजिटल क्रांति से उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए समान सोच वाले देशों के एकजुट होने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने डिजिटल युग में डाटा को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत में हमने डाटा सुरक्षा, निजता और सुरक्षा के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार किया है। साथ ही साथ हम इसका उपयोग लोगों के सशक्तिकरण के स्रोत के रूप में कर रहे हैं। उन्होंने क्रिप्टो-करेंसी या बिटकॉइन का उदाहरण देते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि सभी लोकतांत्रिक देश साथ काम करें और यह सुनिश्चित करें कि यह गलत हाथों में ना जाए, जो हमारे युवाओं को बर्बाद कर सकता है। क्रिप्टो करेंसी एक डिजिटल करेंसी है। इसे आप न तो देख सकते हैं, न छू सकते हैं, क्योंकि भौतिक रूप में क्रिप्टो करेंसी का मुद्रण नहीं किया जाता। इसलिए इसे आभासी मुद्रा कहा जाता है। यह पिछले कुछ सालों में ऐसी करेंसी काफी प्रचलित हुई है। क्रिप्टो करेंसी एक ऐसी मुद्रा है जो कंप्यूटर एल्गोरिथ्म पर बनी होती है। यह एक स्वतंत्र मुद्रा है जिसका कोई मालिक नहीं होता। यह करेंसी किसी भी एक अथॉरिटी के काबू में भी नहीं होती। यह एक डिजिटल करेंसी होती है जिसके लिए क्रिप्टोग्राफी का प्रयोग किया जाता है। आमतौर पर इसका प्रयोग किसी सामान की खरीदारी या कोई सर्विस खरीदने के लिए किया जा सकता है।

नितिन गडकरी का बयान

सरकार की योजनाएं गरीबी और बेरोजगारी से दिलाएगी छुटकारा!

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि, जम्मू-कश्मीर के लिए केंद्र की योजनाएं गरीबी और बेरोजगारी से छुटकारा दिलाएगी।ये परियोजनाएं क्षेत्र की कृषि, औद्योगिक और सामाजिक आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सुरक्षा बलों की तेजी से आवाजाही के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं तथा जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच हर मौसम में संपर्क प्रदान करेंगी

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के लिए केंद्र सरकार की योजनाएं केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को गरीबी और बेरोजगारी से छुटकारा दिलाएगी। उन्होंने इसके साथ ही अगले तीन साल में यूरोपीय मानक के बराबर बुनियादी ढांचे के निर्माण का भरोसा दिलाया। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने डोडा जिले में 11,721 करोड़ रुपये के निवेश वाली कुल 257 किलोमीटर लंबी 25 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद अपने संबोधन में यह कहा। समारोह में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी शामिल हुए। ये परियोजनाएं क्षेत्र की कृषि, औद्योगिक और सामाजिक आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सुरक्षा बलों की तेजी से आवाजाही के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं तथा जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच हर मौसम में संपर्क प्रदान करेंगी।

गडकरी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू-कश्मीर के समग्र विकास का संकल्प लिया है और हम उसी के अनुरूप काम कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के लिए बनाए गए 'रोड मैप' का उद्देश्य लोगों को गरीबी से छुटकारा दिलाना और युवाओं को रोजगार प्रदान करना है।

पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलने के लिए गडकरी ने किया मारुति के केंद्र का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को नोएडा में मारुति सुजुकी और टोयोटा त्सुशो ग्रुप के एंड-ऑफ-लाइफ वाहनों के लिए कबाड़ और पुनर्चक्रण सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। 44 करोड़ रुपए के निवेश से बनाया गया यह सरकार से मंजूरी प्राप्त ऐसा पहला केंद्र है। केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया कि यह पहल भारतीय सड़कों को स्वच्छ और सुरक्षित बनाएगी। हमें पूरे भारत में ऐसे केंद्रों की स्थापना के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता है। 10,993 वर्ग मीटर में फैला यह केंद्र मारुति सुजुकी टोयोत्सु इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित किया जा रहा है। आपको बता दें कि इस केंद्र में हर महीने 2,000 वाहनों को कबाड़ में बदलने की क्षमता होगी। इसके अलावा एक वाहन को कबाड़ में बदलने में करीब 3 घंटे से अधिक का समय लगेगा। कबाड़ और पुनर्चक्रण सुविधा केंद्र का उद्घाटन करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि कबाड़ नीति से केंद्र और राज्यों दोनों का जीएसटी राजस्व बढ़ेगा... मैं वित्त मंत्रालय से इस पर चर्चा करूंगा कि नई नीति के तहत किस प्रकार कर संबंधित और रियायतें दी जा सकती हैं।

कबाड़ और पुनर्चक्रण सुविधा केंद्र का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि कबाड़ नीति से केंद्र और राज्यों दोनों का जीएसटी राजस्व बढ़ेगा... मैं वित्त मंत्रालय से इस पर चर्चा करूंगा कि नई नीति के तहत किस प्रकार कर संबंधित और रियायतें दी जा सकती हैं

दरअसल, नई नीति के तहत केंद्र सरकार ने कहा था कि राज्य और केंद्रशासित प्रदेश पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलने के बाद नई गाड़ी लेने पर 25 फीसदी तक छूट देंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह जीएसटी परिषद से इस बात की संभावना को टटोलने का अनुरोध कर रहे हैं कि नई नीति के तहत क्या और प्रोत्साहन दिए जा सकते हैं। हालांकि इस बारे में अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय और जीएसटी परिषद करेगी। नितिन गडकरी ने कहा कि कबाड़ नीति से सभी पक्षों को लाभ होगा क्योंकि इससे विनिर्माण को गति मिलेगी, नौकरियां सृजित होंगी और केंद्र तथा राज्यों दोनों को जीएसटी मद में 40,000-40,000 करोड़ रुपए तक का राजस्व प्राप्त होगा। इसके अलावा वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऑटो सेक्टर का सालाना कारोबार 7.5 लाख करोड़ रुपए है और इसे 5 साल में 15 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य है। भारत ने 2070 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। मुझे विश्वास है कि कबाड़ नीति इसमें मददगार होगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने देश के हर जिले में कम-से-कम 3-4 वाहन पुनर्चक्रण या कबाड़ केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने किया आगाह, कहा- आगे चलकर खत्म हो जाएंगी ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने बुधवार को कहा कि इस समय मौजूद 6,000 क्रिप्टोकरंसी में से कुछ ही आगे बनी रहेंगी। राजन ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सनक की 17 वीं शताब्दी में नीदरलैंड में ट्यूलिप फूल को लेकर दीवानगी से तुलना करते हुए कहा कि लोग दो कारणों से क्रिप्टोकरेंसी रखते हैं - एक कि यह एक संपत्ति है जिसका मूल्य बढ़ सकता है ओर मुद्रा के रूप में इसे रखा जा सकता है और दूसरा, इसका उपयोग भुगतान में किया जा सकता है। उन्होंने कहा, क्या हमें भुगतान करने के लिए वास्तव में 6,000 क्रिप्टोकरेंसी की जरूरत है? एक या दो, (क्रिप्टोकरेंसी) शायद मुट्ठी भर हो सकती हैं, जो भुगतान में इस्तेमाल के लिए आगे बनी रहें, भले ही यह तकनीक इतनी उपयोगी है कि यह नकदी और मुद्रा का विकल्प हो सकती है। राजन ने समाचार चैनल सीएनबीसी-टीवी18 से कहा, इससे पता चलता है कि आगे चलकर उच्च मूल्यों के साथ ज्यादातर क्रिप्टो के बने रहने की संभावना नहीं है। उनकी यह टिप्पणी कुछ अपवादों के साथ, सभी निजी क्रिप्टोकरेंसी पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार द्वारा संसद में पेश किए जाने की खातिर एक विधेयक के सूचीबद्ध किए जाने के एक दिन बाद आयी है। गौरतलब है कि सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में क्रिप्टोकरेंसी से संबंधित विधेयक पेश कर सकती है। इसमें निजी क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंधित करने तथा रिजर्व बैंक द्वारा जारी डिजिटल मुद्रा को विनियमित करने के लिये ढांचा तैयार करने की बात कही गयी है। लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान निचले सदन में पेश किये जाने वाले विधेयकों की सूची में क्रिप्टोकरेंसी एवं आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विनियमन विधेयक 2021 सूचीबद्ध है। इस विधेयक में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आधिकारिक डिजिटल मुद्रा के सृजन के लिये एक सहायक ढांचा सृजित करने की बात कही गयी है। इस प्रस्तावित विधेयक में भारत में सभी तरह की निजी क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंधित करने की बात कही गयी है। हालांकि, इसमें कुछ अपवाद भी है, ताकि क्रिप्टोकरेंसी से संबंधित प्रौद्योगिकी एवं इसके उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए। भारत में अभी क्रिप्टोकरेंसी के उपयोग के संबंध में न तो कोई प्रतिबंध है और न ही कोई नियमन की व्यवस्था है।

महंगा हुआ पारले बिस्कुट, पैकेट पर घटेगा वजन

नई दिल्ली। प्रमुख खाद्य कंपनी पारले प्रोडक्ट्स ने उत्पादन लागत में वृद्धि के मद्देनजर अपने उत्पादों की सभी श्रेणियों में कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत की वृद्धि की है। कंपनी के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि चीनी, गेहूं और खाद्य तेल जैसे कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के चलते यह कदम उठाना पड़ा है। बिस्कुट खंड में पारले के उत्पादों में पारले जी, हाइड एंड सीक और क्रैकजैक जैसे लोकप्रिय ब्रांड शामिल हैं। कंपनी ने रस्क और केक खंड में कीमतों में क्रमशः 5-10 प्रतिशत और 7-8 प्रतिशत की वृद्धि की है। इसका सबसे लोकप्रिय ग्लूकोज बिस्किट पारले जी अब 6-7 प्रतिशत महंगा हो गया है। पारले प्रोडक्ट्स के वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख मयंक शाह ने कहा, ''हमने कीमतों में 5-10 प्रतिशत की वृद्धि की है।'' उन्होंने कहा कि कंपनी ने 20 रुपये या अधिक मूल्य के बिस्कुट और अन्य उत्पादों के दाम बढ़ाए हैं। वहीं कीमतों को आकर्षक स्तर पर बनाए रखने के लिए पैकेट के 'ग्राम' में कटौती की है।

क्रिप्टोकरंसी | **क्रिप्टो को फॉरेन एसेट के रूप में रखने का भी मामला प्रभावित हो सकता है**

जिनके पास है क्रिप्टोकरंसी , बैन के बाद उनपर क्या होगा असर?

खबर के आने के साथ ही क्रिप्टो में निवेश करने वाले लोगों के बीच हड़कंप मच गया। कईयों ने तो बिकवाली भी शुरू कर दी। बिटकॉइन सहित कई दूसरे क्रिप्टो के भाव नीचे आ गए।

एजेंसी

नई दिल्ली। डिजिटल मुद्रा क्रिप्टोकरंसी पर सरकार आगामी शीतकालीन सत्र में विधेयक लाने की तैयारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक विधेयक आने के बाद भारत में सभी प्राइवेट क्रिप्टो करेंसी पर प्रतिबंध लग सकता है। इसके बाद सबसे बड़ा सवाल यही आ रहा है कि आखिर भारत में जिन लोगों ने क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर रखा है उनका क्या होगा? विशेषज्ञों की मानें तो बैन के बाद भारत में क्रिप्टो की खरीद-फरोख्त बंद हो जाएगी। इसके साथ ही क्रिप्टो को फॉरेन एसेट के रूप में रखने का भी मामला प्रभावित हो सकता है। बैन के बाद बिटकॉइन सहित वे सभी क्रिप्टो पर असर पड़ेगा जिन्हें सरकार ने जारी नहीं किया है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों के पास क्रिप्टो करेंसी है जिसकी वर्तमान वैल्यू अरबों डॉलर में बताई जा रही है। ऐसे में क्रिप्टो करेंसी के बैन होने के बाद इसके फोल्डेड पर क्या असर होगा? एक विशेषज्ञ ने इस पर दावा किया है कि इस बात को सरकार बिल में जरूर ध्यान में रखेगी। सरकार ही बताएगी कि वर्तमान में जो क्रिप्टो करेंसी हैं उन्हें कहां भेजना है और कैसे

डिस्पोज करना है। हालांकि बिल में यह बात है भी या नहीं है, इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। लेकिन सरकार आने वाले दिनों में इस को लेकर जरूर जानकारी दें। प्रतिबंध के बाद इंटरनेशनल एक्सचेंज पर भी क्रिप्टो में ट्रेड नहीं किया जा सकेगा। खबर के आने के साथ ही क्रिप्टो में निवेश करने वाले लोगों के बीच हड़कंप मच गया। कईयों ने तो बिकवाली भी शुरू कर दी। बिटकॉइन सहित कई दूसरे क्रिप्टो के भाव नीचे आ गए। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि अफरा-तफरी मचाने की बजाए वक्त का इंतजार करना चाहिए तभी तस्वीर साफ हो सकेगी। गौरतलब है कि सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में क्रिप्टोकरेंसी से संबंधित विधेयक पेश कर सकती है। लोकसभा के बुलेटिन के अनुसार, संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान निचले सदन में पेश किये जाने वाले विधेयकों की सूची में क्रिप्टोकरेंसी एवं आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विनियमन विधेयक 2021 सूचीबद्ध है। इस विधेयक में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आधिकारिक डिजिटल मुद्रा के सृजन के लिये एक सहायक ढांचा सृजित करने की बात कही गयी है। इस प्रस्तावित विधेयक में भारत में सभी तरह की निजी क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंधित करने की बात कही गयी है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि इस समय मौजूद 6,000 क्रिप्टोकरंसी में से कुछ ही आगे बनी रहेंगी। राजन ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सनक की 17 वीं शताब्दी में नीदरलैंड में ट्यूलिप फूल को लेकर दीवानगी से तुलना करते हुए कहा कि लोग दो कारणों से क्रिप्टोकरेंसी रखते हैं - एक कि यह एक संपत्ति है जिसका मूल्य बढ़ सकता है ओर मुद्रा के रूप में इसे रखा जा सकता है और दूसरा, इसका उपयोग भुगतान में किया जा सकता है। उन्होंने कहा, क्या हमें भुगतान करने के लिए वास्तव में 6,000 क्रिप्टोकरेंसी की जरूरत है? एक या दो, (क्रिप्टोकरेंसी) शायद मुट्ठी भर हो सकती हैं, जो भुगतान में इस्तेमाल के लिए आगे बनी रहें, भले ही यह तकनीक इतनी उपयोगी है कि यह नकदी और मुद्रा का विकल्प हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय छात्रों की वापसी के बारे में चीन का रुख अब भी स्पष्ट नहीं

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को कहा कि चीनी विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे आसियान देशों के छात्रों को शीघ्र वापस आने की वह अनुमति देगा, लेकिन कोविड-19 से जुड़ी बीजिंग की वीजा पाबंदियों के चलते पिछले साल से स्वदेश में अटके हुए 23,000 से अधिक भारतीय छात्रों की वापसी पर उसका रुख अस्पष्ट बना हुआ है। चीन-आसियान देशों के सम्मेलन में आसियान देशों के छात्रों के शीघ्र लौटने का उल्लेख किये जाने और भारत एवं दक्षिण एशिया के छात्रों को भी क्या बीजिंग अनुमति देगा, इस बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय प्रवक्ता झाओ लिजियान ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि चीन विदेशी छात्रों को लौटने के लिए एक समन्वित तरीके की व्यवस्था पर विचार कर रहा है। आसियान देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया,लाओस, मलेशिया, म्यामां, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं।

लिजियान ने कहा,''विदेश छात्रों के अध्ययन के लिए चीन लौटने के बारे में कोविड-19 के बीच सुरक्षा सुनिश्चित करने के आधार पर हम समन्वित तरीके वाली एक व्यवस्था पर विचार करेंगे।''उन्होंने कहा, ''साथ ही, मैं फिर से जोर देते हुए कहना चाहूंगा कि महामारी की उभरती स्थिति के आलोक में चीन वैज्ञानिक विश्लेषण पर आधारित समन्वित तरीके से रोकथाम व नियंत्रण उपायों पर फैसला करेगा।'' चीन ने पिछले साल से भारतीयों को वीजा जारी करना बंद कर रखा है और वर्तमान में दोनों देशों के बीच उड़ानों का परिचालन नहीं हो रहा है, जिसके चलते 23,000 से अधिक छात्र, भारतीय कारोबारी और उनके परिवार स्वदेश में अटक गये हैं। इन छात्रों में ज्यादातर छात्र चीन में मेडिसिन की पढ़ाई करते हैं। वहीं, चीन में अध्ययन कर रहे दक्षिण एशियाई देशों के छात्रों को भी अपने-अपने देश में रूकना पड़ गया है। वे चीन की यात्रा पाबंदियों में ढील मिलने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे वहां जाकर अपना अध्ययन पूरा कर सकें।

मैग्डेलेना एंडरसन स्वीडन की पहली महिला प्रधान मंत्री बनीं, कुछ घंटों के भीतर दिया इस्तीफा

कोपनहेगन। स्वीडन की प्रधानमंत्री चुने जाने के कुछ घंटों बाद ही संसद में बजट प्रस्ताव गिरने पर, मेगदालेना एंडरसन ने बुधवार को पद से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही सहयोगी दल द ग्रीन्स ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया। एंडरसन ने संवाददाताओं से कहा, "मेरे लिए यह सम्मान का प्रश्न है लेकिन मैं ऐसी सरकार का नेतृत्व नहीं करना चाहती जिसकी वैधानिकता पर सवाल खड़ा किया जा सके।"

एंडरसन ने संसद के अध्यक्ष एंड्रियास नोरलेन से कहा है कि वह अब भी 'सोशल डेमोक्रेटिक' की एक पार्टी की सरकार का नेतृत्व करने की इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक पार्टी सरकार से समर्थन वापस लेती है तो गठबंधन की सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए। स्वीडन की 349 सीटों वाली संसद के अध्यक्ष एंड्रियास नोरलेन ने कहा कि उन्हें एंडरसन का इस्तीफा मिल गया है और वह स्थिति पर चर्चा के लिए पार्टी के नेताओं से बात करेंगे।

दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना लाहौर, जहरीले धुएं में सांस लेना हुआ मुश्किल

लाहौर। स्मॉग की चादर में लिपटा पाकिस्तान का लाहौर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है। पिछले दिनों जब इस शहर में हवा की गुणवत्ता एक्यूआई के पैमाने पर बढ़कर 348 हो गई तो इसे दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर का तमगा मिला। हवा की गुणवत्ता पर नजर रखने वाले स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी कंपनी एयर विजुअल की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाने वाला लाहौर सबसे प्रदूषित शहर की सूची में नंबर वन पर है। लाहौर की गिनती पाकिस्तान के सबसे बड़े इलाके में होती है और इसकी आबादी एक करोड़ 10 लाख के करीब है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो बीते कुछ वक्त में शहर की हवा लगातार खराब होती गई। अमेरिकी पैमाने के अनुसार लाहौर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 203 रहा जबकि दिल्ली दूसरे नंबर पर है और वहां का सूचकांक 183 दर्ज किया गया।

कंपनी के अनुसार ढाका (बांग्लादेश) 169 सूचकांक के साथ तीसरे और कोलकाता 168 सूचकांक के साथ चौथे नंबर पर रहा। गौरतलब है कि इन दिनों उत्तर भारत में भी कमोबेश धुंध की चादर देखने को मिली थी। हालांकि अब हालात काफी हद तक बदलते नजर आ रहे हैं और धुंध की परत का साया दिल्ली एनसीआर से छटती नजर आ रही है। गौरतलब है कि लाहौर को किसी जमाने में बागों का शहर कहा जाता था। 16वीं से 19वीं शताब्दी के बीच मुगल काल के दौरान यहां बड़ी संख्या में बाग थे। लेकिन तेजी से शहरीकरण और बढ़ती आबादी की वजह से अब शहर में बहुत कम हरियाली बची है। लाहौर को कराची के बाद पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा शहर माना जाता है। इसे पाकिस्तान की सांस्कृतिक राजधानी का भी तमगा प्राप्त है।

कार्यवाही के दौरान संसद में बच्चे को साथ लाने में लगा बैन, बताया नियमों के खिलाफ

लंदन। ब्रिटेन में 'हाउस ऑफ कॉमन्स' के स्पीकर ने संसद चैंबर में बच्चों को लाने की अनुमति देने संबंधी नियमों की समीक्षा करने की बुधवार को घोषणा की। एक सांसद ने शिकायत की थी कि उन्हें तीन महीने के अपने बच्चे को सदन में ले जाने पर रोक दिया गया। विपक्षी दल लेबर पार्टी की सांसद स्टेला क्रीजी को बताया गया था कि संसद परिसर के वेस्टमिंस्टर हॉल में बच्चे को बहस के दौरान लाना नियमों के खिलाफ है। क्रीजी ने कहा कि उन्हें मंगलवार को एक परिचर्चा में अपने बेटेको लाने के बाद 'हाउस ऑफ कॉमन्स' की ओर से एक पत्र मिला।

'हाउस ऑफ कॉमन्स'के स्पीकर सर लिंडसे होयले ने कहा कि उन्होंने संसदीय संचालन समिति को नियमों की समीक्षा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, ''नियमों को संदर्भ में देखा जाना चाहिए और वे समय के साथ बदलते रहते हैं।'' होयले ने कहा, ''इस सदन को पेशेवर रूप से और बिना किसी बाधा के कार्य करने में सक्षम होना चाहिए। हालांकि, कभी-कभी ऐसे अवसर भी हो सकते हैं जब अध्यक्ष यह मानते हुए विवेक का प्रयोग कर सकत है कि कार्यवाही में व्यवधान नहीं होना चाहिए।'' क्रीजी ने कहा कि वह पहले अपने बेटे और उससे भी पहले बड़ी बेटी को बिना किसी परेशानी के संसद में ला चुकी थीं, लेकिन उन्हें बताया गया कि सितंबर में नियम बदले जा चुके हैं। अब सांसदों को सलाह दी गई है कि उन्हें बच्चों को अपने साथ नहीं लाना चाहिये। क्रीजी ने संसद के नियमों के बारे में ट्वीट किया और प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने भी इस मुद्दे पर उनका समर्थन किया।

31 प्रवासियों की नाव पलटने से मौत इंग्लिश चैनल पार करते समय हुई घटना

दो लोगों को बचा लिया गया है, एक व्यक्ति अब भी लापता

एजेंसी

पेरिस। इंग्लिश चैनल पार करते समय नौका डूबने से ब्रिटेन जा रहे कम से कम 31 प्रवासियों की मौत हो गई। फ्रांस के गृह मंत्री ने इसे प्रवासियों के खतरनाक पलायन से जुड़ी अब तक की सबसे बड़ी त्रासदी बताया है। गृह मंत्री गेराल्ड दारमैनिन ने कहा कि अनुमान है कि नाव पर 34 लोग सवार थे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को बुधवार को 31 शव मिले जिनमें पांच महिलाएं और एक लड़की शामिल है और दो लोगों को बचा लिया गया हैं। एक व्यक्ति अब भी लापता है। यात्री किस देश से हैं, इसका तत्काल पता नहीं चल पाया है। संघर्ष, गरीबी से निजात पाने और बेहतर जीवन की आस में ब्रिटेन की ओर पलायन करने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है जो जीवन को जोखिम में डालकर फ्रांस से समुद्र के रास्ते नौका से यात्रा करते हैं। हादसे में जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए फ्रांस-ब्रिटेन का

इंग्लिश चैनल में प्रवासियों की नाव पलटने से 31 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों को बुधवार को 31 शव मिले जिनमें पांच महिलाएं और एक लड़की शामिल है और दो लोगों को बचा लिया गया हैं। एक व्यक्ति अब भी लापता है

एक संयुक्त खोज अभियान बुधवार देर रात जारी रहा। दारमैनिन ने फ्रांस के बंदरगाह शहर कैलिस में संवाददाताओं से कहा कि हादसे का शिकार हुई नौका से जुड़े होने के संदेह में चार संदिग्ध तस्करों को बुधवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि बाद में दो संदिग्धों को अदालत में पेश किया गया। क्षेत्रीय अभियोजक ने घटना के बाद हत्या, संगठित अवैध प्रवास और अन्य आरोपों की जांच शुरू की। जांच की देखरेख कर रहे लिले अभियोजक कार्यालय की अभियोजक कैरोल एटियेन ने कहा कि अधिकारी पीड़ितों की पहचान करने और उनकी उम्र और राष्ट्रीयता निर्धारित करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यात्रियों के बारे में अधिक जानकारी सामने आने पर, जांच में कई देश शामिल हो सकते हैं। दारमैनिन ने कहा, ''लोगों को इस तरह से समुद्र में मरते देखना, फ्रांस, यूरोप, मानवता के लिए बहुत बड़ा शोक का दिन है।'' उन्होंने ब्रिटेन के साथ समन्वय का आह्वान करते हुए कहा, ''प्रतिक्रिया ग्रेट ब्रिटेन से भी आनी चाहिए।''प्रवासियों से जुड़ी पूर्व की अन्य घटनाओं के मद्देनजर दारमैनिन ने ''आपराधिक तस्करों'' पर हमला बोला जो हजारों लोगों का जीवन जोखिम में डालते हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने सरकार की संकट समिति की बैठक बुलाई। दारमैनिन और कैलिस घटना में जीवित बचे लोगों को देखने के लिए अस्पताल पहुंचे। दोनों देशों की सरकारों के बीच प्रवासियों का पलायन रोकने के मुद्दे पर लंबे समय से सहमति नहीं बनी है और दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर इस संबंध में पर्याप्त काम नहीं करने का आरोप लगाया है।

जर्मनी में नयी सरकार के लिए तीन दलों के बीच समझौता

मर्केल युग का होगा अंत

एजेंसी

बर्लिन। जर्मनी की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ओलाफ शॉल्त्स ने बुधवार को कहा कि नयी सरकार बनाने के लिए तीन दलों के बीच समझौता हो गया है और इसके साथ ही लंबे समय से चांसलर रहीं एंजेला मर्केल का युग समाप्त हो जाएगा। शॉल्त्स ने कहा कि नयी सरकार बड़े प्रभावों की राजनीति की संभावना की तलाश करेगी। उन्होंने जोर दिया कि संप्रभु यूरोप का महत्व, फ्रांस के साथ मित्रता और अमेरिका के साथ साझेदारी जैसे मुद्दे सरकार की विदेश नीति के प्रमुख आधार होंगे तथा युद्ध के बाद की लंबी परंपरा जारी रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तीनों पार्टियों के सदस्य अगले 10 दिनों में समझौते पर अपनी सहमति दे देंगे। इससे पहले कहा गया था कि अगली सरकार बनाने के लिए बातचीत कर रहे तीनों दल बुधवार को गठबंधन समझौते को अंतिम रूप दे देंगे। इसके साथ ही लंबे समय से देश पर शासन कर रहीं

चांसलर एंजेला मर्केल का दौर खत्म हो जाएगा और मौजूदा वित्त मंत्री तथा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी नेता ओलाफ शॉल्त्स आने वाले दिनों में उनका स्थान ले सकते हैं। राष्ट्रीय चुनाव में 26 सितंबर को मामूली जीत के बाद से सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी, ग्रीन पार्टी और फ्री डेमोक्रेट्स के साथ बातचीत कर रही है। पर्यावरणवादी ग्रीन पार्टी और फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी ने कहा कि समझौते का ब्योरा बुधवार दोपहर बाद पेश किया जाएगा। अभी तक देश की किसी राष्ट्रीय सरकार में त्रिपक्षीय गठबंधन को नहीं आजमाया गया है। अगर तीनों दलों के सदस्य समझौते को अंतिम रूप देते हैं तो यह देश की पारंपरिक बड़ी पार्टियों के मौजूदा महागठबंधन की जगह लेगा।

विदेशों के सामने आ गई 'भर दो झोली मेरी...' कहने की नौबत

इमरान ने माना कंगाल हुआ पाकिस्तान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पास देश चलाने लायक पैसे भी नहीं बचे हैं। इसलिए विदेशों के सामने झोली फैलानी पड़ रही है। पाकिस्तान फेडरल बोर्ड ऑफ रेवन्यू के पहले टैक एंड ट्रेस सिस्टम उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए इमरान खान ने कहा कि देश चलाने के लिए पर्याप्त पैसा न होना सबसे बड़ी चुनौती है जिसकी वजह से उधार लेना पड़ता। एक पुरानी कहावत है 'घर में नहीं है दाने, अम्मा चली भुनाने' मतलब योग्यता एवं सामर्थ्य न होने पर भी बढ़-चढ़ कर बातें करना, दिखावटी ठाटबाट, पर सार कुछ भी नहीं। यही हाल भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का इन दिनों है। एक तरफ आतंक को पनाह देना और उसे भारत के लिए इस्तेमाल करना, आतंकियों पर जमकर पैसा बहाना वहीं दूसरी तरफ मुल्क की हालत ऐसी हो गई है कि सरकार के पास देश चलाने के लिए भी पैसे नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने आखिरकार सत्य को स्वीकार करते हुए मान लिया कि अपनी कारगुजारियों की वजह से मुल्क बर्बादी के कगार पर आ खड़ा हुआ है। पाकिस्तानी कप्तान ने स्वीकारा है कि उनकी हुकूमत के पास देश चलाने तक के लिए पैसा नहीं है। पाकिस्तान के पास देश चलाने लायक पैसे भी नहीं

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने आखिरकार सत्य को स्वीकार करते हुए मान लिया कि अपनी कारगुजारियों की वजह से मुल्क बर्बादी के कगार पर आ खड़ा हुआ है। पाकिस्तानी कप्तान ने स्वीकारा है कि उनकी हुकूमत के पास देश चलाने तक के लिए पैसा नहीं है। पाकिस्तान के पास देश चलाने लायक पैसे भी नहीं बचे हैं। इसलिए विदेशों के सामने झोली फैलानी पड़ रही है।

बचे हैं। इसलिए विदेशों के सामने झोली फैलानी पड़ रही है। पाकिस्तान फेडरल बोर्ड ऑफ रेवन्यू के पहले टैक एंड ट्रेस सिस्टम उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए इमरान खान ने कहा कि देश चलाने के लिए पर्याप्त पैसा न होना सबसे बड़ी चुनौती है जिसकी वजह से उधार लेना पड़ता है। इमरान खान ने पैसों की तंगी की वजह टैक्स कलेक्शन में कमी और बढ़ते विदेशी कर्ज को बताते हुए कहा कि ये पाकिस्तान की सुरक्षा का राष्ट्रीय मुद्दा बन गया है। इमरान खान ने ब्रिटेन का उदाहरण देते हुए कहा कि पाकिस्तान से 50 गुणा अधिक आय वाले ब्रिटेन के मंत्री जब विदेश यात्रा पर जाते हैं तो पांच घंटे से कम की फ्लाइट के लिए वे इकॉनमी क्लास यूज करते हैं। उन्हें पता है कि जनता का पैसा इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके विपरीत अतीत में पाकिस्तानी नेताओं ने इस पर जमकर पैसा खर्च किया। खान ने आगे कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जब अमेरिकी यात्रा पर जाते हैं तो देश का पैसा बचाने के लिए यूएस स्थित यूके के दूतावास में रुकते हैं। लेकिन पाकिस्तान में ये संस्कृति भी विकसित नहीं हुई।

रूस पर परमाणु हमला करने की योजना बना रहा था अमेरिका? 20 किमी के भीतर आ गए US बॉम्बर्स

एजेंसी

रूस के रक्षा मंत्री ने अमेरिकी हमलावरों ने नवंबर महीने की शुरुआत में दो अलग-अलग दिशाओं से रूस पर परमाणु हमले का पूर्वाभ्यास किया था। रूस का आरोप है कि अमेरिकी विमान रूसी सीमा के 20 किमी (12.4 मील) के भीतर आ गए थे। रूस और यूक्रेन के बीच की तनातनी जल्द ही हिंसक मोड़ लेने की आशंका जताई जा रही है। लेकिन अब रूस की तरफ से अमेरिका को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। रूस के रक्षा मंत्री ने अमेरिका पर बड़ा आरोप लगाते हुए दावा किया है कि उन पर परमाणु हमला करने के इरादे से यूएस बॉम्बर्स की तरफ से पूर्वाभ्यास किया गया था। रूस के रक्षा मंत्री ने अमेरिकी हमलावरों ने नवंबर महीने की शुरुआत में दो अलग-अलग दिशाओं से रूस पर परमाणु हमले का पूर्वाभ्यास किया था। रूस का आरोप है कि अमेरिकी विमान रूसी सीमा के 20 किमी (12.4 मील) के भीतर आ गए थे। रूस की तरफ से ये बड़ा आरोप ऐसे समय में सामने आया है जब यूक्रेन को लेकर वाशिंगटन और मॉस्को के बीच तनातनी की स्थिति लगातार बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी अधिकारियों को अपने दक्षिणी पड़ोसी यूक्रेन पर रूसी हमले को लेकर आशंका जताई जा रही है। मॉस्को ने बदले में संयुक्त राज्य अमेरिका, नाटो और यूक्रेन पर उत्तेजक और गैर-जिम्मेदार व्यवहार का आरोप लगाया है। दरअसल, रूस का इशारा यूक्रेन को अमेरिकी हथियारों की आपूर्ति, यूक्रेन द्वारा पूर्वी यूक्रेन में रूसी समर्थित अलगाववादियों के खिलाफ तुर्की स्ट्राइक ड्रोन के उपयोग और नाटो सैन्य अभ्यास की ओर था। रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने कहा कि मास्को ने अमेरिकी रणनीतिक हमलावरों द्वारा गतिविधि में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि उन्होंने इस महीने रूस के करीब 30 उड़ानें भरी थीं। उन्होंने कहा कि यह पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 2.5 गुना अधिक है। शोइगु ने कहा कि रूस के खिलाफ अमेरिकी परमाणु हमले का प्रयास है।

चीन ने पहली बार हिंद-प्रशांत पहल को स्वीकार किया

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को पहली बार आधिकारिक तौर पर हिंद-प्रशांत पहल को स्वीकार किया, जिसे वह अब तक नकारता रहा था। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से कहा, चीन ने भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल पर गौर किया है। वह आसियान-चीन वार्ता संबंधों की 30वीं वर्षगांठ से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को बैठक की वीडियो लिंक के जरिए अध्यक्षता की थी। जब लिजियन से चीन-आसियान संयुक्त बयान में रणनीतिक हिंद-प्रशांत क्षेत्र का जिक्र किए जाने के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि चीन हमेशा क्षेत्रीय ढांचे में आसियान की केंद्रीय भूमिका का समर्थन करता है, तथा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों में बड़ी भूमिका निभाने में आसियान का समर्थन करता है। यह सवाल किए जाने पर कि क्या भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल और सोमवार की शिखर बैठक के दौरान चीन और आसियान द्वारा की गयी चर्चा के बीच चीन कोई समानता देखता है।

सुर्खियां | भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण और तालिबान की वजह से क्यों सुर्खियों में है

भारत के लिए चाबहार बंदरगाह की अहमियत

एजेंसी

ऐ जवानो, गरीब तोड़ देती है जो रिश्ते खास होते हैं, पराए अपने होते हैं जब पैसे पास होते हैं।

साल 2012 में आई अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में कही गई इन लाइनों का आशय यही है कि जब आपके पास कुछ भी नहीं है तो किसी के द्वारा आपको भाव नहीं दिया जाएगा। लेकिन जब शक्ति है तो बड़ी से बड़ी महाशक्ति और अपने आप में विचित्र संगठन भी आपको समर्थन देने लग जाता है। ईरान का चाबहार बंदरगाह इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में है। काबुल पर तालिबानी कब्जे का असर चाबहार बंदरगाह की सक्रियता पर भी पड़ा था। लेकिन पाकिस्तान द्वारा पोषण देने और चीन की तरफ से लगातार मान्यता देने की बात से अलग होते हुए तालिबान ने दोनों ही मित्र देशों को बड़ा झटका दिया है। भारत के साथ बेहतर राजनयिक और व्यापारिक संबंधों की चाह लिए बैठा तालिबान क्षेत्रीय और वैश्विक व्यापाक को को सुगम बनाने

अफगानिस्तान के इलाके तक जमीन के रास्ते पहुंचना संभव नहीं है। यहां पहुंचने के लिए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का सहारान लेना पड़ता है या फिर ईरान के माध्यम से ही पहुंचा जा सकता है

के लिए चाबहार पोर्ट का समर्थन तिया है। तालिबान के आश्वासन के बाद यहां के ट्रैफिक में फिर से बढोतरी देखने को मिली है। चाबहार बंदरगाह ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है। ओमान की खाड़ी में स्थित ये बंदरगाह ईरान के दक्षिणी समुद्र तट को भारत के पश्चिमी समुद्री तट से जोड़ता है। चाबहार बंदरहाग ईरान के दक्षिणी पूर्वी समुद्री किनारे पर बना है। इस बंदरगाह को ईरान द्वारा व्यापार मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया। पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के पश्चिम की तरफ मात्र 72 किलोमीटर की दूर पर है। अभी तक मात्र 2.5 मिलियन टन तक के समान ढोने की क्षमता वाले इस बंदरगाह को भारत,ईरान और अफगानिस्तान मिलकर इसे 80 मिलियन टन तक समान ढोने की क्षमता वाला बन्दरगाह विकसित करने की परियोजना बना रहे हैं। अफगानिस्तान के इलाके तक जमीन के रास्ते पहुंचना संभव नहीं है। यहां पहुंचने के लिए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का सहारान लेना पड़ता है या फिर ईरान के माध्यम से ही पहुंचा जा सकता है। कराची के रास्ते होने वाले निर्यात या फिर ईरान के बरास्ते होने वाले निर्यात की तुलना में चाबहार से अफगानिस्तान पहुंचना बेहद सस्ता होगा। जिसके पीछे की वजह इसका देश के एकदम करीब होना है। अमेरिका की तरफ से भारत को प्रतिबंधों के बावजूद चाबहार डील पर मंजूरी मिली थी क्योंकि ये अफगानिस्तान के पुर्ननिर्माण में बहुत मददगार था। यह बंदरगाह ईरान से ज्यादा अफगानिस्तान के लिए फायदेमंद था। चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारत की हिस्सेदारी से उसे अफगानिस्तान में वैकल्पिक और भरोसेमंद रास्ता मिल सकेगा। ईरान के दक्षिणी-पूर्वी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत स्थित चाबहार बंदरगाह भारत को अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया में समंदर पर आधारित रास्ता मुहैया कराता है।

हालात स्थिर बनाने को लेकर आर्मेनिया और आजरबैजान के बीच हॉटलाइन स्थापित करने का समझौता

एजेंसी

येरेवान। आर्मेनिया और आजरबैजान की सीमा पर गत सप्ताह हिंसक झड़पों के बाद दोनों देशों के रक्षा प्रमुखों के बीच एक हॉटलाइन स्थापित करने संबंधी समझौता किया गया है। आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यान ने मंगलवार को एक ऑनलाइन समाचार सम्मेलन में कहा कि आर्मेनिया और आजरबैजान के अधिकारियों के बीच संपर्क अधिक होना चाहिए ताकि ''हालात स्थिर बनाने, समाधान तलाशने और संकटों से बचने की कोशिश में मदद'' मिल सके। पाशिन्यान ने कहा कि 16 नवंबर को झड़पों में आर्मेनिया के छह सैनिक मारे गए और आजरबैजान ने 32 अन्य सैनिकों को कैदी बना लिया। आजरबैजान ने बताया कि उसके सात सैनिक मारे गए। आर्मेनिया और आजरबैजान के बीच अलगाववादी क्षेत्र नेगार्नो-काराबाख को लेकर दशकों से विवाद चल रहा है। नेगार्नो-काराबाख आजरबैजान के क्षेत्र में आता है लेकिन यह 1994 में खत्म हुए अलगाववादी युद्ध के बाद से आर्मेनिया द्वारा समर्थित जातीय आर्मेनियाई बलों के नियंत्रण में था। इस क्षेत्र में लड़ाई सितंबर 2020 में शुरू हुई और 44 दिनों के भीषण युद्ध में हजारों लोग मारे गए। इस युद्ध में आजरबैजान की सेना ने आर्मेनिया की सेना को खदेड़ दिया। रूस ने शांति समझौते पर नजर रखने के लिए कम से कम पांच वर्षों के लिए करीब 2,000 शांति रक्षकों को तैनात किया है। इस शांति समझौते का आजरबैजान में जीत के तौर पर जश्न मनाया गया लेकिन आर्मेनिया में इसे विपक्षियों द्वारा विश्वासघात के तौर पर देखा जाता है। पाशिन्यान ने आर्मेनियाई बलों के नेगार्नो-काराबाख क्षेत्र पर नियंत्रण खोने से रोकने का एकमात्र रास्ता बताते हुए इसका बचाव किया। मंगलवार को राजधानी मध्य येरेवान में करीब 2,000 विपक्षी समर्थक एकजुट हुए और उन्होंने पाशिन्यान से सीमांकन समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उसे सार्वजनिक करने का अनुरोध किया।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के इलाके की नेशनल हॉकी खिलाड़ी नेहा पाई पाई को मोहताज --रेहड़ी लगाकर कर रही गुजारा

एजेंसी

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर कस्बे में नेशनल हॉकी तक खेल चुकी एक खिलाड़ी इन दिनों अपने परिवार की रोजी रोटी के लिये रेहड़ी लगाने को मजबूर है। बीमार पिता का सहारा नेहा हमीरपुर बाजार में रेहड़ी लगाकर फास्ट फूड बेचकर दो वक्त की रोटी का जुगाड़ कर रही है। यह सब उसी इलाके में हो रहा है जहां से केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर सांसद चुनकर आते हैं। अपने सांसद से भी यह परिवार मदद की गुहार लगा चुका है। लेकिन अभी तक इस बदहाल परिवार के हालात पर अनुराग ठाकुर का भी दिल पसीजा नही है। नेहा इन दिनों अपने बीमार पिता का इलाज भी करवा रही है। घर में मुफलिसी का दौर है। तो छोटी बहन भी उसकी मदद करती है। जिससे यह लोग रेहड़ी पर फास्ट फूड फूड बेचकर किसी तरह अपना घर चला रहे हैं। लेकिन इन दिनों खराब मौसम के चलते आमदनी भी कम हुई है। नेहा के पिता चंद्र सिंह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे हैं। उनका कांगडा के टांडा मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है और कई महीने से बिस्तर पर ही हैं वह मछली कॉर्नर चलाते थे। जिसकी वजह से पूरे परिवार की जिम्मेदारी अब नेहा और उनकी छोटी बहन निकिता पर आ गई है। छोटी बहन निकिता ग्रेजूएशन की पढ़ाई कर रही हैं। और भाई अंकुश बाल स्कूल हमीरपुर में पड़ता है। नेहा अपने परिवार के साथ छोटी सी जर्जर झुग्गी झोपड़ी में रहती है। कुछ अरसा पहले नगर परिषद हमीरपुर के वार्ड नंबर 10 के पास सरकार ने 4 मरले जमीन उनको। लेकिन पास पैसे ना होने की वजह से उस पर घर नहीं बना सके। नेहा की मां निर्मला देवी ने बताया कि अगर बेटी को नौकरी मिल जाए तो उनकी मुश्किलें कम हो जाएंगी। नेहा का कहना है कि उन्हें खेल में करियर की उम्मीद बिल्कुल भी नहीं है वह सिर्फ अपने परिवार के गुजारे के लिए मैच खेल लेती हैं ताकि कुछ पैसे मिल जाएं। आठवीं कक्षा के दौरान उनका चयन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के धर्मशाला हॉस्टल के लिए हुआ था। उसने राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में सिल्वर मेडल अपने नाम किया हॉकी जूनियर वर्ग में 2 नेशनल खेले वेटलिफ्टिंग में पंजाब की तरफ से स्पर्धा में हिस्सा लिया। उन्होंने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द उनके घर के निर्माण के लिए पैसा दिया जाए। राष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों को रोजगार भी दिया जाए। इसके अलावा नेहा ने बताया कि जब खेल अकादमी उसको खिलाड़ियों की जरूरत होती है तब तो खिलाड़ियों को बुलाया जाता है। लेकिन बाद में भुला दिया जाता है। उन्होंने बताया कि कई बार खेल के दौरान वह चोटिल भी हुईं। लेकिन किसी ने भी मदद नहीं की। इसी वजह से उन्होंने अपने भाई बहन को खेलों से दूर रखा। नेहा की मां निर्मला देवी ने बताया कि अधिकारियों का सहयोग तो उन्हें पूरा मिल रहा है। लेकिन बेटी को नौकरी न मिलने से उनका संकट दुगना हो गया है। उन्होंने बताया कि पास पडासेस के लोगों से पैसा उधार लेकर मकान का मा शुरू किया। लेकिन नेहा के पिता बीमार हो तो पैसा उन पर खर्च हो गया। जिससे मकान का काम आज भी अधर में लटका है। नेहा के पिता चंदर सिंह ने कहा कि उनकी बेटी नेहा कई बार नेशनल खेल चुकी है। व कई बार नौकरी के लिये भर्तियों में हिस्सा ले चुकी है। लेकिन कहीं मौका नहीं मिला। उन्होंने कहा कि परिवार के हालात पर अनुराग ठाकुर को भी अवगत करवाया गया, लेकिव उन्होंने भी कोई मदद नहीं की। उन्होंने सरकार से नेहा को नौकरी देने की मांग की है।

जब पंत उपलब्ध नहीं तभी 'मुश्किल काम' के लिये साहा की जरूरत होगी: राठौड़

कानपुर। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने रविवार को कहा कि रिधिमान साहा 'आदर्श टीम' खिलाड़ी हैं जिन पर हमेशा 'मुश्किल काम' के लिये निर्भर किया जा सकता है। दुर्भाग्यपूर्ण उन्हें भारत के नंबर एक विकेटकीपर ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में ही यह भूमिका निभानी होगी। साहा (37 वर्ष) मौजूदा भारतीय टीम के सबसे ज्यादा उम्र के खिलाड़ी हैं जो 11 साल पहले अपने पदार्पण के बाद अपना 39वां मैच खेल रहे हैं। पदार्पण के बाद पहले पांच वर्ष महेंद्र सिंह धोनी के लिये स्थानापन्न बनने में चले गये और अब वह 24 वर्षीय पंत के 'बैक-अप' हैं। रविवार को साहा ने गर्दन में जकड़न के साथ बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 61 रन की पारी खेली। बल्लेबाजी कोच राठौड़ ने अनुभवी विकेटकीपर के बारे में पूछे गये सवालों पर कहा, ''उसकी गर्दन में जकड़न थी और यह जानते हुए कि वह एक आदर्श टीम खिलाड़ी है, वह वही करेगा जिसकी जरूरत है।''

अलेक्सांद्र जेवरेव ने जीता एटीपी फाइनल्स खिताब

अलेक्सांद्र जेवरेव ने मेदवेदेव पर दमदार जीत से एटीपी फाइनल्स का खिताब जीता। इस महीने के शुरू में पेरिस मास्टर्स के फाइनल में जोकोविच ने भी मेदवेदेव के खिलाफ यही रणनीति अपनाकर जीत दर्ज की थी।

एजेंसी

तूरिन। अलेक्सांद्र जेवरेव ने अपने आक्रामक खेल का अच्छा नजारा पेश करके रविवार को यहां विश्व रैंकिंग के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराकर दूसरी बार एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। सेमीफाइनल में शीर्ष रैंकिंग के नोवाक जोकोविच को तीन सेट में हराने के बाद जेवरेव ने और बेहतर खेल दिखाया और मेदवेदेव को 6-4, 6-4 से पराजित किया। जेवरेव ने शुरू से हावी होने की रणनीति अपनायी और यूएस ओपन चैंपियन मेदवेदेव को कोई मौका नहीं दिया। जेवरेव ने बाद में कहा, ''यह मेरी रणनीति का हिस्सा था। वह दुनिया में बेसलाइन का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है और उसके खिलाफ आपको अंकों पर नियंत्रण बनाये रखने की जरूरत पड़ती है और आज मैंने यही किया और इसलिए मैं सफल रहा।'' इस महीने के शुरू में पेरिस मास्टर्स के फाइनल में जोकोविच ने भी मेदवेदेव के खिलाफ यही रणनीति अपनाकर जीत दर्ज की थी। इससे पहले पियरे ह्यूज हरबर्ट और निकोलस माहूट ने राजीव राम और जो सेलिसबरी को 6-4, 7-6 (0) से हराकर युगल खिताब जीता।

चुनाव लड़ने को तैयार पी वी सिंधू
BWF एथलीट आयोग में होंगी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू 17 दिसंबर से स्पेन में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के दौरान बीडब्ल्यूएफ एथलीट आयोग का चुनाव लड़ेगी। मौजूदा विश्व चैम्पियन सिंधू इस समय बाली में इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट खेल रही है।

वह छह पदों के लिये नामित नौ खिलाड़ियों में से एक हैं। खेल की शीर्ष ईकाई ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' एथलीट आयोग (2021 से 2025) का चुनाव 17 दिसंबर 2021 को टोटल एनर्जीज बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप के साथ स्पेन में होगा। मौजूदा खिलाड़ियों में से सिर्फ सिंधू दोबारा चुनाव के लिये खड़ी होंगी। उन्हें पहले 2017 में भी चुना गया था। वह इस चक्र के लिये छह महिला प्रतिनिधियों में से एक है।'' सिंधू के साथ इंडोनेशिया की महिला युगल खिलाड़ी ग्रेसिया पोली भी होंगी जो तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रही हैं। सिंधू को मई में आईओसी के 'बिलीव इन स्पोटर्स ' अभियान के लिये भी एथलीट आयोग में चुना गया था।

चीन के खिलाफ बोलने पर अचानक गायब हो जाते हैं जाने-माने लोग

एजेंसी

बीजींग। चीन की टेनिस खिलाड़ी पेंग शुआई ने एक बड़ा खुलासा किया है जिससे काफी बवाल खड़ा हो गया है। आपको बता दें कि, 2 नवंबर को चीनी खिलाड़ी पेंग ने अपने सोशल मीडिया वीबो पर एक पोस्ट जारी किया था जिसमें उन्होंने चीन के पूर्व उप-प्रधानमंत्री झांग गाओली पर यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने के आरोप लगाए थे। पेंग के इस पोस्ट के बाद वह एक बार भी सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आई और न ही उनकी कोई अपडेट मिली। लेकिन अब एक वीडियो पोस्ट जारी किया गया है जिसमें बताया जा रहा है कि,लापता टेनिस स्टार पेंग मैच देख रही हैं। इस बीच अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति

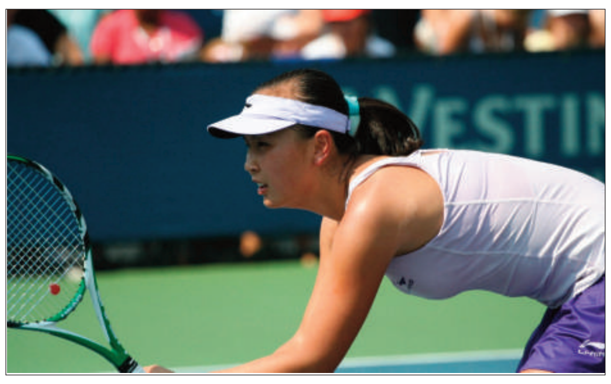

चीन की टेनिस खिलाड़ी पेंग शुआई 35 साल की है और उन्होंने टेनिस के महिला डबल्स इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दो ग्रैंड स्लैम जीता है। पेंग ने सबसे पहले साल 2013 में विंबलडन और फिर 2014 में फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया है।

(आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाच ने चीनी टेनिस खिलाड़ी पेंग शुआई के साथ 30 मिनट के लंबे वीडियो कॉल में बातचीत भी की है। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' के संपादक ने यह पोस्ट जारी किया है। इस वीडियो में पेंग पांच खिलाड़ियों के साथ नजर आ रही है। महिला टेनिस एसोसिएशन (WTA) ने भी चीन से टूर्नामेंट्स की मेजबानी छीनने की धमकी देते हुए साफ कहा है कि, अगर चीन पेंग के सुरक्षित होने का आश्वासन नहीं देता है तो उनसे टूर्नामेंट्स की मेजबानी छीन ली जाएगी। शुक्रवार को एक सरकारी प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा था कि, पेंग के लापता होने की कोई खबर नहीं है।

कौन है चीन की टेनिस खिलाड़ी पेंग शुआई

चीन की टेनिस खिलाड़ी पेंग शुआई 35 साल की है और उन्होंने टेनिस के महिला डबल्स इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दो ग्रैंड स्लैम जीता है। पेंग ने सबसे पहले साल 2013 में विंबलडन और फिर 2014 में फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया है। फरवरी 2014 में पेंग ने महिला डबल्स में नंबर वन पॉजिशन की कामयाबी हासिल की थी। वह चीन की जानी-मानी टेनिस खिलाड़ी है। पेंग ने अक्टूबर महीने की शुरुआत में सोशल मीडिया पर एक बहुत बड़ा पोस्ट जारी किया था जिसमें उन्होंने पूर्व सरकारी अधिकारी के खिलाफ यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए थे। पोस्ट पर लिखा था कि, पूर्व उप प्रधानमंत्री ने लगातार यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया था जिसे पेंग ने इनकरा कर दिया था उसेक बावजूद उन्हें यौन संबंध बनाने के लिए बाध्य किया गया। पेंग के इस पोस्ट के बाद काफी बवाल मच गया था। वीबो सोशल मीडिया से पोस्ट को हटाया गया और इस मुद्दे से संबंधित सभी खबरें अचानक से आना बंद हो गई। हालांकि यह विवाद पूरी दुनिया में तब तक फैल चुका था और इन खबरों में पेंग के गायब होने की खबरें भी सामने आई। पेंग के समर्थन में कई टोनिस खिलाड़ी आगे आए। वहीं महिला टेनिस संघ के अध्यक्ष और सीईओ स्टीव साइमन ने चीनी सरकार के खिलाफ कड़ा विरोध जताया था और कहा था कि, अगर इस मामले को लेकर कोई उचित जवाब नहीं मिलता है तो चीन भविष्य में टेनिस टूर्नामेंट्स की कोई भी मेजबानी नहीं कर पाएगा।

अपने सपनों पर 'बुर्का' डालने की बजाय कठिन डगर पर चल पड़ी ओडिशा की पहलवान ताहिरा

एजेंसी

नई दिल्ली। जब उसने कुश्ती के अखाड़े में कदम रखा तो उसे बुर्का पहनकर घर में रहने के लिये कहा गया और सहयोग में परिवार के अलावा कोई हाथ नहीं बढे लेकिन ओडिशा की ताहिरा खातून भी धुन की पक्की थी और अपने 'धर्म' का पालन करते हुए भी उसने अपने जुनून को भी जिंदा रखा। ओडिशा में कुश्ती लोकप्रिय खेल नहीं है और मुस्लिम परिवार की ताहिरा को पता था कि उसका रास्ता चुनौतियों से भरा होगा लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। अपने प्रदेश में अब तक अपराजेय रही ताहिरा राष्ट्रीय स्तर पर कामयाबी हासिल नहीं कर सकी। उसे कटक में अपने क्लब में अभ्यास के लिये मजबूत जोड़ीदार नहीं मिले और ना ही अच्छी खुराक। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में नाकामी के बावजूद वह दुखी नहीं है बल्कि मैट पर उतरना ही उसकी आंखों में चमक ला देता है। उसने पीटीआई से कहा ,'' मैने कुश्ती

से निकाह कर लिया है। अगर मैने निकाह किया तो मुझे कुश्ती छोड़ने के लिये कहा जायेगा और इसीलिये मैं निकाह नहीं करना चाहती।'' उसने कहा ,'' मेरी तीन साथी पहलवानों की शादी हो गई और अब परिवार के दबाव के कारण वे खेलती नहीं हैं।मैं नहीं चाहती कि मेरे साथ ऐसा हो। मैने शुरू ही से काफी कठिनाइयां झेली है।रिश्तेदारों और पड़ोसियों ने हमेशा मुझे हतोत्साहित किया। वे चाहते थे कि मैं घर में रहूं लेकिन मेरी मां सोहरा बीबी ने मेरा साथ दिया।''ताहिरा जब 10 साल की थी तो उसके पिता का निधन हो गया था। उसके भाइयों (एक आटो ड्राइवर और एक पेंटर) के अलावा कोच राजकिशोर साहू ने उसकी मदद की। उसने कहा ,'' कुश्ती से मुझे खुशी मिलती है।

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में अच्छा नहीं खेल सकी तो क्या हुआ। खेलने का मौका तो मिला। मैट पर कदम रखकर ही मुझे खुशी मिल जाती है।'' ताहिरा गोंडा में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में 65 किलोवर्ग के पहले दौर में बाहर हो गई। पिता की मौत के बाद अवसाद से उबरने के लिये टेनिस खेलने वाली ताहिरा को कुश्ती कोच रिहाना ने इस खेल में उतरने के लिये कहा। एक महीने के अभ्यास के बाद उसने जिला चैम्पियनशिप जीती और फिर मुड़कर नहीं देखा। ताहिरा खेल के साथ ही अपने लोगों को भी खुश रखना चाहती है।उसने कहा ,'' कटक जाने पर मैं बुर्का पहनती हूं। मुझे कैरियर के साथ अपने मजहब को भी बचाना है।खेलने उतरती हूं तो वह पहनती हूं जो जरूरी है लेकिन मैं अपने बड़ों का अपमान नहीं करती। धर्म भी चाहिये और कर्म भी।' उसने कहा ,'' मैं चाहती हूं कि एक नौकरी मिल जाये। गार्ड की ही सही। मैं योग सिखाकर अपना खर्च चलाती हूं और फिजियोथेरेपी के लिये भी लोगों की मदद करती हूं। मैने खुद से यह सीखा है।लेकिन कब तक मेरे भाई मेरा खर्च चलायेंगे।मुझे एक नौकरी की सख्त जरूरत है।'' उसे प्रोटीन वाला भोजन या सूखे मेवे भी मयस्सर नहीं है। सब्जी और भात पर गुजारा होता है जिससे शरीर में कैल्शियम और हीमोग्लोबिन की कमी हो गई है।

दक्षिण अफ्रीका में डराने लगा कोरोना का नया वेरिएंट, क्या टलेगा टीम इंडिया का दौरा?

एजेंसी

नई दिल्ली। आलम यह है कि एक बार फिर से कई देशों में लॉकडाउन के स्थिति पैदा होनी शुरू हो गई है। दक्षिण अफ्रीका में भी कोरोना वायरस का नया वेरिएंट पाया गया है जो की चिंता की बात है। साल 2020 का क्रिकेट सीजन कोरोना की भेंट चढ़ चुका है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका समेत कई यूरोपीय देशों में कोरोना के नए वेरिएंट में एक बार फिर से डराना शुरू कर दिया है। आलम यह है कि एक बार फिर से कई देशों में लॉकडाउन के स्थिति पैदा होनी शुरू हो गई है। दक्षिण अफ्रीका में भी कोरोना वायरस का नया वेरिएंट पाया गया है जो की चिंता की बात है। भारतीय क्रिकेट टीम दिसंबर के दूसरे सप्ताह में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाने वाली हैं। हालांकि जब से कोरोना के नए वेरिएंट के मामले सामने आए है तब से इस दौरे को लेकर लगातार सवाल किए जा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि क्या भारत का दक्षिण अफ्रीका दौरा टल सकता है? दरअसल, भारतीय

क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका में तीन टेस्ट, तीन वनडे और चार टी20 मैच खेलना है। इस दौरे की शुरुआत 17 दिसंबर को हो रही है। दूसरी ओर नए वेरिएंट के मिलने से दक्षिण अफ्रीकी सरकार अलर्ट हो गई है। वह बाहर से आने वाले यात्रियों की सख्ती से जांच कर रहा है। बीसीसीआई के सूत्रों ने बताया कि अभी इंतजार करिये। हम सरकार की सलाह पर अमल करेंगे। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक जब तक क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) से वहां की स्थिति का पता नहीं चल जाता तब तक हम अपने अगले कदम के बारे में नहीं बता पाएंगे। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला समाप्त होने के बाद आठ या नौ दिसंबर को रवाना होना है।

क्यूबा की महिला ने डिएगो माराडोना पर लगाया गाली-गलौज और बलात्कार का आरोप

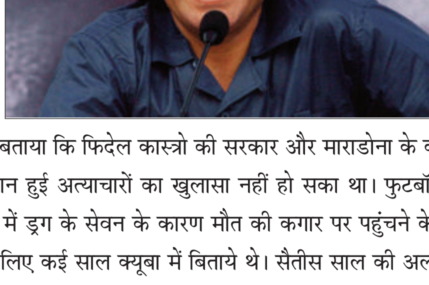

ब्यूनस आयर्स। दिवंगत स्टार डिएगो माराडोना के साथ रिश्ते में रही क्यूबा की महिला माविस अल्वारेज ने इस फुटबॉल खिलाड़ी के खिलाफ नशीली दवाओं की लत लगाने के साथ शारीरिक और यौन हिंसा का आरोप लगाया है। मानव तस्करी से जुड़े मामले में अर्जेंटीना की अदालत में बयान दर्ज करने के लिए पहुंची इस महिला ने कहा कि उनके साथ यह अत्याचार उस समय शुरू हुआ जब वह महज 16 साल की थी। क्यूबा छोड़ अमेरिका में जा बसी अल्वारेज ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि फिदेल कास्त्रो की सरकार और माराडोना के करीबी रिश्ते के कारण लगभग पांच साल के उनके रिश्ते के दौरान हुई अत्याचारों का खुलासा नहीं हो सका था। फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक माराडोना ने अधिक मात्रा में ड्रग के सेवन के कारण मौत की कगार पर पहुंचने के बाद खुद कास्त्रो के निमंत्रण पर कोकीन की लत के इलाज के लिए कई साल क्यूबा में बिताये थे। सैतीस साल की अल्वारेज कथित मानव तस्करी की प्रारंभिक जांच में सहयोग के लिए अर्जेंटीना की न्याय प्रणाली के समक्ष गवाही देने के लिए पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स पहुंची है। माराडोना की पिछले साल नवंबर में मृत्यु हो गई थी लेकिन महिला के कानूनी प्रतिनिधि पूर्व फुटबॉलर के करीबी सहयोगियों को निशाना बना रहे हैं। इसमें उनके पूर्व प्रबंधक गिलर्मो कोपोला और 2000 की दशक की शुरुआत में उनके साथ क्यूबा में रहने वाले अर्जेंटीना के उनके दोस्त शामिल है।

वर्ल्ड चैम्पियनशिप और राष्ट्रमंडल सीनियर चैम्पियनशिप से हटी मीराबाई चानू

भारत के मुख्य कोच विजय शर्मा की सलाह पर दोनों स्पर्धाओं से हट गयी है।

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू सात से 17 दिसंबर के बीच उज्बेकिस्तान के ताशकंद में होने वाली विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल सीनियर चैम्पियनशिप से हट गयी है। मीराबाई ने इस साल की शुरुआत में तोक्यो ओलंपिक में महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था और पूर्व विश्व चैंपियन भी हैं। वह भारत के मुख्य कोच विजय शर्मा की सलाह पर दोनों स्पर्धाओं से हट गयी है। शर्मा ने कहा, '' हमरा मुख्य लक्ष्य (विश्व चैम्पियनशिप एवं राष्ट्रमंडल सीनियर चैम्पियनशिप के लिए) यह है कि भारोत्तोलक अगले साल के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई करें।

उन्होंने कहा, ''हमने प्रतियोगिता के लिए मीरा के नाम को भेजा था लेकिन उनका प्रदर्शन अभी उतना अच्छा नहीं हो पा रहा है। हम उनके स्नैच की तकनीक पर थोड़ा और काम कर रहे है। वह ओलंपिक पदक विजेता है, ऐसे में राष्ट्रमंडल खेलों के लिए उनका क्वालिफिकेशन कोई मुद्दा नहीं है।''

राष्ट्रमंडल सीनियर चैम्पियनशिप का आयोजन पिछले साल (सिंगापुर में) होना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण नहीं हो सका था। इसका आयोजन भी विश्व चैम्पियनशिप के साथ उसी स्थल पर होगा। युवा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जेरेमी लालरिनुंगा सहित देश के बीस भारोत्तोलक इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे। शर्मा ने कहा, '' मीरा को कोई परेशानी नहीं है लेकिन यह एक रणनीतिक फैसला है। वह पिछले पांच साल से प्रतियोगिताओं में लगातार भाग ले रही है। मीराबाई ने हालांकि पिछले महीने पीटीआई-को दिये साक्षात्कार में कहा था कि उन्हें भार उठाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है और दर्द महसूस हो रहा है। एशियाई चैम्पियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता झिल्ली दलबेहेरा इस प्रतियोगिता में मीराबाई के वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वह पहले 45 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती थीं।

आमिर खान ने केजीएफ 2 की पूरी टीम से मांगी माफी

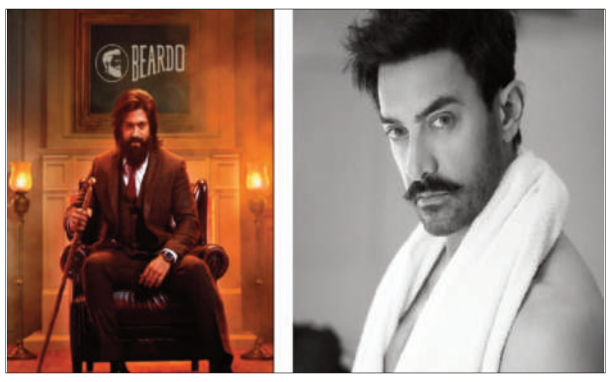

आमिर खान ने हाल ही में घोषणा की कि उनकी आगामी फिल्म लाल सिंह चड्ढा 14 अप्रैल, 2022 को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने की घोषणा की। यह फिल्म यश की केजीएफः अध्याय 2 क्लैश करेगी जो जिसकी रिलीज डेट पहले से ही तय थी और फैंस इस डेट का बेसब्री से इंतजार भी कर रहे थे। हाल ही में ट्रेड एनालिस्ट कोमल नाहटा को दिए एक साक्षात्कार में, आमिर ने कहा कि उन्होंने केजीएफ 2 अभिनेता से माफी मांगी। यश, निर्माता विजय किरागंदूर और निर्देशक प्रशांत नील को उनके जैसी ही रिलीज़ डेट चुनने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने फिल्म की रिलीज से पहले केजीएफः चैप्टर 2 का प्रमोशन करने की भी पेशकश है। दरअसल दोनों फिल्में कोरोना के कारण काफी देरी से चल रही हैं ऐसे में 14 अप्रैल, 2022 काफी अच्छी डेट है दर्शकों को सिनेमाघरों तक खिंचने के लिए। पिछले हफ्ते, आमिर खान ने अपनी लंबे समय से लंबित फिल्म लाल सिंह चड्ढा की रिलीज की तारीख की घोषणा की। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर यश की केजीएफः अध्याय 2 के साथ क्लैश करेगी। एक साक्षात्कार में, उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने केजीएफ 2 टीम को 14 अप्रैल, 2022 को रिलीज की तारीख के रूप में चुनने के अपने फैसले की व्याख्या करते हुए लिखा था। आमिर ने कहा कि बैसाखी का दिन लाल सिंह चड्ढा की रिहाई के लिए आदर्श था। उन्होंने आगे कहा, ₹आदर्श रूप से, मैं कभी भी ऐसी तारीख नहीं लूंगा जिसे पहले ही किसी अन्य बड़ी फिल्म के निर्माता द्वारा अंतिम रूप दिया जा चुका हो। मुझे यह धारणा देने से नफरत है कि मैं किसी और के क्षेत्र में प्रवेश कर रहा हूं, लेकिन चूंकि मैं पहली बार एक सिख की भूमिका निभा रहा हूं। मेरे करियर का समय, बैसाखी का दिन (14 अप्रैल) लाल सिंह चड्ढा की रिलीज़ के लिए सबसे उपयुक्त लग रहा था। उन्होंने उसी रिलीज की तारीख चुनने के लिए KGF: अध्याय 2 को बढ़ावा देने की पेशकश की। उन्होंने कहा, ₹इससे पहले कि मैं तारीख तय करता, मैंने केजीएफ चैप्टर 2 के निर्माता (विजय किरागंदूर), निर्देशक (प्रशांत नील) और लीड मैन (यश) से माफी मांगी। मैंने उन्हें अपनी स्थिति के बारे में बताया। मैंने उनसे कहा कैसे लॉकडाउन ने सभी निर्माताओं के लिए मामलों को मुश्किल बना दिया था। मैंने यह भी समझाया कि मेरी फिल्म के लिए बैसाखी रिलीज आदर्श होगी।

अपनी बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा रही कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा

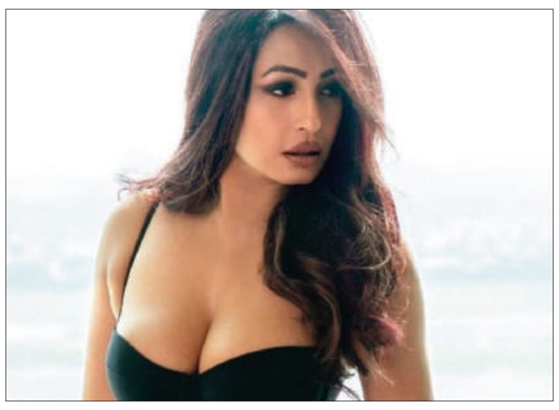

अपनी कॉमेडी से फैंस को एंटरटेन करने वाले कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है। जहाँ एक तरफ कृष्णा अभिषेक अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हसाते रहते हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी पत्नी कश्मीरा शाह अपने हॉट फिगर से लोगों के दिलों में आग लगा देती है। अभिनेत्री और मॉडल कश्मीरा शाह भले ही सिल्वर स्क्रीन पर ज्यादा नहीं दिखती पर उनकी गिनती इंडस्ट्री के सबसे सेक्सी और हॉट चेहरों में होती है। कश्मीरा शाह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और अपनी बोल्ड तस्वीरें इंटरनेट पर शेयर करती रहती है। कश्मीरा शाह 49 साल की है और इस उम्र में अपने बोल्ड फिगर्स से लाखों दिलों को मदहोश करने की क्षमता रखती हैं। हाल ही में कश्मीरा शाह ने पूल में समय बिताया जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करी, जो काफी वायरल हो रही है। कश्मीरा शाह और कृष्णा अभिषेक के बीच 12 साल का अंतर है। दोनों की पहली मुलाकात जयपुर में 2005 में फिल्म 'और पप्पू पास हो गया' की शूटिंग के दौरान हुई थी। उस समय कश्मीरा शाह प्रोड्यूसर ब्रैड लिस्टरमैन के साथ शादीशुदा थी। एक इंटरव्यू के दौरान कश्मीरा ने बताया था कि फिल्म की शूटिंग के बाद हम दोनों फ्री रहते थे। हम अलग-अलग होटल में ठहरे थे। एक दिन मैंने कृष्णा को अपने होटल में डिनर पर बुलाया था। हमने डिनर पर एक-दूसरे को करीब से जाना तो लगा कि हमारे बीच जरूर कोई अलग बात है। हमने पूरी रात बात की और सुबह के 7 बज गए थे, प्रोडक्शन से कॉल आने के बाद ही हमारी बातचीत बंद हुई। जयपुर से मुंबई लौटने के बाद दोनों मीडिया की नजर में आ गए और अफेयर के चर्चे शुरू हो गए थे। साल 2007 में अपने पहले पति ब्रैड लिस्टरमैन को तलाक देकर कश्मीरा शाह कृष्णा के साथ शिफ्ट हो गयी थी। इसके बाद साल 2013 में दोनों ने शादी कर ली, मई 2017 में सरोगेसी के जरिए कृष्णा और कश्मीरा जुड़वां बेटों के पेरेंट्स बने।

क्या नुसरत जहां और यश दासगुप्ता ने कर ली शादी? कपल ने लोगों से मांगा आशीर्वाद

अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस की सांसद नुसरत जहां ने हाल ही में अपने बेबी बॉय यशन की पहली झलक सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने 26 अगस्त को पार्टनर यश दासगुप्ता के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। नुसरत ने अपने बेटे का प्रैम में टहलते हुए वीडियो शेयर किया. हालाँकि, वह अपने बच्चे के चेहरे का खुलासा करने में सावधानी बरत रही है क्योंकि उसके पिता अपने बेटे की गोपनीयता बनाए रखना चाहते हैं और सार्वजनिक रूप से कोई विवरण साझा नहीं करना चाहते हैं। नुसरत ने कुछ दिन पहले अपने बॉयफ्रेंड यश दासगुप्ता के साथ एक फोटो भी अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की थी जिसमें उन्होंने कैप्शन लिखा था 'हमें आशीर्वाद दें'। इस फोटो ने इस बात को लेकर अफवाह फैल गयी कि नुसरत जहां ने यश दासगुप्ता से शादी कर ली है। तमाम सवालों के बावजूद नुसरत अपने को-स्टार के साथ अपने रिश्ते को लेकर चुप्पी साधे रहने में कामयाब रही हैं। इस फोटो के साथ फिल्म 'मास्टरमोशाय अपनी किचू देखनेनी' के मुहूर्त की दो अन्य तस्वीरें भी शेयर की गई हैं। बंगाली अभिनेत्री और टीएमसी सांसद नुसरत जहां कई कारणों से सुर्खियों में बनी हुई हैं। सबसे पहले उन्होंने व्यवसायी निखिल जैन के साथ उसका अंतर-धार्मिक विवाह किया था, जिसके बाद मुस्लिम समुदायों ने उनके खिलाफ फतवा जारी कर दिया था लेकिन बाद में मामला ठंडा पड़ गया। दो साल बाद एक दिन नुसरत जहां ऐलान करती है कि भारत की धरती पर निखिल जैन से उनकी शादी अमान्य थी, वह निखिल जैन से अलग हो रही है। जब शादी ही अमान्य है तो तलाक जैसी कोई प्रक्रिया नहीं हुई। निखिल से अलग होने के बाद उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया लेकिन निखिल ने प्रेग्नेंसी के दौरान ही यह साफ कह दिया था कि यह बच्चा मेरा नहीं है। नुसरत को ईसके लिए काफी ट्रोल भी किया गया था.। नुसरत ने अपने बच्चे ता नाम नहीं बताया था लेकिन मीडिया में नुसरत और और बीजेपी नेता यश दास गुप्ता के लव अफेयर की खबरें थी। अभिनेत्री को उनकी अवैध शादी और अभिनेता यश दासगुप्ता के साथ उनके कथित संबंधों के लिए ट्रोल किया गया था। नुसरत ने 19 जून, 2019 को तुर्की के शहर बोडरम में अपने बिजनेसमैन-बॉयफ्रेंड निखिल जैन के साथ शादी के बंधन में बंधी थी। हालांकि, नुसरत ने कहा था कि चूंकि वह मुस्लिम हैं और निखिल हिंदू हैं, इसलिए उनके अंतरधार्मिक विवाह को भारत में विशेष विवाह अधिनियम के तहत मान्यता की आवश्यकता है। उन्होंने अधिनियम के तहत अपनी शादी को पंजीकृत नहीं किया था और शादी एक विदेशी भूमि में हुई थी, यह अमान्य था।

शहनाज गिल के लिए डब्बू रत्नानी ने दिया ऐसा कंमेंट, फैंस बोले- वाहेगुरु जी सना की रक्षा करो!

सेलिब्रिटी फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी ने गुरुवार को एक्ट्रेस शहनाज गिल की एक नई तस्वीर साझा की। तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने शहनाज गिल के लिए लिखा- अपना सिर ऊपर रखो, अपने दिल को मजबूत रखो। शहनाज गिल के प्रेमी सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद शहनाज की हालत ठीक नहीं है। दोनों एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे। दोनों के बीच की दोस्ती और केमिस्ट्री बिग बॉस 13 में हम सभी ने देखी थी। सिद्धार्थ को लेकर शहनाज गिल के अंदर जो प्यार था उसकी लोग मिसाले देते थे। अचानक सिद्धार्थ के निधन ने सब कुछ बदल दिया सिद्धार्थ की सना बिखर गयी थी। सिद्धार्थ की मौत 2 सितंबर को हुई थी। एक लंबे गेप के बाद शहनाज गिल अपने आप को संभालते हुए वापस काम पर लौट रही हैं। शायद सिद्धार्थ शुक्ला अगर जिंदा होते तो वो भी यही चाहते। सना ने अपनी जिंदगी को अंधेरे मे नहीं डूबोया बल्कि वह वापस लौटीं। उनके वापस लौटने से उनके फैंस काफी खुश हैं। अपने फैंस के लिए सना ने सिद्धार्थ की यादों संग एक म्यूजिक वीडियो भी तैयार किया और अपने फैंस को यह संदेश दिया कि सिद्धार्थ हम सब के बीच ही हैं। शहनाज गिल की जो तस्वीरें डब्बू रत्नानी ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर कि हैं वह सिद्धार्थ शुक्ला की मौत से पहले की है। हर साल जब डब्बू का सालाना केलेंडर लॉन्च होता है तो वह अपने सालभर के फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं। डब्बू रत्नानी के फोटोशूट की ये तस्वीरे सना पहले ही अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कर चुकी हैं। सना को लेकर उनके फैंस भगवान से उनकी रक्षा करने की दुआ कर रहे हैं। शहनाज़ ने अपनी जिंदगी में आयी त्रासदी के बाद अपनो सोशल मीडिया प्रोफाइल ज्यादा अपडेट नहीं किया। उन्होंने सिद्धार्थ संग अपनी कुछ यादों को ही अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। सिद्धाक्थ की मौत के बाद वह केवल सार्जनिक रूप से अपनी पंजाबी फिल्म, होन्सला राख के प्रमोशन के लिए ही सामने आयी थी।

नुसरत भरुचा की फिल्म Chhorii को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर बॉलीवुड के कई सितारे टक्कर देने वाले हैं। जहां नुसरत भरुचा की हॉरर फिल्म 'छोरी' देखने के बाद लोग डर के साए में जी रहे हैं, वहीं मेकर्स द्वारा वेब शो का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से वे सुष्मिता सेन की 'आर्या 2' को लेकर भी उत्साहित हैं। अमेरिकी मनोरंजन कंपनी क्रिप्ट टीवी के साथ अबुदंतिया एंटरटेनमेंट और टी-सीरीज़ द्वारा सह-निर्मित हॉरर फिल्म छोरी का प्रीमियर 26 नवंबर को अमेज़न प्राइम वीडियो पर हुआ। फिल्म में नुसरत भरुचा मुख्य भूमिका में हैं। जनवरी 2020 में, भारतीय फिल्म और डिजिटल कंटेंट स्टूडियो अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट ने अमेरिकी मनोरंजन कंपनी क्रिप्ट टीवी के साथ करार किया था जो डरावनी फिल्में बनाने में माहिर है। दोनों भारतीय बाजार के लिए नए आईपी (बौद्धिक संपदा) बनाएंगे और साथ ही क्रिप्ट के अंतरराष्ट्रीय शो और फिल्मों को स्थानीय भारतीय भाषाओं में रीमेक करने के लिए निर्यात करेंगे। छोरी एक 2021 भारतीय हिंदी भाषा की हॉरर फिल्म है, जो विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा, जैक डेविस, शिखा शर्मा और शिव चनाना द्वारा निर्मित है। मराठी भाषा की फिल्म लापछापी (2017) की रीमेक हैं। फिल्म में मीता वशिष्ठ, राजेश जायस और सौरभ गोयल के साथ नुसरत भरुचा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का प्रीमियर 26 नवंबर 2021 को अमेज़न प्राइम वीडियो पर हुआ।

पति ने की बेवफाई, बॉयफ्रेंड ने दिया धोखा ! तलाक के बाद गिर कर उभरी रश्मि देसाई

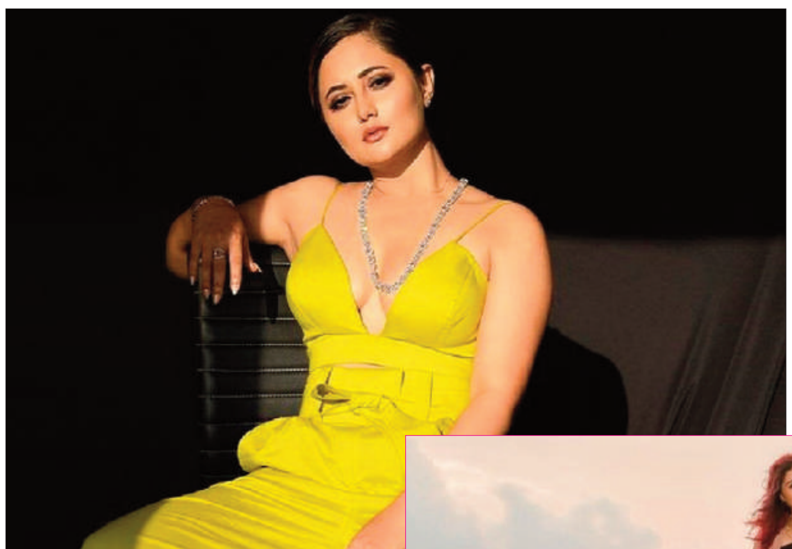

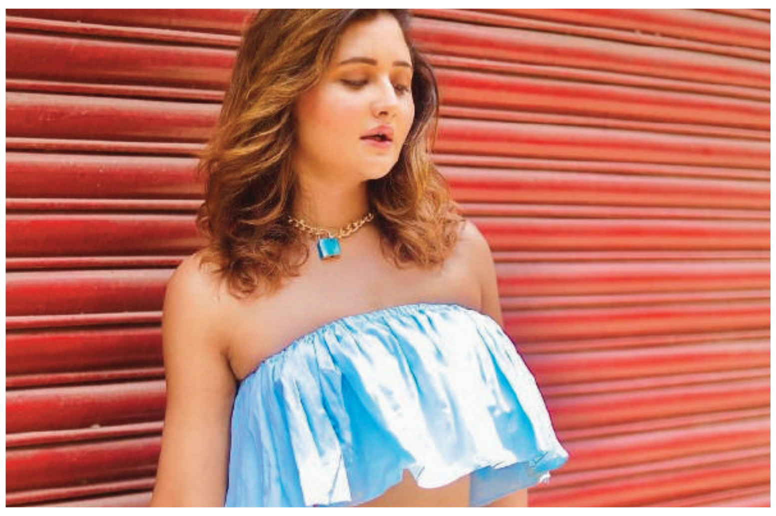

टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई अपनी अदाकारी के कारण टीवी की दुनिया की सबसे मंहगी एक्ट्रेस में से एक हैं। एक्ट्रेस अपने काम के साथ साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहीं। रश्मि देसाई को लेकर कई विवाद उभरे लेकिल एक्ट्रेस ने डटकर सामना किया और खुद को निखार कर बाहर किया। बिग बॉस 13 में रश्मि देसाई ने शानदार पारी खेली। इस दौरान हम सभी ने देखा कि वह महिलाओं के लिए एक प्रेरणा है क्योंकि जहां कुछ लोग धोखे-बेवफाई से परेशान होकर जिंदगी हार जाते हैं वहीं एक्ट्रेस ने अपनी जिंदगी में हुई घटनाओं को सबक के तौर पर लिया और आगे बढ़ी। एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने सबसे ज्यादा सुर्खियां तब बटौरी जब उन्होंने उतरन के अपने को स्टार नंदीश संधु के संग शादी रचाई। दोनों ने एक दूसरे को लंबे समय तक डेट किया और फिर शादी की। ये शादी 4 साल तक भी नहीं टिक सकी। रश्मि देसाई के अनुसार वह नंदीश संधु के अन्य लड़कियों के साथ रिश्तों को लेकर काफी परेशान हो गयी थी। इसके अलावा नंदीश संधु का ओवर पजेसिव नेचर भी एक्ट्रेस को पसंद नहीं आ रहा था। दोनों के बीच लगातार झगड़े हो रहे थे और आखिर में रश्मि ने नंदीश संधु से अलग होने का फैसला किया। शादी के बाद हम सभी ने रश्मि देसाई और सिद्धार्थ शुक्ला के लव अफेयर की चर्चाएं भी सुनी लेकिन दोनों के बीच खूबसूरत केमिस्ट्री के साथ साथ भयंकर दुश्मनी भी उत्पन्न हो गयी। दोनों को टीवी शो दिल से दिल तक में कास्ट किया गया था लेकिन ये शो दोनों के बीच बढ़ रहे विवाद के कारण बंद करना पड़ा। इसके बाद रश्मि देसाई को हम सभी ने बिग बॉस 13 में देखा। इस शो में रश्मि के बॉयफ्रेंड अरहान खान ने भी वाइल्ड कार्ड एंट्री की। शो में सलमान खान ने जो खुलासे किए उनसे रश्मि देसाई चौक गयी। रश्मि को अरहान के शादीशुदा और बच्चे होने की बात पता नहीं थी। नेशनल टीवी पर दोनों का ब्रेकअप हुआ था। बिग बॉस के बाद रश्मि देसाई की काया ही पलट गयी है। एक्ट्रेस को शानदार अवतार में देखा जा सकता हैं। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्मों में भी काम किया। कई म्यूजिक वीडियो सॉन्ग किए साथ ही अपनी हॉट तस्वीरों ने वह सोशल मीडिया पर धमाका मचाती रहती हैं।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DELHIHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स -WA30, ओखला इंडसट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276 , संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोन:8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।